THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 348 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.12 2081 मंगलवार, 11 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'विमान निर्माण के लिए एसपीवी स्थापित करेगी सरकार'

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार क्षेत्रीय परिवहन विमान बनाने के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) स्थापित करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में विमानों और उनके घटकों के निर्माण के लिए आवश्यक नीतियां मौजूद हैं। राज्यसभा में सवालों के जवाब देते हुए, उड्डयन मंत्री ने विमान घटक विनिर्माण और एमआरओ गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। गौरतलब है कि भारत, दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है और घरेलू एयरलाइंस ने बढ़ती हवाई यातायात मांग को पूरा करने के लिए अपने बेड़े का विस्तार करते हुए 1,500 से अधिक विमानों के लिए ऑर्डर दिए हैं। >14

वोटर लिस्ट और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में हंगामा

राज्यसभा से विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। परिसीमन और तीन भाषा नीति के मुद्दे पर तमिलनाडु की डीएमके सरकार केंद्र पर लगातार हमले बोल रही है। सोमवार को बजट सत्र के दूसरे चरण के शुरू होते ही संसद में भी ये मुद्दे उठे और साथ ही वोटर लिस्ट का मामले पर भी चर्चा की मांग उठी। राज्यसभा में उप-सभापति ने इन मुद्दों पर चर्चा से इनकार कर दिया तो विपक्ष ने इसे लेकर खूब हंगामा किया और सदन से वॉकआउट किया। सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने विपक्षी सदस्यों के इस व्यवहार की निंदा की और आसन से आग्रह किया कि वह नेता प्रतिपक्ष सहित सभी सदस्यों को 'रिफ्रेश' कोर्स करवाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, बशर्ते वे नियमों के तहत हों।

राज्यसभा में क्या हुआ :

राज्यसभा की कार्यवाही आरंभ होते ही उपसभापति हरिवंश ने बताया कि उन्हें मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) क्रमांक के दोहराव, परिसीमन, भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अमेरिका से फंडिंग और तीन भाषा नीति सहित कुछ मुद्दों पर तत्काल चर्चा कराने के लिए नियम 267 के तहत 12 नोटिस मिले हैं। उन्होंने सभी नोटिस अस्वीकार कर दिए। इसके बाद कांग्रेस, डीएमके और तृणमूल के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों आसन के निकट आ गए और हंगामा करने लगे। उपसभापति हरिवंश ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी बात रखने को कहा। जिसके बाद खड़गे ने बोलना शुरू ही किया था कि हरिवंश ने कहा कि वह खारिज किए जा चुके नोटिस से सबंधित मुद्दे नहीं उठा सकते। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने कुछ देर तक विरोध प्रदर्शन किया और फिर सदन से वॉकआउट किया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य आसन के निकट आकर लोकसभा सीटों के परिसीमन से दक्षिण के राज्यों पर पड़ने वाले प्रभाव के मुद्दे पर हंगामा कर रहे थे। परिसीमन और नई शिक्षा नीति के मुद्दे पर लोकसभा में भी तकरार देखने को मिली, जब डीएमके सांसद के एक सवाल के जवाब में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भड़क गए और उन्होंने डीएमके सदस्यों को असभ्य कह दिया और तमिलनाडु के छात्रों के भविष्य से राजनीति करने का आरोप लगाया।

जेपी नड्डा ने कहा-यह विपक्ष का गैर-जिम्मेदाराना रवैया :

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने वॉकआउट को विपक्ष का 'गैर जिम्मेदाराना व्यवहार' करार दिया और सुझाव दिया कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे सहित विपक्षी सांसदों को सदन के नियमों पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने सभापति के विस्तृत फैसले के बावजूद नियम 267 के तहत विपक्षी सांसदों द्वारा नोटिस देने की प्रथा को 'संसद की संस्था को नीचा दिखाने का शातिर इरादा' करार दिया। उन्होंने कहा, विपक्ष को बहस में कोई दिलचस्पी नहीं है।

वे बस ये दिखाना चाहते हैं कि सरकार सवालों के जवाब नहीं देना चाहती है या बहस से बचना चाहती है। उन्होंने कहा कि सांसदों को अगले 10 दिनों में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान अपने मुद्दों को उठाने का मौका मिलेगा। उन्होंने विपक्षी सांसदों से कहा कि वे पहले नियमों को पढ़ें और बहस करना सीखें।

भगोड़े ललित मोदी को झटका : वानुअतु की नागरिकता रद्द, पीएम जोथम ने पासपोर्ट रद्द करने का दिया आदेश

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। भगोड़े कारोबारी ललित मोदी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। वानुअतु सरकार ने उनकी नागरिकता रद्द कर दी है। वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापाट ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए ललित मोदी का पासपोर्ट भी रद्द करने का फैसला लिया है। यह कदम ललित मोदी के खिलाफ उठाए गए अंतर्राष्ट्रीय कानूनी कार्रवाई का हिस्सा है, जिन्होंने भारत में कई गंभीर आरोपों का सामना किया है। ललित मोदी आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के पूर्व चेयरमैन रहे हैं, लेकिन 2010 में भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोपों के चलते उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ा था। भारत सरकार कई बार इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग कर चुकी है, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया। वनुआतू की नागरिकता मिलने के बाद ललित मोदी को सुरक्षित हो गए थे, लेकिन अब जब वनुआतू ने भी उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने का फैसला कर लिया है, तो यह ललित मोदी के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच साल 2010 में ललित मोदी भारत छोड़कर लंदन भाग गए थे।

सुरक्षा बलों ने 12 उग्रवादियों को किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

इंफाल, 10 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में एन बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है। इसके बाद से राज्य में लगातार तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच सुरक्षा बलों ने पिछले दो दिनों के भीतर विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े कम से कम 12 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इंफाल पश्चिम के लांगोल टाइप-2 क्षेत्र से शनिवार को प्रतिबंधित 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ-साथ भारत-म्यांमार सीमा पर तेंग्नौपाल जिले में कांगलेई याओल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले से रविवार को मणिपुर के प्रतिबंधित राष्ट्रीय क्रांतिकारी मोर्चा की एक महिला कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि रविवार को दो अलग-अलग अभियानों के दौरान इंफाल पूर्वी जिले के खोंगमन नांदेइबाम लेइकाई और इंफाल पश्चिमी जिले के हेनोपोक में कांगलीपाक पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी (पीआरईपीएके) के पांच सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के दो कार्यकर्ताओं को इंफाल पश्चिम जिले के लांफेल और समूरो से गिरफ्तार किया गया।

चुनाव आयोग की भूमिका पर संसद में 193 नोटिस देगी टीएमसी

मतदाता पहचान पत्र में गड़बड़ी को लेकर सांसद बिफरे

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी संसद में चुनाव आयोग की भूमिका और कार्यप्रणाली को लेकर नोटिस देगी। उन्होंने कहा, हम संसद में 193 नोटिस देने जा रहे हैं, जिसमें चुनाव आयोग की भूमिका और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जाएंगे।

कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि तीन मतदाताओं के एक ही ईपीआईसी नंबर हैं, जो कि कानूनन अवैध है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है और उनकी पार्टी इसे संसद में मजबूती से उठाएगी। कल्याण बनर्जी ने यह भी प्रस्ताव रखा कि 13 मार्च की छुट्टी की भरपाई के लिए 15 मार्च (शनिवार) को संसद की कार्यवाही आयोजित की जाए। उन्होंने बताया कि 14 मार्च को होली की छुट्टी होने के कारण 13 मार्च को भी अवकाश रहेगा। बता दें कि, 17 मार्च से कई विभागों के बजट पर चर्चा शुरू होगी। इस दौरान रेलवे, जल शक्ति और कृषि मंत्रालय के बजट पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरूआत होते ही विपक्षी सांसदों ने कई मुद्दों पर हंगामा किया और राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया। इस दौरान परिसीमन और नई शिक्षा नीति (एनईपी) पर बहस की अनुमति न मिलने पर विपक्षी दलों ने विरोध जताया। वहीं डीएमके ने तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने पर सरकार की आलोचना की। लोकसभा में भी विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया, जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने डीएमके पर तमिलनाडु के छात्रों के भविष्य के साथ राजनीति करने का आरोप लगाया। >14

'पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे, इस पर चर्चा होनी चाहिए'

> लोकसभा में राहुल गांधी ने की मांग

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। करीब एक महीने के अंतराल के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही शुरू हो गई है। सत्र के दूसरे भाग के पहले कई मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस देखने को मिली है। वहीं लोकसभा में बोलते हुए कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक मांग रखी कि पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं। सभी विपक्षी दल वोटर लिस्ट पर सवाल उठा रहे हैं। अब पूरा विपक्ष बस यही कह रहा है कि वोटर लिस्ट पर चर्चा होनी चाहिए।

हर राज्य में विपक्ष ने एक स्वर में सवाल उठाए हैं :

राहुल गांधी ने मामले में कहा, हम आपकी टिप्पणी को स्वीकार करते हैं कि सरकार मतदाता सूची नहीं बनाती है। लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हैं। उन्होंने कहा, देश भर में मतदाता सूची पर सवाल उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र समेत हर राज्य में विपक्ष ने एक स्वर में सवाल उठाए हैं। वहीं इस मामले में राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा, चुनाव आयोग सरकार के हाथ में है... अगर लोकतंत्र ऐसे ही चलता रहा और चुनाव आयोग सरकार के लिए पैरवी करता रहा तो जो नतीजे आएंगे वो आपके सामने हैं... अगर यही व्यवस्था चलती रही तो ये लोकतंत्र नहीं बल्कि दिखावा है... हमें कई सालों से शक है... जमीन पर क्या होता है ये सबको पता है लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है।

मतदाता सूची में कुछ खामियां हैं :

इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सौगत रॉय ने कहा कि मतदाता सूची में कुछ खामियां हैं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि मुर्शिदाबाद और बर्दवान संसदीय क्षेत्रों और हरियाणा में एक ही ईपीआईसी (चुनावी फोटो पहचान पत्र) संख्या वाले मतदाता मौजूद हैं। टीएमसी ने कहा कि तृणमूल का एक प्रतिनिधिमंडल मतदाता सूची पर चिंताओं को उठाने के लिए नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त से मिल रहा है।

तेलंगाना टनल हादसा, पहला शव पंजाब के गुरप्रीत का निकला

पीड़ित परिवार को 25 लाख की मदद का ऐलान; 17वें दिन भी रेस्क्यू जारी

नागर कर्नूल, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल से रविवार (16वां दिन) को एक शव बरामद हुआ। बॉडी की पहचान पंजाब के गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई। सोमवार को शव गुरप्रीत के परिवार को सौंप दिया गया। तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने उनके परिवार को 25 लाख रुपये की मदद का ऐलान किया है।

अधिकारियों ने बताया था कि शव गाद (कीचड़) में 10 फीट नीचे मशीन में फंसा था। उसके केवल हाथ नजर आए थे। मशीन काट को शव को निकाला गया था। इसके बाद नागरकर्नूल के सरकारी अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया और शव स्पेशल एम्बुलेंस से पंजाब भेजा गया। अन्य 7 मजदूरों की तलाश जारी है।

स्निफर डॉग्स ने बॉडी का पता लगाया :

तेलंगाना के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी बताया कि 7 मार्च को स्निफर डॉग्स (खोजी कुत्ते) को टनल में ले जाया गया था। खोजी कुत्तों ने खास जगह पर तेज गंध (इंसान की गंध) का पता लगाया था। तीन लोगों के होने की आंशका है। रेस्क्यू में 525 कर्मी लग हुए हैं। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को धंस गया था। इस वजह से अंदर काम कर रहे 8 मजदूर फंस गए थे। राज्य सरकार ने कहा था कि उनके बचने की संभावना बहुत हम है, लेकिन हम हर संभव प्रयास करेंगे।

सीएम स्टालिन ने धर्मेंद्र प्रधान को बताया अहंकारी

> जुबान पर नियंत्रण रखें केंद्रीय मंत्री

चेन्नई, 10 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में सीएम एमके स्टालिन और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच तीन भाषा नीति को लेकर विवाद जारी है। सोमवार को एमके स्टालिन ने धर्मेंद्र प्रधान को अहंकारी बताया। स्टालिन ने कहा कि वे खुद को राजा समझकर अहंकार से बात करते हैं। प्रधान अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें।

लोकसभा में सोमवार को प्रधान ने तमिलनाडु सरकार को बेईमान कहा था। इसके बाद जवाब में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु सरकार केंद्र की पीएमश्री योजना को लागू करने के लिए आगे नहीं आई है और जब ऐसा है तो कोई भी उन्हें इस संबंध में राजी नहीं कर सकता। सीएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह बताइए कि क्या आप वह फंड जारी कर सकते हैं या नहीं, जो हमसे एकत्र किया गया था और जो तमिलनाडु के छात्रों के लिए है। स्टालिन ने धर्मेंद्र प्रधान का वह पत्र साझा किया, जिसमें लिखा गया है कि तमिलनाडु ने नई शिक्षा नीति, तीन भाषा नीति और पीएम श्री एमओयू को अस्वीकार कर दिया। इस पर स्टालिन ने कहा कि द्रमुक सरकार लोगों के विचारों का सम्मान करते हुए काम करती है। जबकि भाजपा नेता नागपुर के शब्दों से बंधे रहते हैं। उन्होंने डीएमके सांसदों को निशाना बनाने के लिए प्रधान की आलोचना की और कहा कि केंद्रीय मंत्री ने फंड जारी न करके तमिलनाडु को धोखा दिया है। उन्होंने पूछा कि आप तमिलनाडु के लोगों का अपमान कर रहे हैं। क्या पीएम नरेंद्र मोदी इसे स्वीकार करते हैं?

धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा में यह कहा था :

लोकसभा की कार्यवाही सोमवार को लगभग 30 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी जब द्रमुक सदस्यों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की टिप्पणियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रधान ने तमिलनाडु सरकार को 'बेईमार्न' बताते हुए कहा कि वह छात्रों के भविष्य को 'बर्बार्द' कर रही है और पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया योजना पर पूरी तरह 'यू-टर्न' ले रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, एक समय था जब तमिलनाडु सरकार केंद्र सरकार के साथ (एनईपी पर) एमओयू पर हस्ताक्षर करने को तैयार थी। तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री के साथ कुछ सदस्य हमारे पास आए थे और उन्होंने सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और पंजाब जैसे गैर-भाजपा शासित राज्य भी पीएमश्री योजना को स्वीकार कर रहे हैं।

प्रधान ने कहा, हम तमिलनाडु को वित्तीय आवंटन कर रहे हैं, लेकिन वे प्रतिबद्ध नहीं हैं। वे (द्रमुक) तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। वे जानबूझकर राजनीति कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वे छात्रों के साथ अन्याय कर रहे हैं और अलोकतांत्रिक तथा असभ्य तरीके से व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने द्रमुक पर तमिलनाडु के छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों को रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार सबके लिए काम कर रही है।

सीएम फडणवीस बोले-सभी औरंगजेब की मकबरा हटाने के पक्ष में

कांग्रेस ने इसे एएसआई के अधीन किया था

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि सभी लोग चाहते हैं कि मुगल शासक औरंगजेब का मकबरा हटाया जाए, लेकिन इसे कानूनी प्रक्रिया के तहत ही करना होगा। उन्होंने बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार ने इस स्थल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में रखा था, इसलिए इसे हटाने के लिए कानून के दायरे में रहकर काम करना जरूरी होगा।

छत्रपति शिवाजी के वंशज ने की थी मांग :

बता दें कि, भाजपा सांसद और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले ने औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम फडणवीस ने कहा, हम भी यही चाहते हैं, लेकिन यह एक संरक्षित स्थल है। कांग्रेस सरकार के दौरान इसे एएसआई के संरक्षण में लाया गया था। इसलिए इसे हटाने के लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा।

अबू आजमी के हालिया बयान से मचा है बवाल :

हाल ही में समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र विधायक अबू आसिम आजमी के औरंगजेब के समर्थन में दिए गए बयान के बाद विवाद बढ़ गया था। विधानसभा में उनके बयान को लेकर भारी हंगामा हुआ था। इसके बाद अबू आजमी 26 मार्च तक के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। औरंगजेब का मकबरा छत्रपति संभाजीनगर जिले में मौजूद है।

'महाकुंभ के दौरान नहाने लायक था गंगा का पानी'

> केंद्र ने संसद में पेश की सीपीसीबी की नई रिपोर्ट

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। गंगा नदी के पानी की गुणवत्ता को लेकर छिड़े विवाद के बीच केंद्र सरकार ने संसद में सोमवार को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की नई रिपोर्ट पेश की। सरकार ने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज में हुए महाकुंभ के दौरान भी त्रिवेणी संगम पर गंगा का पानी नहाने लायक था। सरकार ने यह भी बताया कि गंगा नदी की सफाई के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में कुल 7,421 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

लोकसभा में समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया और कांग्रेस सांसद के सुधाकरन के सवाल के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक गंगा नदी के पानी में सभी तत्व जैसे पीएच, घुलित ऑक्सीजन (डीओ), जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) और फेकल कोलीफॉर्म (एफसी) के औसत मान स्नान के लिए लायक सीमा के अंदर थे।

उन्होंने कहा कि सीपीसीबी ने श्रृंगवेरपुर घाट से लेकर दीहाघाट तक, संगम नोज (जहां गंगा और यमुना का संगम होता है) सहित सात स्थानों पर सप्ताह में दो बार जल गुणवत्ता की निगरानी की। निगरानी 12 जनवरी से शुरू हुई और इसमें अमृत स्नान के दिन भी शामिल थे। सीपीसीबी ने तीन फरवरी को एनजीटी को अपनी प्रारंभिक निगरानी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें 12 से 26 जनवरी 2025 के बीच एकत्र जल गुणवत्ता डाटा शामिल था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस रिपोर्ट में प्रयागराज में स्थापित 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और सात जियोसिंथेटिक डिवाटरिंग ट्यूब (जियो-ट्यूब) के निगरानी का डाटा भी शामिल था। 14

कूडलमाणिक्यम मंदिर में जातिगत भेदभाव का आरोप

त्रिशूर, 10 मार्च (एजेंसियां)। केरल राज्य मानवाधिकार आयोग (केएसएचआरसी) ने कूडलमाणिक्यम मंदिर में कथित जातिगत भेदभाव के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। मामले में आयोग की सदस्य वी. गीता ने कोचीन देवस्वम कमिश्नर और कूडलमाणिक्यम मंदिर के कार्यकारी अधिकारी को दो हफ्ते के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

क्या है पूरा मामला :

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एक पिछड़ी जाति के व्यक्ति को देवस्वम भर्ती बोर्ड की परीक्षा पास करने के बाद मंदिर में कझकम पद पर नियुक्त किया गया था। लेकिन मंदिर के तंत्री (मुख्य पुजारी) के विरोध के कारण उसे दूसरे कार्य में लगा दिया गया। बता दें कि, मंदिर में फूलों की माला बनाना और अन्य पूजा से जुड़ी सजावट व रस्मों को पूरा करने का काम कझकम के अंतर्गत आता है।

भूपेश बघेल और उनके बेटे के 14 ठिकानों पर छापा

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर पर प्रवर्तन निदेशालय का छापा पड़ा है। ईडी की टीम ने आज सोमवार की तड़के भिलाई स्थित भूपेश बघेल के निवास और चैतन्य बघेल के घर पर छापेमारी की है। इसके अलावा टीम अन्य कई स्थानों पर कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन मामले से जुड़े कथित शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे के ठिकानों पर छापा मारा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर ईडी छापेमारी की जानकारी लगाने पर उनके बड़ी संख्या में समर्थकों ने निवास पहुंचकर ईडी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे है।

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने ईडी की कार्रवाई को लेकर कहा कि सात वर्षों से चले आ रहे झूठे केस को जब अदालत में बर्खास्त कर दिया गया तो आज ईडी के मेहमानों ने पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल के भिलाई निवास में आज सुबह प्रवेश किया है। अगर इस षड्यंत्र से कोई पंजाब में कांग्रेस को रोकने का प्रयास कर रहा है, तो यह गलतफहमी है।

14 ठिकानों पर ईडी का छापा

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे के घर पर चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापेमारी कर रही है। ईडी कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ में 14 स्थानों पर छापेमारी कर रहा है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के घर पर ईडी की छापेमारी पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि ईडी पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पालतू कुत्ता बन गया है। वे इस कुत्ते को जहां चाहें भेज सकते हैं। भूपेश बघेल कांग्रेस के लिए एक मजबूत नेता रहे हैं। उन्होंने ये लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस पार्टी और छत्तीसगढ़ की जनता उनके साथ खड़ी है। हम सभी जानते हैं कि भाजपा और आरएसएस द्वारा बनाए गए ये फर्जी नैरेटिव हार जाएंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आवास पर ईडी की छापेमारी पर कहा कि सभी जानते हैं कि कांग्रेस की सरकार में कई घोटाले हुए थे। इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी कर रही हैं। ईडी की जांच चल रही है और इसमें प्रदेश और बीजेपी का कोई दखल नहीं है।

आज अचानक कार्रवाई नहीं हुई

भूपेश बघेल के आवास पर ईडी की छापेमारी पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि इस बात से कोई कैसे इनकार कर सकता है कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में बड़े घोटाले हुए हैं। ईडी की कार्रवाई लंबे समय से चल रही है। ऐसा नहीं है कि आज अचानक कोई कार्रवाई की गई है। ईडी लंबे समय से जांच कर रही है। जांच के दौरान उन्हें कुछ तथ्य और संदेह मिले होंगे। उसी के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई की है और अगर आपकी कोई भूमिका नहीं है, तो डरने या घबराने की कोई बात नहीं होनी चाहिए।

बंगाल में भाजपा विधायक निलंबित : दो अन्य को बाहर निकाला

कोलकाता, 10 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में सोमवार को उस समय हंगामा मच गया, जब विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले का विरोध किया।

विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंदोपाध्याय ने भाजपा विधायक दीपक बर्मन को शेष सत्र के लिए निलंबित किया और दो अन्य भाजपा विधायकों को विधानसभा से बाहर निकालने के लिए मार्शल को आदेश दिया। इसके बाद भाजपा के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष पर पक्षपाती रवैया अपनाने का आरोप लगाया और सदन से वॉकआउट किया। यह घटनाक्रम तब शुरू हुआ, जब भाजपा विधायक हिरण चटोपाध्याय ने बजट पर चर्चा के दौरान पश्चिम बंगाल लोकसेवा आयोग (डब्ल्यूबीपीएससी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

कन्नड़ अभिनेत्री को भाजपा सरकार ने जमीन दी

गोल्ड स्मगलिंग केस

फरवरी 2023 में स्टील प्लांट के लिए आवंटित की गई, 138 करोड़ का प्रोजेक्ट था

बेंगलुरु, 10 मार्च (एजेंसियां)। रान्या राव को 3 मार्च को 14.2 किलो सोने के साथ बेंगलुरु के केंपागौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था। वह 14 दिन की हिरासत में है। गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव उर्फ हर्षवर्धिनी रान्या स्टील प्लांट लगाने वाली थी। कर्नाटक सरकार ने उसे फरवरी 2023 में 12 एकड़ जमीन भी अलॉट कर दी थी। कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईडीबी) ने बताया कि रान्या की फर्म क्षीरोडा इंडिया को तुमकुरु जिले के सिरा औद्योगिक क्षेत्र में जमीन दी गई थी। रान्या की फर्म को 12 एकड़ जमीन दी गई, जिसमें वह स्टील प्लांट लगाने वाली थी। इसके लिए वह 138 करोड़ रुपए निवेश करने वाली थी। इससे 160 लोगों को रोजगार मिलता।

मामले के राजनीतिक मोड़ लेता देख कर्नाटक के उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के ऑफिस से रान्या के जमीन आवंटन से जुड़ी जानकारी शेयर की गई है। इसमें बताया गया कि भाजपा सरकार में रान्या को जमीन दी गई। दो महीने बाद राज्य में कांग्रेस की सरकार बन गई।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को 3 मार्च को 14.2 किलो सोने के साथ बेंगलुरु के केंपागौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दुबई से लौटने के दौरान गिरफ्तार किया गया था। रान्या ने इसे अपने बेल्ट में छिपाकर लाई थी। उन पर स्मगलिंग का केस दर्ज किया गया है।

इससे पहले पुलिस ने 6 मार्च को रान्या के लावेल रोड स्थित अपार्टमेंट की तलाशी ली थी। यहां से 2.1 करोड़ रुपए की ज्वेलरी और 2.7 करोड़ रुपए नकद बरामद किए। सोने की कीमत 12.56 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस तरह रान्या से कुल 17.29 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। रान्या कर्नाटक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के DGP रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। राव ने कहा कि मेरे करियर पर कोई काला धब्बा नहीं है। किसी भी अन्य पिता की तरह जब मीडिया के जरिए यह बात मुझे पता चली तो मैं हैरान हो गया। सूत्रों का दावा है कि रान्या को हर एक किलो सोना लाने पर 1 लाख रुपए मिलते हैं। इस तरह हर ट्रिप में उनकी 12 से 13 लाख रुपए की कमाई हुई। DRI अधिकारियों के मुताबिक, रान्या राव दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट के जरिए भारत लौटी थीं।

जब लोकसभा में भड़क गए स्पीकर ओम बिरला

विपक्ष के सांसद से बोले- निकाल कर बाहर कर दूंगा

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही जारी है। इस दौरान लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला विपक्ष के एक सांसद पर भड़क गए। उन्होंने सांसद को चेतावनी दी कि सदन मर्यादा से चलेगा। अगर इस तरह का व्यवहार करेंगे, तो निकालकर सदन से बाहर कर देंगे। विपक्ष के साथ स्पीकर ने सरकार को भी सुनाया। स्पीकर ने संसदीय कार्यमंत्री से भी कहा सदन में प्रस्ताव लेकर आइए। अगर सरकार कुछ नहीं करेगी तो मुझे कार्रवाई करनी होगी।

डीएमके सांसद ने लगाए स्पीकर पर पक्षपात के आरोप

लोकसभा में कार्यवाही के दौरान विपक्ष के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि ये व्यवहार ठीक नहीं है। मैं सबको बोलने का मौका दे रहा हूं। आप लोग अपनी सीट पर बैठिए। तभी डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने कहा कि वो वॉकआउट करेंगे। उन्होंने 'स्पीकर वन साइड-वनसाइड' के नारे लगाए।

इस पर स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने कहा कि ये रिकॉर्ड में नहीं है। अगर रिकॉर्ड में होता तो मैं आपके खिलाफ कार्रवाई करके सदन से बाहर कर देता। आप अपनी सीट पर जाकर रिकॉर्ड में यही बात बोलिए अभी कार्रवाई करके आपको सदन से बाहर करता हूं।

इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू सीट पर खड़े हुए। स्पीकर ने संसदीय कार्यमंत्री से कहा कि इस मुद्दे पर प्रस्ताव लाइए। संसद की मर्यादा से सदन चलेगा। अगर कोई सदन की मर्यादा का उल्लंघन करता है तो उस पर कार्रवाई होगी ही होगी.. अगर सरकार प्रस्ताव नहीं लाना चाहती तो मुझे कार्रवाई करनी होगी। किरेन रिजिजू ने कही ये बात किरेन रिजिजू ने कहा, आप उस आसन पर बैठकर आपने सभी सांसदों को बराबर मौका दिया है। कभी भी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया है। आज दयानिधि मारन ने जो भी कहा उसकी मैं निंदा करता हूं। हम सभी की सहमति से जो भी जरुरी कार्रवाई होगी उसकी मांग करेंगे।

इमाम बोले- मस्जिद में सुतली बम फेंकने से पैनिक फैला

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के बाद महू में भिड़े थे दो गुट; आज बाजार बंद रहा

इंदौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के महू में हुए विवाद और पथराव के मामले में सोमवार को जामा मस्जिद के इमाम मोहम्मद जाबिर का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, तरावीह की नमाज चल रही थी, उसी समय जुलूस यहां से शोर शराबा करते हुए निकल रहा था। नमाज पूरी होकर सब लोग बाहर निकल रहे थे, तभी किसी ने मस्जिद के अंदर सुतली बम फेंका। इससे लोग पैनिक हुए और ये सिचुएशन क्रिएट हुई।

बता दें, चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया की जीत के बाद रविवार रात निकल रहे जुलूस के दौरान विवाद हो गया था। हालांकि आज सुबह से स्थिति नियंत्रण में है। शहर में 300 पुलिसकर्मी तैनात हैं। सर्व हिंदू समाज के लोगों ने बाजार बंद करने की अपील की है। जो दुकानें खुली हैं, हिंदू संगठन के लोग उन्हें बंद करवा रहे हैं। एसडीएम राकेश परमार का कहना है कि स्थिति अभी पूरी तरह से सामान्य है। अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रख रहे हैं। साथ ही क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। ग्रामीण एसपी हितिका वासल ने बताया 17 लोगों पर नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है, इनमें से 12 लोगों को गिरफ्तारी कर लिया है।

इमाम मो. जाबिर ने कहा, तरावीह की नमाज चल रही थी। उसी बीच जुलूस शोर-शराबा करते हुए निकला। जब हम नमाज से फारिग हुए तब जुलूस का शायद आखिरी हिस्सा यहां बचा होगा। हम निकल ही रहे थे तभी किसी ने अंदर की तरफ सुतली बम फेंका और उससे धुआं उठा। उसी से लोग पैनिक हो गए। बात बढ़ती चली गई। मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि ये जुलूस कैसे निकला। इस रूट से कैसे निकला? किन लोगों ने परमिशन ली थी और कितने लोगों की ली थी? कितने वाहनों की परमिशन थी?

पथराव की नौतब क्यों आई? इसके जवाब में इमाम ने कहा, पथराव की नौबत ऐसे आई कि जिसने बम फेंका था, उससे हाथापाई हुई। मैं बाहर निकला और उस आदमी को बाहर निकाला। फिर अमित जोशी आए। उन्होंने बातचीत शुरू की। मैंने बोला थाने पर आराम से बात करते हैं। यहां से वो गए और वहां वो पहुंचे होंगे तभी उधर से पथराव शुरू हो गया। हम उनके साथ पुलिस के सामने बैठकर बात कर रहे थे। पुलिस के सामने पथराव हुआ। लोगों ने शोर-शराबा सुना तब आसपास के लोग आ गए।

पथराव आपकी तरफ से भी हुआ? इस सवाल के जवाब में इमाम ने कहा- हां, फिर तो होना ही था। जनता तो जनता है। पहले उधर से पथराव हुआ था। अफसरों ने कहा है कि आप सहयोग करें। हम भी अपना फर्ज निभाएंगे। आने वाली सिचुएशन बताएगी कि हम कितने जल्दी हालात को काबू में ले सकते हैं।

रविवार रात करीब 10 बजे भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के बाद शहर में जुलूस निकाला जा रहा था। 40 बाइक पर 100 से ज्यादा लोग जश्न मनाते हुए जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। इसी दौरान जामा मस्जिद के पास आतिशबाजी को लेकर कुछ लोगों के साथ विवाद हो गया। पीछे चल रहे पांच-छह लोगों को दूसरे पक्ष के लोगों ने रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। लोगों ने दुकानों और वाहनों को आग लगा दी। पेट्रोल बम भी फेंके गए। पुलिस ने स्थिति संभालने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। सेना के जवानों ने भी मोर्चा संभाला। करीब ढाई घंटे बाद हालात काबू में आ सके।

उपद्रवियों ने दो ऑटो, एक कार और 10 बाइक में आग लगाई है। इनमें एक पुलिसकर्मी की बाइक भी शामिल है।

शाहरुख खान 13 साल पुराना टैक्स केस जीतें

इनकम टैक्स ट्रिब्यूनल ने रीअसेसमेंट प्रोसेस आदेश रद्द किया फिल्म रावन से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। सुपरस्टार शाहरुख खान को इनकम टैक्स से जुड़े एक मामले में बड़ी जीत मिली है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने 2011-12 के वित्तीय वर्ष के लिए आयकर विभाग द्वारा शुरू की गई री-असेसमेंट प्रोसीडिंग के आदेश पर रोक लगा दी है।

मामला फिल्म रा.वन की कमाई पर ब्रिटेन में चुकाए गए टैक्स क्रेडिट से जुड़ा है। शाहरुख और रेड चिली एंटरटेनमेंट के बीच हुए समझौते के अनुसार, फिल्म की 70% शूटिंग UK में होनी थी। इसलिए 70% आय विदेशों में मानी गई, जिस पर UK का टैक्स लगना था। इसमें विद-होल्डिंग टैक्स भी शामिल था।

शाहरुख ने फिल्म से 83.42 करोड़ रुपए की इनकम घोषित की थी। टैक्स अधिकारी ने UK में चुकाए गए टैक्स क्रेडिट के उनके दावे को खारिज कर दिया था। इनकम को 84.17 करोड़ रुपए के रूप में पुनर्मूल्यांकन किया गया।

शाहरुख ने अपनी मूल I-T रिटर्न में विदेशी टैक्स क्रेडिट का दावा किया था, जिसे IT अधिकारी ने अस्वीकार कर दिया था। ITAT ने माना कि 4 साल की अवधि के बाद दोबारा मूल्यांकन कानूनी रूप से उचित नहीं था।

बेंच ने री-असेसमेंट प्रोसेस को अमान्य ठहराया

ITAT की संदीप सिंह करहैल और गिरीश अग्रवाल की बेंच ने अपने आदेश में री-असेसमेंट प्रोसेस को अमान्य करार दिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि मूल्यांकन अधिकारी 4 साल के नियम के बाद पुनर्मूल्यांकन के लिए कोई नया ठोस सबूत नहीं दे सके।

ITAT बेंच ने निष्कर्ष निकाला कि दोबारा मूल्यांकन की कार्यवाही एक से ज्यादा आधारों पर कानूनन गलत थी। यह धारा 147 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं थी। इसलिए इसे रद्द कर दिया गया।

उमर ने गुलमर्ग फैशन शो की जांच का आदेश दिया

अर्धनग्न मॉडल्स ने रैंप वॉक किया था; धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

जम्मू-कश्मीर, 10 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के गुलमर्ग में 8 मार्च को एक फैशन शो का आयोजन हुआ था। यह आउटडोर फैशन शो फैशन डिजाइनर जोड़ी शिवन और नरेश ने आयोजित किया था। आरोप है कि इस शो में कई अर्धनग्न मॉडलों ने बर्फ पर रैंप वॉक किया। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। वीडियो और फोटोज को देखकर स्थानीय लोगों ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। लोगों का कहना है कि सरकार कैसे रमजान में ऐसे फैशन शो के आयोजन की अनुमति दे सकता है।

इस शो को लेकर और कठुआ के बिलावर में नागरिकों की हत्याओं को लेकर जम्मू विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। NC और कांग्रेस के विधायको ने इन घटनाओं पर चर्चा की मांग भी की। मामले को देखते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने फैशन शो की जांच के आदेश दिए हैं जिसे समाजिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। उमर अब्दुल्ला ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा, जो कुछ भी मैंने देखा, वह किसी भी समय और खासतौर पर रमजान के महीने में आयोजित नहीं किया जाना चाहिए था। उमर अब्दुल्ला ने यह भी स्पष्ट किया कि यह इवेंट निजी पार्टियों द्वारा आयोजित किया गया था और इसमें सरकार का कोई इनवॉलमेंट नहीं था। उन्होंने कहा, ₹यह एक निजी पार्टी थी और इसमें कोई सरकारी अनुमति नहीं ली गई थी। अगर किसी भी कानून का उल्लंघन हुआ है तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

फैशन शो के बाद राज्य के नेताओं ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। जम्मू-कश्मीर अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुरशीद अहमद शेख ने इस इवेंट को राज्य की संस्कृति पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा,रमजान के दौरान ऐसी घटना शर्मनाक है, यह हमारी संस्कृति पर सीधा हमला है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और मुख्यमंत्री से इस पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस पर भी टिप्पणी की कि डिप्टी सीएम को बिलावर क्षेत्र में जाने से रोक दिया गया था।

इजराइली टूरिस्ट गैंगरेप केस में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु, 10 मार्च (एजेंसियां)। घटना 6 मार्च की रात करीब 10:30 बजे तुंगभद्रा नहर के किनारे हुई। यह इलाका बेंगलुरु से करीब 350 किलोमीटर दूर है। कर्नाटक के टूरिस्ट प्लेस हम्पी में हुए गैंगरेप मामले में तीसरे आरोपी सरना बसव को सोमवार को चेन्नई से गिरफ्तार कर लिया गया। उसे कोप्पल लाया गया है। दो अन्य आरोपी कल (9 मार्च) को अरेस्ट हो गए थे।

6 मार्च को तुंगभद्रा नहर के किनारे 27 साल की एक इजराइली महिला टूरिस्ट और एक होम-स्टे ओनर के साथ तीन लोगों ने गैंगरेप किया था। वारदात रात करीब 10:30 बजे हुई थी। पीड़ित महिलाएं नहर के किनारे बैठी हुई थीं। महिलाओं के साथ 3 अन्य टूरिस्ट भी थे। इनमें से एक डेनियल अमेरिका से था, जबकि दो अन्य पंकज महाराष्ट्र से और बिबास ओडिशा से थे। आरोपियों ने गैंगरेप से पहले इन तीनों को नहर में धक्का दे दिया था। डेनियल और पंकज तैरकर बाहर आ गए, जबकि बिबास की डूबने से मौत हो गई थी।

पुलिस ने ओडिशा के बिबास को ढूंढने के लिए 7 मार्च की सुबह रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इसमें फायरब्रिगेड के अलावा पुलिस और खोजी कुत्तों को लगाया गया। हालांकि इसमें सफलता नहीं मिली। 8 मार्च यानी आज सुबह बिबास का शव घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर नहर के पावर हाउस के पास मिला।

डिनर के बाद तारे देखने गए थे होमस्टे की मालकिन 29 साल की महिला ने पुलिस को बताया कि वह अपने 4 मेहमानों के साथ डिनर करने के बाद तुंगभद्रा लेफ्ट बैंक नहर के किनारे म्यूजिक के साथ तारों को देखने गए थे। तभी 3 लोग बाइक पर आए। पहले उन्होंने पूछा कि पेट्रोल कहां मिलेगा।

इसके बाद वे इजराइली महिला से 100 रुपए मांगने लगे। जब टूरिस्ट ने पैसे देने से मना कर दिया, तो आरोपियों ने हमला कर दिया।

पंजाब में किसानों ने किया मंत्री एमएलए के घरों का घेराव

जालंधर में किसानों को पुलिस ने रोका, पंधेर बोले- एमएसपी पर चर्चा करे सरकार

चंडीगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। 5 मार्च को चंडीगढ़ कूच करने में विफल रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले किसान सोमवार को पूरे प्रदेश में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के विधायकों और मंत्रियों के घरों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके लिए किसानों की ओर से पहले ही रणनीति तैयार कर ली गई थी। किसानों द्वारा यह विरोध प्रदर्शन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाना है। जालंधर में मंत्री मोहिंदर भगत के घर के बाहर सुबह 11 बजे एसकेएम जत्थेबंदी से जुड़े किसान नेता धरना प्रदर्शन करने के लिए पहुंच गए थे। मोहाली में विधायक कुलवंत सिंह के घर के बाहर भी किसान पहुंचे। हालांकि पुलिस की तरफ से सुरक्षा पहरा मजबूत किया गया है। इसके लिए लुधियाना में हुई बैठक में फैसला लिया गया था। दूसरी तरफ संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक व किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर का कहना है आज कि शंभू मोर्चे को चलते हुए आज 390 दिन हो गए हैं। आज से संसद के बजट सेशन का दूसरा सत्र शुरू हो रहा है।

हम चाहेंगे कि देश कि सत्तापक्ष व विपक्ष किसान मजूदरों की एमएसपी के ऊपर चर्चा करे। इस पर कानून बनना चाहिए। साथ ही देश के किसानों को कर्ज मुक्त किया जाए। हमारी अन्य मांगों पर ध्यान दिया जाए। वहीं, शंभू बॉर्डर पर बनाई गई दीवार पर भी चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि इसने पंजाब-हरियाणा की आर्थिकता को नुकसान पहुंचाया है।

एअर इंडिया की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

साढ़े 8 घंटे बाद मुंबई लौटी, 322 पैसेंजर सवार थे; टॉयलेट में रखी थी धमकी वाली चिट्ठी

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। एयर इंडिया ने बताया कि यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। हम 11 मार्च को सुबह 5 बजे दोबारा उड़ान भरेंगे।मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-119 को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद फ्लाइट को मुंबई लौटना पड़ा। फ्लाइट में 19 क्रू मेंबर्स समेत 322 यात्री सवार थे। एयर इंडिया ने बताया कि फ्लाइट के वॉशरूम में एक नोट मिला, जिसमें बम की धमकी दी गई थी। सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए रास्ते से ही विमान को मुंबई के लिए डायवर्ट कर दिया गया।

विमान 10:25 बजे मुंबई पहुंचा। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी हुई हैं। एयर इंडिया ने बताया कि यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। हम 11 मार्च को सुबह 5 बजे दोबारा उड़ान भरेंगे। यात्रियों को होटल आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए खाने और ठहरने की पूरी व्यवस्था की गई है। फ्लाइट को अब 11 मार्च सुबह 5 बजे के लिए रिशेड्यूल किया गया है।

एअर इंडिया ने बयान में कहा- हमारी टीम जमीनी स्तर पर लगातार काम कर रही है ताकि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता यात्रियों और क्रू की सुरक्षा है।

इससे पहले शिकागो से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की एक अन्य उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान के 5 घंटे बाद शिकागो वापस लौटना पड़ा। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए समय पर वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी।

एयर इंडिया की फ्लाइट AI126 ने सोमवार को सुबह 11:49 बजे (सीडीटी) शिकागो के ओ'हारे इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि फ्लाइट 6 मार्च 2025 को ग्रीनलैंड के ऊपर थी, जब विमान के 12 में से 11 शौचालय बंद हो गए। करीब 300 यात्रियों के लिए सिर्फ एक शौचालय चालू रह गया, जो बिजनेस क्लास में था।

जम्मू-कश्मीर में अगले 5 दिन बर्फबारी-बारिश की संभावना

राजस्थान में दिन का पारा 40 डिग्री के करीब पहुंचा, मध्य प्रदेश में 35°सी के पार

श्रीनगर/नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। देश में बारिश-बर्फबारी के बीच अब गर्मी भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। जम्मू-कश्मीर में सोमवार शाम से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसके असर से 16 मार्च तक बर्फबारी-बारिश की संभावना है।

राजस्थान में दिन का तापमान $40^{\circ}C$ पहुंच गया है। कुछ जिलों में $35^{\circ}C$ या उससे ज्यादा रहा। दिन के साथ ही रात में भी गर्मी बढ़ने लगी है। होली के बाद इसमें $1-2^{\circ}C$ की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मध्यप्रदेश में भी रविवार को दिन का पारा $35^{\circ}C$ पार रहा। रतलाम सबसे गर्म $37^{\circ}C$ रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले समय में दिन और रात के तापमान में धीरे-धीरे और बढ़ोतरी होगी।

ओडिशा के बौध में रविवार को दिन का तापमान $38.5^{\circ}C$ दर्ज किया गया। सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, संबलपुर, सोनपुर जिलों में अगले 4-5 दिन में तापमान $40^{\circ}C$ या इससे ज्यादा पहुंचने की संभावना है। ओडिशा सरकार ने बच्चों-बुजुर्गों और पशुओं को लेकर एडवाइजरी जारी की है। लोगों को सुबह 11 से दोपहर 3.30 बजे तक घरों में रहने को कहा गया है। पशुओं को भी छांव में रखने का निर्देश दिया गया है। इधर दिल्ली में दिन का तापमान $32.8^{\circ}C$ पहुंचा।

सीधी में टैंकर-जीप की टक्कर, 9 की मौत

12 लोग घायल, 7 की हालत गंभीर; मुंडन संस्कार में मैहर जा रहे थे

सीधी, 10 मार्च (एजेंसियां)। सीधी में टैंकर और जीप की टक्कर में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 12 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है। हादसा कोतवाली थाना इलाके में हुआ। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। घायलों में 6 बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया- राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे।

गुजरात की बेटी को अंतरिक्ष में भेजेगा कनाडा

शॉना पंड्या बोलीं- नवरात्रि-दिवाली मेरे पसंदीदा त्योहार, जलेबी मुझे पसंद है, कनाडा में बहुत भेदभाव सहा

अहमदाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। डॉ शाना पंड्या के पिता गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के कोडिनार के मूल निवासी हैं। 'भले ही मैं कनाडा में रहती हूं, लेकिन मेरा पालन-पोषण बहुत साधारण तरीके से हुआ है। मैंने अपने पिता को घर पर प्रतिदिन 15 घंटे काम करते देखा है। मां ने भी बहुत मेहनत की है, इसलिए मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं आलसी हूँ। यहां तक कि कनाडा में भी घर पर पूरा दिन गुज्जू का माहौल रहता है। दैनिक पूजा-पाठ से लेकर मंदिर जाने और सभी त्योहार मनाने तक का क्रम बरकरार है। अब, इससे पहले कि मैं अंतरिक्ष में जाऊं, मैं चाहता हूं कि सुनीता दीदी सुरक्षित लौट आएं ताकि हम एक-दूसरे से मिल सकें। आखिर हम दोनों ही पांड्या बेटियां हैं...'

ये शब्द हैं डॉ. शॉना पांड्या के जो मूल रूप से गुजरात के कोडिनार की रहने वाली हैं और अब कनाडा की पहली व्यावसायिक महिला अंतरिक्ष यात्री हैं। शॉना पेशे से डॉक्टर (एम.डी., फिजीशियन) हैं और अगले साल अंतरिक्ष में उड़ान भरने जा रही हैं। वे सुनीता विलियम्स के बाद दूसरी गुजराती हैं जो अंतरिक्ष में जाने वाली हैं।

डॉ. शॉना ने गुजराती -अंग्रेजी लहजे में बातचीत शुरू की। उन्होंने कहा मैं कनाडा में पैदा हुई, लेकिन मेरे पिता मूल रूप से गुजरात में गिर सोमनाथ जिले के कोडिनार से हैं और मेरी मां मुंबई से हैं। पिताजी ने मुंबई से ग्रेजुएशन किया। उसके बाद कोडिनार में फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में काम किया, लेकिन कुछ

समय बाद वे नौकरी के लिए मुंबई चले गए। तभी उनकी मुलाकात मेरी मां से हुई और दोनों की शादी हो गई। शादी के कुछ समय बाद ही मां को कनाडा में ऑफिस मैनेजर की नौकरी मिल गई, इसलिए वे दोनों कनाडा चले गए। पिताजी कनाडा आये और अपना फिजियोथेरेपी क्लिनिक शुरू किया। शुरुआत में वे जब कनाडा गए तो काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शुरुआत में पिताजी सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक 15 घंटे काम करते थे। इसलिए मुझे बचपन से ही कड़ी मेहनत करना सिखाया गया है। मेरे माता-पिता दोनों ही कट्टर गुजराती हैं, इसलिए घर में हमेशा गुजराती माहौल रहा। हम अब भी हर पांच साल में मुंबई घूमने आते हैं। इसके अलावा, हम शादी जैसे किसी समारोह में शामिल होने के लिए भी गुजरात जाते हैं।

हमने सुना है कि कनाडा में बहुत अधिक नस्लवाद है, तो क्या आपको कभी नस्लवाद का सामना करना पड़ा है? शॉना कहती हैं, 'मैं यहां न केवल नस्लवाद, बल्कि सेक्सिज्म (महिलाओं के प्रति अन्याय) का भी शिकार रही हूं।' एक महिला के लिए इस क्षेत्र में इतना आगे बढ़ना बहुत कठिन है। आज भी मैं किसी से कहती हूं, 'नमस्ते, मैं डॉ. पंड्या तो लोग मुझे आश्चर्य से देखते हैं। हम 2025 में हैं और फिर भी लोग अभी भी यह विश्वास नहीं करते कि एक महिला डॉक्टर बन सकती है।

इन सबके बीच, मैं 2026 से पहले 'वर्जिन गैलेक्टिक' के साथ अंतरिक्ष में जाऊंगी। मैं पांच अंतरिक्ष यात्रियों की टीम में एकमात्र महिला हूं। इसलिए यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।'

आप जिस प्रोजेक्ट पर काम करने जा रही हैं उसका मुख्य उद्देश्य क्या है? इसके बारे में बात करते हुए शॉना कहती हैं, 'हम 2026 के अंत तक IIAS (इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉटिकल साइंसेज) के साथ वर्जिन गैलेक्टिक के कमर्शियल स्पेसशिप 'डेल्टा-क्लास' में अंतरिक्ष जाएंगे। हम तीन अंतरिक्ष शोधकर्ता इस प्रोजेक्टपर काम कर रहे हैं। इस अंतरिक्ष यान में 2 पायलट और 6 शोधकर्ता जा सकते हैं।

सुविचार

कभी-कभी ईर्ष्यावश हम दूसरों को गिराना चाहते हैं, परन्तु ऐसा करके हम स्वयं ही गिर जाते हैं

महिलाओं की आत्मनिर्भरता के समर्थन में एक और कदम : विजयलक्ष्मी

> महापौर व उप-महापौर ने किया इंदिरा महिला शक्ति कैंटीन का उद्घाटन

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कई कल्याणकारी कार्यक्रम लागू कर रही है। सोमवार को महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी और उप-महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने जीएचएमसी मुख्यालय में इंदिरा महिला शक्ति कैंटीन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कैंटीन स्थापित करने वाले मैत्रीपूर्ण स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को बधाई दी। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को वित्तीय आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद करने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है और महिलाओं को उद्यमी के रूप में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित भी कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके तहत इंदिरा महिला शक्ति योजना लागू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इच्छुक स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इंदिरा महिला शक्ति कैंटीन की स्थापना की जा रही है। महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई ये कैंटीन न केवल महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी, बल्कि शहर के लोगों को स्वादिष्ट, गुणवत्तायुक्त नाश्ता और दोपहर का भोजन भी उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कैंटीन को गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए तेजी से विकसित करने का आग्रह किया। उप-महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि महिलाओं को राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी अवसरों का लाभ उठाना चाहिए और आर्थिक रूप से विकसित होना चाहिए। स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं को इंदिरा महिला शक्ति योजना का लाभ उठाना चाहिए तथा अपनी कुशलता और रुचि के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। यह सुझाव दिया गया कि जीएचएमसी कार्यालय में आने वाले लोगों और कार्यालय कर्मचारियों को किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जुबली हिल्स सर्किल के स्नेहिता स्वयं सहायता समूह की पांच महिलाओं ने 10 लाख रुपये का दान दिया।

यह कैंटीन इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत जीएचएमसी मुख्यालय में 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से खोली गई। कार्यक्रम में यूसीडी के अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त वेणुगोपाल रेड्डी, डीसी प्रशांति, अमीरपेट एसबीआई शाखा प्रबंधक, डीपीओ आशा, स्नेहिता स्वयं सहायता समूह के सदस्य और अन्य लोगों ने भाग लिया।

रील बनाते समय खदान में गिरने से युवक लापता

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर में खदान के गड्ढे में एक युवक लापता हो गया। यह घटना रविवार शाम को हुई, जब जवाहरनगर के मल्काराम हिल्स में कथित तौर पर फोटो शूट के लिए आए चार युवकों में से एक गलती से खदान के गड्ढे में गिर गया और लापता हो गया। पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार, त्रिमुलघेरी का डिग्री छात्र एथिन नायुडू (20) रविवार दोपहर तीन अन्य दोस्तों के साथ फोटो शूट के लिए मल्काराम हिल्स आया था।

एथिन नायुडू कथित तौर पर पहाड़ियों पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट के लिए रील रिकॉर्ड कर रहे थे, जब वह गलती से पानी से भरे खदान के गड्ढे में गिर गए और डूब गए। उनके दोस्तों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। जवाहरनगर पुलिस मौके पर पहुंची और विशेषज्ञ गोताखोरों व डीआरएफ की टीम की मदद से रात तक बचाव अभियान चलाया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। पुलिस ने बताया कि बचाव अभियान सोमवार को भी जारी रहेगा।

तेलंगाना पीएससी ने ग्रुप-I मुख्य परीक्षा के जारी किए अंक

> पुनर्गणना के लिए कर सकते हैं आवेदन

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ने सोमवार को 21 से 27 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित ग्रुप-I मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त पेपर-वार अंक जारी किए। सोमवार को आयोग की विशेष बैठक के बाद टीजीपीएससी के अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम द्वारा जारी अंक टीजीपीएससी की वेबसाइट पर उम्मीदवारों के व्यक्तिगत लॉगिन में 16 मार्च तक उपलब्ध हैं। उम्मीदवार अपने टीजीपीएससी आईडी मुख्य परीक्षा हॉल टिकट नंबर, जन्म तिथि और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करके अपने पेपरवार अंक देख सकते हैं। आयोग ने उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा ज्ञापन पत्रक डाउनलोड करने और भर्ती पूरी होने तक इसे सुरक्षित रखने की सलाह दी है।

ग्रुप-I के अभ्यर्थी 10 से 24 मार्च (शाम 5 बजे) तक वेबसाइट के माध्यम से 1000 रुपये प्रति पेपर के हिसाब से पुनर्गणना के लिए आवेदन कर सकते हैं। पुनर्गणना प्रक्रिया के समापन के बाद, आयोग अपनी वेबसाइट पर सभी उम्मीदवारों के कुल अंक पोस्ट करेगा और सामान्य रैंकिंग सूची (जीआरएल) प्रकाशित की जाएगी। टीजीपीएससी ने कहा कि जीआरएल के आधार पर प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए आवश्यक संख्या में उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से और टीजीपीएससी की वेबसाइट के माध्यम से भी सूचित किया जाएगा।

आयोग ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देश पर मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के अंक न्यायालय के आदेश के अनुसार प्रदर्शित नहीं किए गए। ग्रुप-I प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए कुल 31,403 उम्मीदवारों का चयन किया गया और 21,093 उम्मीदवार सभी सात पेपरों में शामिल हुए। आयोग ने ग्रुप-I की 563 रिक्तियां अधिसूचित की थीं, जिनके लिए 4,03,645 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था और 3,02,172 प्रारंभिक परीक्षा में शामिल हुए।

हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को सर्वश्रेष्ठ एएसक्यू पुरस्कार

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएमआर हैदराबाद अतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को एक बार फिर वार्षिक एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) हवाई अड्डा सेवा गुणवत्ता (एएसक्यू) सर्वेक्षण में मान्यता मिली है। 2024 में दुनिया भर के 400 से अधिक भाग लेने वाले हवाई अड्डों में से, हैदराबाद हवाई अड्डे को 2024 के लिए एशिया-प्रशांत क्षेत्र में '15 से 25 मिलियन यात्री प्रति वर्ष (एमपीपीए) में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डे' के लिए हवाई अड्डा सेवा गुणवत्ता (एएसक्यू) पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एसीआई वर्ल्ड का एएसक्यू कार्यक्रम हवाई अड्डे पर यात्रियों की संतुष्टि को मापने के लिए प्रमुख वैश्विक पहल है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वास्तविक समय के यात्री सर्वेक्षणों के माध्यम से, यह 30 से अधिक प्रदर्शन संकेतकों का मूल्यांकन करता है, जो संपूर्ण यात्री यात्रा का व्यापक मूल्यांकन प्रदान करता है।

गजवेल में महिला की हत्या, पति पर हमला

सिद्दीपेट, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गजवेल मंडल के रिम्मनगुडा में सोमवार की सुबह एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से हमला कर एक महिला की हत्या कर दी। मृतका का नाम असरा (32) था। जब उसके पति सदाथ ने उसे बचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया। सदाथ को मामूली चोटें आईं, लेकिन आरोपी मौके से भाग गए। पुलिस आरोपियों को पकड़ने और उनकी पहचान करने में जुटी हुई है। घटना से गांव में हड़कंप मच गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गजवेल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

तेलंगाना एडसीईटी के लिए 12 मार्च से रजिस्ट्रेशन

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षा कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी एडसीईटी) 2025 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 12 मार्च से शुरू होंगे और बिना विलंब शुल्क के आवेदन करने की अंतिम तिथि 13 मई है। आवेदन पत्र 250 रुपये और 500 रुपये की विलम्ब फीस के साथ क्रमशः 20 और 24 मई तक जमा किये जा सकते हैं। पंजीकरण शुल्क 750 रुपये (एससी, एसटी और पीएच उम्मीदवारों के लिए 500 रुपये) है। दो वर्षीय बीएड कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 1 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएं।

आदिवासी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

आदिलाबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इचोदा मंडल केंद्र में आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा संचालित आश्रम स्कूल में सोमवार को एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली ललित्या (13) की मौत कथित तौर पर मिर्गी के दौरे के कारण हुई। ललित्या, बाजारहाथनूर मंडल के मोरकंडी गांव की मूल निवासी है।

स्कूल के कर्मचारियों ने उसके माता-पिता को सूचित किया कि वह छात्रावास में मृत पाई गई है तथा उनसे शव ले जाने को कहा। स्कूल पहुंचे लड़की के माता-पिता ने अपनी बेटी की मौत पर संदेह जताया। उन्होंने स्कूल के प्रधानाध्यापक से कहा कि उनकी लापरवाही के कारण लड़की की जान चली गई। उन्होंने उसकी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वे अपनी बेटी को खोने के लिए मुआवजा चाहते थे।

केटीआर ने छात्र की मौत के लिए कांग्रेस सरकार को ठहराया जिम्मेदार

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के इचोदा मंडल में एक बालिका आवासीय कल्याण विद्यालय में नौवीं कक्षा की छात्रा ललित्या की संदिग्ध मौत से व्यापक आक्रोश फैल गया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने इस त्रासदी के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। इसे कांग्रेस सरकार की अक्षमता के कारण हुई हत्या बताते हुए उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में मामला दर्ज किया जाए।

गुरुकुलों में छात्रों की मौतों की चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए रामा राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी शिक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा को संभालने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने छात्र कल्याण के प्रति सरकार की उदासीनता की आलोचना करते हुए कहा कि यह तथ्य कि मात्र 14 महीनों में गुरुकुलों में 83 छात्रों की मृत्यु हो गई, भारत के इतिहास में एक काला अध्याय है। ललिथिया की मौत के मामले से निपटने के तरीके ने गुस्से को और बढ़ा दिया है, पुलिस ने कथित तौर पर शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के बजाय शोकाकुल पिता को गिरफ्तार कर लिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के कार्यों की निंदा करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री के रूप में विफल रहे रेवंत रेड्डी गृह मंत्री के रूप में भी पूरी तरह विफल रहे।

आगामी विधानसभा सत्र में भाग लेंगे केसीआर

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता के चंद्रशेखर राव बुधवार से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के आगामी बजट सत्र में भाग लेंगे। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह राज्यपाल के अभिभाषण और राज्य बजट प्रस्तुति में भी शामिल होंगे। सर्जरी से उबरने के बाद चंद्रशेखर राव जनता और पार्टी नेताओं से सक्रिय रूप से बातचीत करके राजनीतिक तूफान खड़ा कर रहे हैं। उनकी अध्यक्षता में बीआरएस की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में उनके भाषण ने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और हाल के दिनों में लोगों की दिलचस्पी भी जगाई। यह पूछे जाने पर कि क्या बीआरएस प्रमुख पूरे सत्र में मौजूद रहेंगे, रामाराव ने कहा कि बेटे और पार्टी नेता के तौर पर वह व्यक्तिगत रूप से चाहेंगे कि पूर्व मुख्यमंत्री विधानसभा से दूर रहें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कोई भी चंद्रशेखर राव के कद की बराबरी नहीं कर सकता। उन्हें उनकी अपमानजनक और घटिया टिप्पणियों को बर्दाश्त करने की जरूरत नहीं है। हालांकि रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री हैं, लेकिन वह चंद्रशेखर राव के कद का एक अंश भी नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस विधायक राज्य विधानमंडल के अंदर और बाहर दोनों जगह तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

4,961 साइबर धोखाधड़ी पीड़ितों को वापस मिला 43.3 करोड़ रुपया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीएससीएसबी) ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत 2025 के दौरान साइबर धोखाधड़ी के 4,961 पीड़ितों को 43.3 करोड़ रुपये की वापसी की सुविधा प्रदान की। टीएससीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान रिफंड के लिए सफलतापूर्वक निपटाई गई शिकायतों का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत डिजिटल अपराधों से निपटने और चोरी की गई धनराशि को वापस पाने के लिए कानून प्रवर्तन की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

2024 में, टीजीसीएसबी ने 17,912 पीड़ितों के लिए 183.92 करोड़ रुपये की राशि वापस करने की सुविधा प्रदान की, जो साइबर अपराध समाधान के लिए एक राष्ट्रीय मानक स्थापित करता है। अधिकारी ने कहा कि 20 फरवरी, 2024 को टीजीसीएसबी द्वारा लोक अदालत तंत्र के माध्यम से धन वापसी की पहल शुरू करने के बाद से अब तक कुल 191.21 करोड़ रुपये की राशि वापस की गई है, जो साइबर अपराधों के 21,722 पीड़ितों को वापस की गई है।

शिखा गोयल ने कहा कि इस पहल ने त्वरित न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से धन वापसी की सुविधा प्रदान करके साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों को त्वरित वित्तीय राहत प्रदान की। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने राशि की वापसी सुनिश्चित करने के लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, विभिन्न वित्तीय संस्थानों और पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ सहयोग किया था।

शिखा गोयल ने कहा कि इस पहल की सफलता साइबर अपराध लोक अदालत की प्रभावशीलता को रेखांकित करती है, जो पीड़ितों के लिए त्वरित न्याय और वित्तीय वसूली सुनिश्चित करती है।

सिंचाई परियोजनाओं को लेकर डिप्टी सीएम और मंत्री ने की बैठक

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क और सिंचाई मंत्री उत्तमकुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार प्राथमिकता के आधार पर सिंचाई परियोजनाओं के लिए धन आवंटित करने के लिए तैयार है। सोमवार को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में सिंचाई विभाग और नागरिक आपूर्ति विभाग की बजट पूर्व बैठक में उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने एसएलबीसी परियोजना को प्राथमिकता से लेते हुए एएमआरपी में पांचवां पंप स्थापित करने का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने संयुक्त खम्मम जिले में सीतारमा परियोजना का अध्ययन करने और पलेरू जलाशय को गोदावरी जल से भरने के काम में तेजी लाने का आदेश दिया। गोदावरी के भीतर बसवापुर से सिंगुर तक संयुक्त महबूबनगर जिले में एडुला से वट्टेम-एडुला तक नहरों को चिह्नित करने का आदेश दिया गया है। दोनों मंत्रियों ने अधिकारियों को डिंडी लिफ्ट योजना के तहत अंतिम चरण में पहुंच चुकी परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को आगामी वित्तीय वर्ष में विभिन्न परियोजनाओं के तहत भूमि अधिग्रहण, पुरानी परियोजनाओं के रखरखाव और पूंजीगत कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया। मंत्रियों ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं के आधुनिकीकरण और नहरों की लाइनिंग से परियोजनाओं का जीवन बढ़ेगा और उपलब्ध पानी का प्रभावी उपयोग हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने पिछले दस वर्षों तक शासन किया, उन्होंने केवल एक कालेश्वरम परियोजना पर ध्यान केंद्रित किया और राज्य में पुरानी परियोजनाओं के प्रबंधन को हवा में छोड़ दिया, जिससे वे खतरे में पड़ गए। मंत्रियों ने कहा कि पुरानी परियोजनाओं को सहेजने के लिए रख-रखाव का कार्य करते हुए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से केंद्र से धनराशि प्राप्त करने की संभावनाओं को शीघ्रता से परखा जाए। सुझाव है कि सिंचाई परियोजनाओं के तहत भूमि विवादों को सुलझाने के लिए एक विशेष कानूनी टीम का गठन किया जाना चाहिए।

राज्य की सभी मध्यम और लघु परियोजनाओं के गेटों के मापदंडों को पूरा करने का आदेश दिया गया है। नहरों को मजबूत करने पर ध्यान देने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल तक शासन करने वालों ने ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज उठाया है और इसका बोझ मौजूदा राजकोष प्रबंधन पर पड़ेगा। मंत्रियों ने कहा कि पिछले दस वर्षों तक शासन करने वालों ने 10 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण उठाया और पीपुल्स सरकार के गठन के बाद अधिकारियों ने ब्याज दरों को 8 प्रतिशत तक कम करने का अच्छा प्रयास किया। हम गृह ज्योति योजना के तहत 500 के गैस सिलेंडर प्रदान कर रहे हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.VSKP-ELG-TL-AC-24-25-12, दिनांक :03.03.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के EOG टाइप LHB एसी कोच, पावर कार एवं मेल / एक्सप्रेस ट्रेन के पेंट्री कार के स्विच बोर्ड कैबिनेट के HT कम्पार्टमेंट में कुंतक को रोकने के लिए बहु व्यास हलोजन मुक्त EPDM मॉड्यूल के साथ केबल ट्रांजिट एंट्री सीलिंग एवं पूर्ण प्रूफ सुरक्षा प्रणाली की आपूर्ति एवं स्थापना।

निविदा मूल्य: ₹ 62,25,264/-, बिड सिक्युरिटी : ₹ 1,24,500/-, पूरा होने की अवधि: 180 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 03.04.2025 को 1330 बजे, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय :** दिनांक 03.04.2025 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट http://gem.gov.in में उपलब्ध है।

किसी भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(G), वाल्टियर

PR-1060/P/24-25

एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड

एच न.44. मॉडल टाउन, गुरूहरसराय, फिरोजपुर, पंजाब -152022

U40106PB2022PLC055755

सार्वजनिक सूचना

मैसर्स एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड स्थित पंजीकृत कार्यालय **एच नं.44, मॉडल टाउन, गुरूहरसराय, फिरोजपुर, पंजाब-152022, इंडिया**, विद्युत संचरण के लिए विद्युत लाइनें बिछाने या विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार से विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 164 के अन्तर्गत समस्त अधिकार प्रदान करने के लिए आवेदन करना चाहती है अथवा तार लाइनें बिछाने या चौकियों की स्थापना के सम्बंध में सरकार द्वारा तार संस्थापन या अनुरक्षण जो होने हैं, के उद्देश्य से दूरभाष और तार संचार जो कि तार अधिनियम-1885 के अन्तर्गत स्थापित तार प्राधिकरण द्वारा धारित कार्यो के उचित समन्वय के आवश्यक है तथा निम्न प्रसारण योजनाओं के लिए आयोगहीकरण, संचालन, अनुरक्षण और अन्य कार्यो द्वारा अनुसारित सर्वेक्षण, निर्माण, प्रतिष्ठापन, निरीक्षण, परिनिर्माण और अन्य कार्य करना।

कंपनी का नाम :- **एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड**

योजनान्तर्गत आने वाली संचारण लाईन :- एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 300 मेगावाट सौलर पॉवर प्लांट वायएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश को कनेक्टिविटी।

कम्पनी के अंतर्गत आने वाला कार्य क्षेत्र :- एसएईएल इंडस्ट्रीज लि. द्वारा गांव दिगुवा कल्वाताला, मंडल पेद्दामुडियम, जिला वाईएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश-कुरनूल-III पीएस (ISTS S/s) 220KV S/C लाइन D/c और M/c टॉवर पर पूलिंग स्टेशन का निर्माण (लाईन लंबाई 26.5 किमी)

ट्रांसमिशन लाईन की लंबाई लगभग 26.5 किमी है जिसमें से 1-2 किमी कुरनूल-III पीएस छोर से M/c टावर पर कार्यान्वित किया जाएगा ।

योजनान्तर्गत संचारण लाइनें निम्न गांवों, कस्बों, और शहरों के मध्य निकट भीतर और बाहर से होकर गुजरेगी।

गांव	मंडल	जिला
दिगुवा कल्वाताला	पेद्दामुडियम	वाईएसआर कडपा
कल्लुटला, जंगलापल्ले, बेस्टावेमुला, चिन्नावेंथुरला, घन्नावादा	मैलावाराम	वाईएसआर कडपा
एर्रागुडी, हनुमंतागुंडम, उप्पलुरू, बोयाला ताडिपत्रि, तिम्मानयनिपेटा, शोत्रियम चेन्नमपल्ले, पेद्दावेंथुरला	कोलीमिगुंडला	नांदयाला

मार्ग सर्वेक्षण की प्रतिलिपि अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सर्वसाधारण को एतत द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दो माह के भीतर प्रस्तावित संचारण प्रणाली पर प्रेक्षण / प्रतिवेदन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत करें।

कृपया विस्तृत विवरण और स्पष्टीकरण हेतु सम्पर्क करें।

अजय तिवारी (वीपी-प्रोजेक्ट)

एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
300 मेगावाट सौलर पॉवर प्लांट,
गांव-दिगुवा कल्वाताला, मंडल पेद्दामुडियम,
जिला-वाईएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश
मोबाईल नंबर : 9910624482
ईमेल आईडी : ajay.tiwari@sael.co

एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड

एच न.44. मॉडल टाउन, गुरूहरसराय, फिरोजपुर, पंजाब -152022

U40106PB2022PLC055755

सार्वजनिक सूचना

मैसर्स एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड स्थित पंजीकृत कार्यालय **एच नं.44, मॉडल टाउन, गुरूहरसराय, फिरोजपुर, पंजाब-152022, इंडिया**, विद्युत संचरण के लिए विद्युत लाइनें बिछाने या विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार से विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 164 के अन्तर्गत समस्त अधिकार प्रदान करने के लिए आवेदन करना चाहती है अथवा तार लाइनें बिछाने या चौकियों की स्थापना के सम्बंध में सरकार द्वारा तार संस्थापन या अनुरक्षण जो होने हैं, के उद्देश्य से दूरभाष और तार संचार जो कि तार अधिनियम-1885 के अन्तर्गत स्थापित तार प्राधिकरण द्वारा धारित कार्यो के उचित समन्वय के आवश्यक है तथा निम्न प्रसारण योजनाओं के लिए आयोगहीकरण, संचालन, अनुरक्षण और अन्य कार्यो द्वारा अनुसारित सर्वेक्षण, निर्माण, प्रतिष्ठापन, निरीक्षण, परिनिर्माण और अन्य कार्य करना।

कंपनी का नाम :- **एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड**

योजनान्तर्गत आने वाली संचारण लाईन :- मैसर्स एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 300 मेगावाट सौलर पॉवर प्लांट वायएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश को कनेक्टिविटी।

कम्पनी के अंतर्गत आने वाला कार्य क्षेत्र :- मैसर्स एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के गांव टी कोडुरू, सिरिगेपल्ली मंडल कोंडापुरम, जिला वाईएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश -कुरनूल-III पीएस (ISTS S/s) 220 KV S/C लाइन D/c और M/c टॉवर पर पूलिंग स्टेशन का निर्माण, (लाईन लंबाई 15 किमी)

ट्रांसमिशन लाईन की लंबाई लगभग 15 किमी है जिसमें से 1-2 किमी कुरनूल-III पीएस छोर से M/c टावर पर कार्यान्वित किया जाएगा ।

योजनान्तर्गत संचारण लाइनें निम्न गांवों, कस्बों, और शहरों के मध्य निकट भीतर और बाहर से होकर गुजरेगी।

गांव	मंडल	जिला
टी.कोडुरू, सिरिगेपल्ली	कोंडापुरम	वाईएसआर कडपा
उरूचिथंला	ताडिपात्री	अनांथापुरम
उम्मायापल्ले, तोल्लामाडुगु, शोत्रियम चेन्नमपल्ले, तिम्मानायनीपेटा	कोलीमिगुंडला	नांदयाल

मार्ग सर्वेक्षण की प्रतिलिपि अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सर्वसाधारण को एतत द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दो माह के भीतर प्रस्तावित संचारण प्रणाली पर प्रेक्षण / प्रतिवेदन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत करें।

कृपया विस्तृत विवरण और स्पष्टीकरण हेतु सम्पर्क करें।

अजय तिवारी (वीपी-प्रोजेक्ट)

एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
300 मेगावाट सौलर पॉवर प्लांट,
गांव-टी कोडरू, सिरिगेपल्ली मंडल कोंडापुरम,
जिला-वाईएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश
मोबाईल नंबर : 9910624482
ईमेल आईडी : ajay.tiwari@sael.co

यूपी कैबिनेट का बड़ा फैसलाः 10 हजार से 25 हजार रुपये के मूल्य वाले स्टांप पत्र अवैध करार

होंगे चलन से बाहर

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में अब 10 हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक के स्टांप वैध नहीं माने जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके बाद अब 10 हजार से लेकर 25 हजार रुपये तक के स्टांप पत्र चलन से बाहर हो जाएंगे। हालांकि, अधिसूचना जारी होने से पहले खरीदे गए पत्र 31 मार्च तक वापस किए जा सकेंगे या फिर प्रयोग किए जा सकेंगे।

बैठक में कई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

बैठक में बलिया में मेडिकल कालेज की स्थापना के लिए भूमि का निशुल्क हस्तांकरण करने की सहमति दी।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए राजकीय कृषि विद्यालय के नाम दर्ज भूमि को चिकित्सा शिक्षा विभाग के पक्ष में निशुल्क हस्तांतरण की सहमति दी।

सैफई में आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में 300 बेड के गायनी ब्लॉक के निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति देने पर सहमति बन गई।

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड के अंतर्गत लखनऊ में डीटीआईएस की स्थापना के लिए एसपीपी को 0.8 हेक्टेअर भूमि दिए जाने का फैसला हुआ।

टैक्सफेड समूह के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड, कानपुर की बंद पड़ी कताई मिलों की भूमि के औद्योगिक प्रयोग के लिए यूपीसीडा को निशुल्क हस्तांतरण करने का निर्णय लिया गया।

हरदोई की तहसील सदर परगना गोपामऊ के ग्राम दही में महर्षि दधीचि कुंड के आसपास पर्यटन विकास के लिए बंजर श्रेणी की शासकीय भूमि को निशुल्क हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत गेहूं क्रय नीति को मंजूरी दी गई।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड की आगरा मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम व द्वितीय कॉरिडोर के मेट्रो डिपो के लिए गृहविभाग की भूमि के अवास एवं शहरी नियोजन विभाग के पक्ष में निशुल्क हस्तांतरण को सहमति प्रदान की गई।

'छह हत्याएं करने के बाद ही शादी'

असद गैंग में सदस्य बनने के लिए पूरी करनी होती हैं ये शर्तें

आगरा, 10 मार्च (एजेंसियां)। मथुरा पुलिस मुठभेड़ में ढेर हुआ असद उर्फ फाती और उसके साथी जिले में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए ठहरे हुए थे। वह अपने मकसद में कामयाब होते इससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए। अब पुलिस उसके भागे साथियों की गिरफ्तारी में दबिश देने में जुटी हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही ने बताया कि छैमार गिरोह क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए ठहरे हुए थे। वारदात स्थल के आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि फाती के साथियों की पहचान हो सके।

इसके अलावा वह किस घर की रेकी कर रहे थे, इसकी भी जानकारी की कोशिश की जा रही है। थाने की एक टीम गिरोह के साथियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी है। सुबह से रात तक 15 से अधिक स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज टीम ने खंगाले है।

कुछ सुराग भी हाथ लगे हैं, लेकिन अभी तक यह जानकारी नहीं हो सकी है कि गिरोह किस घर को अपना निशाना बनाने की फिराक में थे। मुठभेड़ के बाद वारदात स्थल पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य एकत्रित किए हैं। डॉग स्क्वायड की मदद से भागे बदमाशों की तलाश की जा रही है।

छैमार गिरोह जिस जिले में वारदात को अंजाम देता है, उसके पास के जिलों में पहले ही छिपने के लिए अपना ठिकाना बना लेता है। इसी कारण पुलिस को इनकी तलाश में परेशानी होती है। थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही ने बताया कि गैंग काफी खतरनाक है।

डकैती और लूट के दौरान परिवार के किसी सदस्य को जिंदा नहीं छोड़ते हैं, ताकि कोई सबूत और गवाह इनके खिलाफ न मिले। मुठभेड़ में ढेर डकैत एक दर्जन से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार चुका था। इसके साथ ही 20 से अधिक डकैती की वारदातों को अंजाम दिया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गैंग के सदस्य जिस घर में डकैती और लूट की वारदात करते थे। उस घर में रस्सी के सहारे चढ़कर छत तक जाते हैं। छत से सीढ़ियों से होते हुए घर के अंदर प्रवेश करते हैं। इसके बाद पूरा गैंग परिजनों को बंधक बना लेते है और डकैती की वारदात को अंजाम देता है।

मुठभेड़ में ढेर हुआ असद उर्फ फाती नाम और वेश बदलने में माहिर था। गैंग के अन्य सदस्य भी इसी तर्ज पर काम करते हैं। वह भिखारी का वेश धारण कर पहले रेकी करते। इसके बाद रात को घर पर गैंग के साथ धावा बोल देते। गैंग के सदस्य धारदार हथियारों का ज्यादा प्रयोग करते हैं। मामला बिगड़ने पर ही तमंचा आदि का इस्तेमाल करते हैं।

डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि शातिर डकैत नाम और वेश बदलने में माहिर था। अभी तक उसके हापुड़ गढमुक्तेश्वर निवासी फाती उर्फ कदीम उर्फ असद उर्फ पहलवान उर्फ बबलू उर्फ मोनीस आदि नामों की जानकारी हुई है।

रमजान और इस्लाम धर्म पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर हंगामा

पुलिस ने किया लाठीचार्ज

सहारनपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। सहारनपुर जनपद के बेहट में पिछले कुछ दिनों से रमजान और इस्लाम धर्म के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर तनाव जारी है। सोमवार को इस मामले में नया मोड़ आ गया।

मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने बस स्टैंड पर एकत्र होकर नारेबाजी की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया। पुलिस इन्हें अपनी गाड़ी में बैठाकर थाने ले गई है। बताया गया कि क्षेत्र में अभी तनाव की स्थिति है।

दरअसल, चार दिन पहले इस्माइलपुर पठानपुरा के रहने वाले एक युवक की फेसबुक आईडी से पोस्ट डाली गई थी, जो रमजान और इस्लाम धर्म को लेकर की गई थी। उसी दिन युवक कोतवाली में पहुंच गया था और पुलिस को बताया कि किसी ने उसकी फेसबुक आईडी को हैक कर लिया है।

युवक ने बताया कि उसकी हैक हुई फेसबुक आईडी से लगातार आत्तिजनक पोस्ट डलती रही। वहीं इसे लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आपत्ति जताई। उनकी मांग है कि युवक को गिरफ्तार किया जाए। पुलिस ने युवक के खिलाफ केस कर दर्ज जांच शुरू कर दी थी, लेकिन सोमवार को मुस्लिम समुदाय के युवा भारी संख्या में बस स्टैंड पर पहुंच गए।

पता लगते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। माहौल को भांपते हुए पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज कर दिया। कुछ युवाओं को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि भीड़ में कुछ बाहरी युवा शामिल हैं।

स्थिति को नियंत्रित करते हुए गश्त बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस मौके पर मौजूद है।

राबड़ी देवी बोलीं- हिम्मत है तो अलग राज्य बना दें पीएम मोदी

होली पर भाजपा विधायक की टिप्पणी से गुस्सा

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। राबड़ी देवी ने कहा कि भाजपा को बिहार की जनता सब भगाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगर हिम्मत है तो बिहार से और पूरे देश से मुसलमान को भगाकर अलग राज्य बनावें।

वहीं अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि हमारा संविधान सांप्रदायिक सौहार्द पर आधारित है। ह

मारा संविधान चार मजबूत स्तंभ पर टिका है, जिसमें एक सेकुलरिज्म भी है। मगर जो लोग घृणा, द्वेष, जात-पात और धर्म और उन्माद की राजनीति करना चाहते हैं और कर रहे हैं वही इस तरह की बातें कर रहे हैं।

दरअसल यह बात भाजपा के विधायक हरीभूषण ठाकुर बचौल के द्वारा दिए गए बयान के बाद राउडी देवी ने यह प्रतिक्रिया दी है।

भाजपा नेता हरीभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि जुम्मा साल में 52 बार आता है लेकिन होली साल में एक बार ही आता है। मुस्लिम भाइयों से अपील है कि अगर रंग लगने से आपको दिक्क़त है तो होली में मुस्लिम घर के अंदर ही रहकर जुम्मा मनाएं। मुस्लिम रंग और अबीर बेच सकते हैं लेकिन रंग लग जाने पर उनको दिक्कत होती है।

बिहार सरकार के मंत्री और जदयू नेता अशोक चौधरी ने भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल के बयान पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि यह देश सभी लोगों का है। हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख और ईसाई सभी

धर्म के लोग यहां आपसी सौहार्द के साथ रहते हैं। यहां हर धर्म के लोग एक दूसरे के पर्व-त्यौहार में शामिल होकर हंसी-खुशी से मनाते हैं। ऐसे में ऐसा बयान देना अच्छी बात नहीं है। होली में मुस्लिम लोग घर से बाहर न निकलें ऐसा नहीं हो सकता।

इस बात के लिए कहीं कोई आपत्ति नहीं है। अशोक चौधरी ने कहा कि यह बयान भाजपा विधायक का निजी बयान हो सकता है, एनडीए का नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक को ऐसे बयानों से बचना चाहिए। यह उनकी निजी राय है इसका एनडीए सरकार से कोई लेना-देना नहीं है।

संभल शाही मस्जिद की रंगाई पुताई मामले में सुनवाई अब 12 मार्च को

प्रयागराज, 10 मार्च (एजेंसियां)। संभल जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई की मांग को लेकर दाखिल अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई अब 12 मार्च को होगी।

कोर्ट के आदेश के अनुपालन में एएसआई ने जांच रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने कहा था कि मस्जिद में रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। जांच के दौरान मस्जिद में गंदगी व कुछ जगहों पर झाड़ियां उगी पाई गईं हैं। इसके फोटोग्राफ भी एएसआई ने कोर्ट में दाखिल किए हैं।

कोर्ट ने एएसआई को मस्जिद की सफाई व उगी हुईं झाड़ियों को साफ करने का निर्देश दिया है। वहीं मुस्लिम पक्ष ने एएसआई की जांच रिपोर्ट के खिलाफ आपत्ति दाखिल करने के लिए समय लिया है। हिंदू पक्ष ने भी एफिडेविट फाइल करने के लिए समय लिया था। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद सुनवाई को 12 मार्च तक के लिए टाल दिया है।

भाजपा विधायक बोले - होली पर घर से नहीं निकलें मुस्लिम भाई

विधानसभा में मच गया बवाल

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भाजपा विधायक के बयान पर एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। भाजपा के विधायक के जिस तरह से मुसलमान भाइयों के प्रति बयान दिया है। वह गलत है। भाजपा या बचौल के बाप का राज है क्या? जो मुसलमानों को घर से बाहर निकलने से रोक लें। मुख्यमंत्री कहां है? वह भाजपा के विधायक को बुलाकर डांट क्यों नहीं रहे? तेजस्वी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ₹बचौल यह बिहार है, जान लो। यहां एक मुसलमान को बचाने पांच हिन्दू आएंगे। सीएम नीतीश पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अचेत अवस्था चले गए हैं। पूरा देश देख रहा है उनकी हालत। सीएम नीतीश कुमार से कुछ होने वाला नहीं है।

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के विधायक व मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि जिस तरह से जिनकी त्योहार में आस्था है। उनको वैसे मनाना चाहिए। सब मिल जुलकर त्योहार मनाएंगे। हमें आपसी सौहार्द बनाकर रहना चाहिए।

वहीं भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने बयान पर पलटवार करते हुए तेजप्रताप यादव ने कहा कि इस देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में सब भाई-भाई हैं। किसी के कहने से कुछ नहीं होता है। नफरत फैलाने वालों को जनता पहचान चुकी है।

बिहार सरकार के मंत्री और जदयू नेता अशोक चौधरी ने भाजपा विधायक हरीभूषण ठाकुर के बचौल के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह देश सभी का है, यहां हर धर्म के लोग एक-दूसरे के पर्व और त्योहार खुशी से मनाते हैं, और इसमें कहीं कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा विधायक को ऐसे बयानों से बचना चाहिए। यह उनकी निजी राय है, इसका एनडीए सरकार से कोई लेना-देना नहीं है।

बिहार विधान परिषद के बाहर विपक्ष ने भाजपा के होली वाले बयान पर जमकर प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री को हिम्मत है तो बिहार के सभी मुसलमान को बाहर निकाल दें और अलग राज्य बनावें

राजद विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता (सिकटा) ने पूछा था कि राज्य सरकार ने पांच वर्षों में बिहार के करीब 95 लाख महागरीब परिवारों को जिनकी मासिक आय प्रतिमाह 6 हजार से कम है, उन्हें 2-2 लाख रुपये लघु उद्योगों व अन्य रोजगार के साधनों के लिये सहायता देने की घोषणा की है। उक्त योजना के आलोक में 2023-24 वित्तीय सत्र में बिहार के करीब 50 हजार गरीब परिवारों को ही यह सहायता राशि मिल सकी है, शेष 94 लाख से अधिक परिवारों को उक्त योजना से सहायता राशि नहीं दी गई है। सरकार 4 लाख से अधिक परिवारों को उक्त योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि कबतक देगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बिहार लघु उद्यमी योजनान्तर्गत प्रति लाभुक स्वरोजगार हेतु अधिकतम दो लाख रुपये की राशि अनुदान के रूप में तीन किस्तों में दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

विधानसभा में अध्यक्ष नंद किशोर यादव से राजद के वरीय नेता अवध बिहारी ने ललित यादव की पैरवी की। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि सदन जबरदस्ती से नहीं चलता है। ललित यादव का तरीका गलत था, इसलिए हमने उनकी बात नहीं मानी। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक विधायक ललित यादव विधायक अध्यक्ष से बहस करते हुए सदन से निकलने लगे। फिर उनको विधायक अवध बिहारी बुलाकर बैठाये। अध्यक्ष ने कहा कि सदन नियम के अनुसार ही चलेगा। आपके कहे अनुसार नहीं चलेगा।

भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड हरि भूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि मुस्लिम भाइयों से अपील है कि जिन्हें रंग-अबीर से परहेज है वह अपने घरों से बाहर नहीं निकलें। साल में 52 बार जुम्मा आता है लेकिन होली एक बार ही आती है। जो मुस्लिम भाई रंग अबीर को बुरा मानते हैं वह अपने घरों में ही रहें। इधर, राजद विधायक ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा और आरएसएस के लोग सौहार्द को बिगाड़ते आए हैं। आज भी ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, ऐसा नहीं होगा। यह लोग देश को बांटने की राजनीति करते हैं।

तनिष्क के शोरूम में फिल्मी स्टाइल में लूट

आभूषण समेत 25 करोड़ पर मारा हाथ; स्टाफ-ग्राहकों के मोबाइल भी ले गए

आरा, 10 मार्च (एजेंसियां)। शोरूम के स्टोर मैनेजर ने बताया कि अपराधी अंदर आते ही स्टाफ और ग्राहकों को बंधक बना लिया। सबके मोबाइल फोन छीन लिए गए और फिर एक-एक कर सभी स्टॉल से ज्वेलरी लूट ली गई। जो कुछ भी शोरूम में मौजूद था, अपराधी अपने साथ लेकर फरार हो गए।

भोजपुर जिले के आरा शहर में सोमवार को दिल दहला देने वाली लूट की वारदात सामने आई है। शहर के बीचोबीच स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में दिनदहाड़े आठ से नौ की संख्या में आए हथियारबंद अपराधियों ने पूरी दुकान को लूट लिया। करीब 30 मिनट तक शोरूम के अंदर आतंक मचाते हुए लुटेरे एक-एक स्टॉल से ज्वेलरी समेटते रहे, लेकिन महज 600 मीटर दूर मौजूद नगर थाना पुलिस घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी। यह घटना न सिर्फ भोजपुर पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है, बल्कि शहर में सुरक्षा व्यवस्था की पोल भी खोल देती है। घटना नगर थाना क्षेत्र के गोपाली चौक स्थित तनिष्क शोरूम की है। चश्मदीदों के अनुसार, सुबह करीब 10:30 बजे दो-दो की संख्या में अपराधी शोरूम के भीतर प्रवेश करते गए। जैसे ही सभी अंदर इकट्ठा हो गए, उन्होंने अपने चेहरे पर मास्क पहन हथियार निकाल लिए और पूरे स्टाफ को कब्जे में ले लिया। इसके बाद स्टॉल-दर-स्टॉल कीमती ज्वेलरी को बड़े बैगों में भरना शुरू कर दिया।

शोरूम में काम करने वाली सेल्स गर्ल सिमरन ने बताया कि जैसे ही अपराधी अंदर आए, उन्हें शक हो गया कि कुछ गड़बड़ है। उन्होंने छिपकर डायल 112 पर कॉल किया। एक बार कॉल रिसीव भी हुआ और बताया गया कि पुलिस गाड़ी आ रही है, लेकिन आधे घंटे तक कोई पुलिस नहीं पहुंची। सिमरन ने बताया कि उन्होंने करीब 25 से 30 बार कॉल किया, लेकिन किसी कॉल का जवाब नहीं मिला और लुटेरे लूटपाट कर आराम से निकल गए। शोरूम के स्टोर मैनेजर ने बताया कि अपराधी अंदर आते ही स्टाफ और ग्राहकों को बंधक बना लिया। सबके मोबाइल फोन छीन लिए गए और फिर एक-एक कर सभी स्टॉल से ज्वेलरी लूट ली गई। जो कुछ भी शोरूम में मौजूद था, अपराधी अपने साथ लेकर फरार हो गए।

घटना के बाद भोजपुर एसपी राज ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पांच से छह अपराधी शोरूम में लूटकांड को अंजाम देने में शामिल थे। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में एक एसआईटी (विशेष जांच टीम) का गठन कर दिया गया है। उन्होंने माना कि यह सुरक्षा के लिहाज से बहुत बड़ी चूक है।

भारत स्काउट एंड गाइड कैंपस में थाने के पास युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, आरोपी हुआ फरार

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी पटना में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बेखौफ नजर आए, जब दिनदहाड़े एक युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। यह सनसनीखेज वारदात बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित बिहार राज्य भारत स्काउट एंड गाइड कैंपस में हुई। जहां लाइट डेकोरेशन का काम कर रहे युवक राजेश कुमार (35) को सिर में गोली मार दी गई। गोली लगते ही युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। डर और दहशत में लोग इधर-उधर भागने लगे।

जानकारी के मुताबिक, मृतक राजेश कुमार कदमकुआं थाना क्षेत्र के चूड़ी मार्केट स्थित ठाकुरबाड़ी रोड का निवासी था। वह 'जय माता दी लाइट एंड साउंड' के नाम से अपनी दुकान चलाता था। बताया जा रहा है कि स्काउट एंड गाइड कैंपस में डेकोरेशन के काम के लिए उसे आज ही बुलाया गया था। जैसे ही उसने अपनी स्कूटी से कैंपस में प्रवेश किया, पहले से घात लगाए अपराधियों ने पीछे से उसके सिर में गोली मार दी। गोली लगने के बाद राजेश वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से एक खोखा, हेलमेट और स्कूटी को जब्त कर लिया है।

तरावीह की नमाज पढ़कर लौट रहे व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, दो संदिग्ध हिरासत में; इलाके में तनाव

मोतिहारी, 10 मार्च (एजेंसियां)। मोतिहारी जिले में एक बार फिर बेखौफ अपराधियों ने तांडव मचाया है। यहां रामगढ़वा थाना क्षेत्र के बैरिया पंचायत स्थित आर्यानगर में देर रात तरावीह की नमाज पढ़कर लौट रहे एक व्यक्ति की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान शेख नरेन के रूप में हुई है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है और स्थानीय लोगों के बीच दहशत का माहौल बना हुआ है।

तरावीह की नमाज के बाद घर लौट रहे थे शेख नरेन

जानकारी के अनुसार, शेख नरेन रोजे के महीने में तरावीह की नमाज अदा करने के बाद देर रात घर लौट रहे थे, तभी पहले से घात लगाए दो अज्ञात अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वे वहीं गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गोलीबारी की आवाज सुनकर आस-पास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़वा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इस बीच मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन कर दिया है, जिसकी अगुवाई रक्सौल एसडीपीओ को सौंपी गई है। एसडीपीओ और रामगढ़वा थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों को इकट्ठा कर रहे हैं।

दो संदिग्ध हिरासत में, आपसी दुश्मनी का शक

पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह घटना आपसी दुश्मनी का नतीजा प्रतीत हो रही है। हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। SIT टीम द्वारा दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना की सटीक वजह जानने के लिए तकनीकी सबूतों के साथ-साथ मृतक के पारिवारिक और सामाजिक संबंधों की भी गहराई से पड़ताल की जा रही है।

अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि घटना की सूचना मिलते ही एसआईटी का गठन कर दिया गया है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है। प्रथम दृष्टया यह हत्या आपसी विवाद में की गई प्रतीत होती है, लेकिन पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है। जल्द ही अपराधी कानून के शिकंजे में होंगे।

सरकार के कब्जे में है चुनाव आयोग

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने क्यों कही ये बात

नई दिल्ली , 10 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण में सोमवार को संसद परिसर में सिब्बल केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को बड़ा आरोप लगाया। सिब्बल ने कहा कि इलेक्शन कमीशन तो सरकार के कब्जे में है। उन्होंने कहा कि यह काफी अरसे है। सिब्बल ने कहा कि जो आप लोकतंत्रर की बात करते हो, अगर लोकतंत्र अगर ऐसे ही चलता रहा और इलेक्शन कमीशन सरकार की पैरवी करती रही तो निश्चित रूप से जो नतीजे आएंगे वो आपके सामने हैं।

सिब्बल ने कहा कि वोटिंग की जो ये व्यवस्था है, तादाद में लोगों के वोट कैंसल कर देना, लोगों को घर से बाहर नहीं निकलने देना, डुप्लिकेट वोटर कार्ड, ऐसे-ऐसे लोगों के वोटर कार्ड बनाने जो यहां रहते भी नहीं हैं। सिब्बल ने आगे कहा कि दो-दो कमरे में 50-50 वोट बनाने और बीजेपी के मेंबर के आधार पर 11 हजार वोट काट दिए जाएं अगर ऐसी ही व्यवस्था चलती रही तो ये जिसको आप लोकतंत्र कहते हैं वो लोकतंत्र नहीं दिखावा है।

जमीन पर क्या होता है सबको मालूम है

चुनाव पर संदेह से जुड़े सवाल पर सिब्बल ने आगे कहा कि हम तो कब से कहते आ रहे हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि हम ईवीएम पर अभी बात नहीं कर रहे, इस पर तो चर्चा अलग से होगी। कपिल सिब्बल ने कहा कि जिस तरह से ये इलेक्शन कराते हैं, जमीन पर क्या होता है, वो तो हमको मालूम है, सबको मालूम है लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है। सिब्बल ने कहा कि ना तो कोर्ट सुनती है ना इलेक्शन कमीशन सुनता है और बात ये लोकतंत्र की करते हैं।

अकाली दल में बगावत !

सुखबीर बादल और बिक्रम मजीठिया के बीच तकरार

चंडीगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। अकाली दल के पूर्व अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और उनके साले बिक्रम सिंह मजीठिया के बीच की कड़वाह खुलकर सामने आ गई। पार्टी के अंदरखाने में दोनों के बीच की अनबन और इसके संकेतों की चर्चा पहले से ही चल रही थी। दरअसल दो तख्त जत्थेदारों को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की कार्यकारी समिति द्वारा बर्खास्त किए जाने पर मजीठिया ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने इसे मतभेद कहा। लेकिन सुखबीर खेमे की तुरंत और तीखी प्रतिक्रिया से साफ हो गया कि मजीठिया के इस कदम को बगावत की तरह देखा गया। शायद उन्हें पहले से ही इसकी आशंका थी।

अकाली दल के कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ के नाम से जारी बयान में पीठ में छुरा घोंपना जैसे शब्दों का इस्तेमाल हुआ। मजीठिया के बयान के कुछ ही घंटों के भीतर, सुखबीर खेमे के समर्थक और अकाली दल का आईटी सेल उन पर निशाना साधने में जुट गए। अकालदी दले के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि 17 फरवरी को चंडीगढ़ में अपनी बेटी के विवाह समारोह में सुखबीर ने अमृतसर के दो कट्टर मजीठिया विरोधियों को बुलाया था। ये थे तलबीर सिंह गिल, जो शिअद से आप में चले गए थे। दूसरे थे पूर्व कांग्रेस विधायक इंदरबीर सिंह बोलारिया, जो मजीठिया से मतभेदों के चलते कांग्रेस में शामिल हो गए थे। अकाली दल के अंदरूनी सूत्र ने कहा कि यह मजीठिया के साथ-साथ दूसरों के लिए भी एक संकेत था।

सुखबीर भी इस समय कमजोर स्थिति में

अकाली दल के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि दोनों के बीच अनबन के संकेतों पर पार्टी हलकों में चर्चा हो रही थी। 2 दिसंबर को अकाल तख्त की कार्यवाही के दौरान लोगों ने बहुत कुछ समझा। मजीठिया ने खुद को उन नेताओं के बीच रखा जो शिअद-भाजपा सरकार के दौरान कैबिनेट का हिस्सा थे, लेकिन विवादास्पद फैसले लेने की प्रक्रिया में शामिल नहीं थे। गौरतलब है कि मजीठिया ने एसजीपीसी के फैसले पर खुलकर असहमति तब जताई जब बड़े सिख समुदाय में जत्थेदारों की बर्खास्तगी के खिलाफ मजबूत भावना है। सुखबीर भी इस समय कमजोर स्थिति में हैं। क्योंकि शिअद की सदस्यता और चुनाव प्रक्रिया अभी चल रही है और वह अभी तक औपचारिक रूप से अध्यक्ष नहीं हैं।

जेल से बाहर आने के बाद ज्यादा एक्टिव हुए

पार्टी हलकों में, आम तौर पर यह माना जाता था कि उनकी बहन और बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने उनके लिए ताकत का इस्तेमाल किया था। सुखबीर ने भी उन्हें सरकार और पार्टी के मामलों में काफी अधिकार दिए थे। अगस्त 2022 में जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद, मजीठिया ने अपनी राजनीति को अपने तरीके से आगे बढ़ाया और एक विपक्षी नेता के रूप में अपनी जगह बनाई। ऐसा लग रहा था कि उन्हें सरकारी हलकों की बहुत सारी आंतरिक जानकारी थी, क्योंकि वह राज्य सरकार पर हमला करने के लिए इसका खुलासा करते थे।

भारत ने चीन और जापान पर लगाया एंटी डंपिंग शुल्क

घरेलू उद्योग को सस्ते आयात से बचाने की कवायद

नई दिल्ली , 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने घरेलू उद्योग को सस्ते आयात से बचाने के लिए चीन और जापान से आने वाले जल उपचार रसायन पर पांच साल के लिए 986 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक का एंटी डंपिंग शुल्क लगाया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है।

बता दें कि, यह फैसला वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की 'ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड' पर शुल्क लगाने की सिफारिश के बाद लिया गया। निदेशालय ने अपनी सिफारिशों में कहा कि चीन और जापान से भारत में डंप किए गए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को नुकसान हुआ है।

अधिसूचना में कहा गया, 'एंटी डंपिंग शुल्क पांच साल के लिए लगाया जाएगा (जब तक कि इसे पहले रद्द, प्रतिस्थापित या संशोधित नहीं किया जाता है)।' डीजीटीआर कथित डंपिंग की जांच करता है और शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। वित्त मंत्रालय सिफारिश के तीन महीने के भीतर इस बारे में अंतिम निर्णय लेता है।

बता दें कि, देश यह जांचने के लिए डंपिंग रोधी जांच शुरू करते हैं कि क्या लागत से कम कीमत पर आयात में बढ़ोतरी के कारण उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा है। जवाबी कार्रवाई के तौर पर, वे विश्व व्यापार संगठन की बहुपक्षीय व्यवस्था के तहत शुल्क लगाते हैं। डंपिंग रोधी उपाय निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने और घरेलू उद्योग को समान अवसर प्रदान करने के लिए किए जाते हैं। यह आयात को प्रतिबंधित करने या उत्पादों की लागत में अनुचित बढ़ोतरी करने का उपाय नहीं है।

महाकुंभ न जाने पर उद्धव बोले-हम मोहन भागवत के फॉलोअर

भागवत भी कुंभ नहीं पहुंचे; शिंदे ने कहा था- उद्धव हिंदू कहलाने से डरते हैं

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा- कुछ लोगों ने मुझसे सवाल किया कि आप कुंभ में नहीं गए। कुछ लोग मतलब ये गद्दार दाढ़ी (एकनाथ शिंदे) वहां डुबकी मारकर आए और कहा उद्धव ठाकरे नहीं गए। हम मोहन भागवत के फॉलोअर हैं।

उद्धव ने यह बाते मुंबई के कालिदास नाट्यगृह में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक मीटिंग में कही है। दरअसल राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी महाकुंभ में शामिल नहीं हुए थे।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 27 फरवरी को कहा था कि महाकुंभ में शामिल न होने वालों से पूछा जाना चाहिए, उन्होंने इसमें हिस्सा क्यों नहीं लिया। बालासाहेब ठाकरे ने नारा दिया था 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' लेकिन अब वे (उद्धव ठाकरे) खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं।

आरएसएस प्रमुख के महाकुंभ में शामिल न होने पर शिवसेना राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी सवाल उठाए थे। शिंदे का बयान आने के बाद उन्होंने कहा कि यह सवाल सबसे पहले RSS प्रमुख से पूछना चाहिए। अगर भागवत एक हिंदू के रूप में कुंभ नहीं गए तो उद्धव ठाकरे को निशाना क्यों बनाया जा रहा है।

शिंदे का बयान आने के बाद उद्धव ठाकरे ने 28 फरवरी को कहा था कि गंगा में डुबकी लगाने से पाप नहीं धुलता। महाराष्ट्र को धोखा देने का पाप जो उन्होंने (एकनाथ शिंदे) किया है वो कई बार गंगा नहाने के बाद भी विश्वासघाती का ठप्पा कैसे मिटेगा।

शिंदे का बिना नाम लिए उद्धव ने कहा था कि मैं गंगा का सम्मान करता हूं, इसमें डुबकी लगाने का क्या फायदा। उद्धव ने ये बातें मराठी भाषा गौरव दिवस पर पार्टी के एक कार्यक्रम में कही थीं।

एलजी ने कठुआ हत्याकांड के जांच के आदेश दिए

बोले- अपराधियों को सजा दिलाई जाएगी; 3 लोगों की हत्या हुई

जम्मू, 10 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने रविवार को कठुआ हत्याकांड के जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा- इस हत्या में शामिल किसी भी लोगों को छोड़ा नहीं जाएगा।

दरअसल, एक दिन पहले तीन लोगों के शव कठुआ जिले के मालहार क्षेत्र के इशु नल्हा में मिले थे। ये तीनों 5 मार्च को एक शादी समारोह से लौटते के दौरान लापता हुए थे।

एलजी सिन्हा ने X पोस्ट में लिखा- वरण सिंह (40), योगेश सिंह (32) और दर्शन सिंह (15) की बर्बर हत्या से मैं दुखी हूं। इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं।

इस घटना को लेकर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने हत्याओं में आतंकवादियों की एनरोलमेंट की ओर इशारा किया था। उन्होंने X पर लिखा- कठुआ जिले के बानी इलाके में आतंकवादियों द्वारा तीन युवाओं की बर्बर हत्या बहुत दुखद और चिंताजनक है। इस घटना के पीछे एक गहरी साजिश दिखता है। इनका मकसद इस शांतिपूर्ण इलाके का माहौल खराब करने की कोशिश है। वहीं, जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम ने भी इन हत्याओं की निंदा की और कहा कि आपराधिक घटनाओं को बढ़ना चिंता का विषय है।

कठुआ में हत्या के विरोध में हड़ताल

कठुआ जिले के बिलावर और आसपास के इलाकों में रविवार को तीन नागरिकों की हत्या के विरोध में हड़ताल की गई। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए बीजेपी नेता गोपाल कृष्ण ने कहा कि यह साफ रूप से आतंकवादियों द्वारा टारगेट किया गाय मामला है। हम चाहते है कि सरकार आतंकवादियों को जंगलों में छुपने से पहले आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करे। उन्होंने कहा कि लोग आतंकवादियों को उनके मंसूबों में सफल नहीं होने देंगे। साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने वाली चुनावी हत्याओं को रोकेंगे।

छत्रपति संभाजी नगर में बड़ा हादसा, चार की मौत

मुंबई , 10 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में हुए एक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हुए। पुलिस ने बताया कि घटना पिशोर घाट इलाके की है, जहां गन्नों से लदा ट्रक कनाड से पिशोर जा रहा था। इस ट्रक में 17 मजदूर भी सवार थे। पिशोर घाट इलाके में ड्राइवर ने ट्रक से नियंत्रण खो दिया और ट्रक पलट गया। ट्रक पलटने से चार मजदूर गिर गए और ट्रक के नीचे फंस गए। इन चारों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हुए हैं।

'जूते पर थूका, फिर चटवाया, 30 चांटे भी मारे'

आगरा, 10 मार्च (एजेंसियां)। मेरा बेटा घटना से उबर नहीं पा रहा है। स्कूल का नाम लेते ही डरने लगता है। स्कूल प्रबंधन की ओर से काउंसिलिंग के लिए कहा गया है। अगर, वह स्कूल जाने के लिए तैयार होगा तो भेजेंगे। यह कहना है कि दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले 6 साल के बच्चे की मां का। पिछले दिनों स्कूल बस में 8 वर्षीय छात्र ने उससे जूते पर थूककर चटवाया था।

शाहगंज निवासी कारोबारी का बेटा दिल्ली पब्लिक स्कूल, दयालबाग में पढ़ता है। पिता का आरोप था कि 8 साल के छात्र ने बेटे से जूते पर थूककर चटवाया था। उसके थप्पड़ भी मारे थे। मामले में पुलिस से शिकायत की थी। बच्चे के साथ हुई हरकत के लिए स्कूल की लापरवाही पर कार्रवाई की मांग की थी। मामले में एसीपी लोहामंडी मंयक तिवारी ने जांच की थी। उन्होंने शनिवार को स्कूल प्रिंसिपल, शिक्षिका और काउंसलर को बुलाया। बच्चे के मां-पिता भी आए थे। एसीपी ने स्कूल की लापरवाही पर कार्रवाई की बात की थी। एसीपी ने बताया कि स्कूल प्रबंधक ने जानकारी कि जिस छात्र पर आरोप है, उसे टर्मिनेट कर दिया है। आया को भी नौकरी से हटा दिया गया।

अध्ययन: महाविस्फोट के 10 से 20 करोड़ साल बाद ब्रह्मांड में पानी का निर्माण, जीवन की उत्पत्ति में अहम भूमिका

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। सुपरनोवा (महाविस्फोट) ब्रह्मांड की उत्पत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रहों के निर्माण तथा जीवन की संभावनाओं के लिए आवश्यक भारी तत्वों का निर्माण करते हैं। पानी को जीवन की उत्पत्ति से जुड़ा एक अहम तत्व माना जाता है।

पिछले शोधों से संकेत मिलता है कि पानी धातुओं और गैसों के मिश्रण से बन सकता है। लेकिन अब ताजा शोध के अनुसार महाविस्फोट के 10 से 20 करोड़ साल बाद ब्रह्मांड में पानी का निर्माण हुआ होगा।

वैज्ञानिकों का मानना है कि पानी का निर्माण पहले की अपेक्षा अधिक जल्दी हुआ और यह प्रारंभिक आकाशगंगाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। यह शोध अध्ययन नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध के लिए वैज्ञानिकों ने दो अलग-अलग सुपरनोवा विस्फोटों का कंप्यूटर मॉडल तैयार किया।

पहला, सूर्य से 13 गुना अधिक द्रव्यमान वाले तारे का था और दूसरा, सूर्य के द्रव्यमान से 200 गुना बड़े तारे का। इन मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिकों ने विस्फोटों के बाद बने तत्वों का विश्लेषण किया।

अध्ययन में पाया गया कि पहले मॉडल में 0.051 सौर द्रव्यमान और दूसरे में 55 सौर द्रव्यमान के बराबर ऑक्सीजन का निर्माण हुआ।

यह अत्यधिक ऊष्मा और घनत्व की स्थिति के कारण संभव हुआ। जब यह ऑक्सीजन ठंडी हुई और सुपरनोवा द्वारा छोड़े गए हाइड्रोजन के संपर्क में आई तो घने गैसीय गुच्छों में पानी का निर्माण हुआ। संभवतः ये गुच्छे बाद में दूसरी पीढ़ी के तारों और ग्रहों के निर्माण में सहायक बने। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यदि पानी प्रारंभिक आकाशगंगाओं के निर्माण के दौरान बचा रहा तो यह ग्रहों के निर्माण की प्रक्रिया में भी शामिल रहा होगा। इसका मतलब है कि पानी की मौजूदगी ब्रह्मांड के प्रारंभिक इतिहास में ही सुनिश्चित हो गई थी जिससे आगे चलकर ग्रहों और जीवन की संभावना बनी।

हालांकि, भूवैज्ञानिकों ने इसुआ ग्रीनस्टोन बेल्ट से पिलो बेसाल्ट (पानी के नीचे विस्फोट के दौरान बनने वाली एक प्रकार की चट्टान) का एक नमूना बरामद किया गया था, जो यह सबूत देता है कि 3.8 अरब साल पहले पृथ्वी पर पानी मौजूद था।

यात्रीगण कंफर्म सीट के लिए न हों परेशान

होली पर टिकट बुकिंग करते समय अपनाए ये आसान ट्रिक

नई दिल्ली , 10 मार्च (एजेंसियां)। होली का त्योहार नजदीक आ गया है। ऐसे में रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में भीड़ शुरू हो गई है। लंबी दूरी की कई ट्रेनों में इन दिनों सीट नहीं मिलने से यात्री परेशान हो रहे है, जबकि प्लेन और बस दोगुना से ज्यादा किराया वसूल रहे है। ऐसे में यात्रियों की मदद के लिए भारतीय रेलवे ने रिजर्वेशन के तरीकों में बदलाव किया है। इससे यात्रियों को आसानी से टिकट उपलब्ध हो सकेगा। आम यात्रियों को ट्रेनों में कंफर्म सीट मिल सके, इसलिए भारतीय रेलवे आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस इस्तेमाल ज्यादा कन्फर्म टिकट देने के लिए कर रहा है। यात्री अगर ट्रेन में कंफर्म टिकट चाहते है तो वह भी यह ट्रिक अपना सकते हैं। अगर यात्री रेलवे की विकल्प योजना का उपयोग अगर अपना टिकट बुक करते है तो उन्हें कन्फर्म ट्रेन टिकट मिलने की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी।

दरअसल,अल्टरनेट ट्रेन एकोमोडेशन स्कीम को रेलवे ने विकल्प का नाम दिया है। रेलवे इस स्कीम के जरिए यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा कंफर्म टिकट देने की कोशिश करता है। विकल्प ऑप्शन का उपयोग कर यात्री टिकट बुक करते समय यात्रा के लिए कई ट्रेनों का चुनाव एक साथ कर सकते है। जिस भी ट्रेन में सीट खाली होगी। उन्हें उस ट्रेन में यात्रा करने का मौका मिल जाएगा। जब यात्री ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुक करते हैं, तो उनको विकल्प ऑप्शन अपने आप सुझाया जाएगा। इस ऑप्शन में जिस ट्रेन में वेटिंग टिकट मिला है, उसके अलावा उस रूट की दूसरी ट्रेनों को भी सेलेक्ट करने को कहा जाता है।

यात्री ऑनलाइन टिकट बुक करते समय इसका चयन कर सकेंगे। यदि किसी भी वैकल्पिक रेलगाड़ी में कोई सीट या बर्थ खाली होती है तो उनके द्वारा चुनी गई किसी भी रेलगाड़ी में स्वतः ही सीट/बर्थ यात्रियों को आवंटित हो जाएगी। विकल्प को आप बुकिंग की गई टिकट की हिस्ट्री में जाकर चेक भी कर सकते हैं। विकल्प स्कीम के तहत यात्री यात्रा करने के लिए 7 ट्रेनों का चुनाव कर सकते हैं। यह ट्रेन बोर्डिंग स्टेशनों से डेस्टिनेशन तक 30 मिनट से लेकर 72 घंटे तक चलने वाली होनी चाहिए।

हालांकि, आईआरसीटीसी और रेलवे ने यह भी साफ किया कि है कि अगर किसी यात्री ने टिकट बुक करते समय विकल्प स्कीम को चुना है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें सौ फीसदी कंफर्म टिकट मिल जाएगी। यह आपके द्वारा चुनी गई ट्रेनों में सीट की उपलब्धता पर निर्भर करता है कि आपको कंफर्म टिकट मिलेगा या नहीं, लेकिन इस विकल्प के चुनने के बाद कंफर्म टिकट मिलने की संभावना को जरूर बढ़ जाएगी।

तत्काल में ऐसे बुक करें कंफर्म रेल टिकट

देशभर में 14 मार्च शुक्रवार को होली का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में कंफर्म टिकट पाना किसी चुनौती से कम नहीं होता। हालांकि, तत्काल बुकिंग इस समस्या का एक समाधान है, लेकिन तत्काल टिकट हासिल करना भी आसान नहीं होता, लेकिन इन तरीकों से आप तत्काल टिकट आसानी से बुक सकते है।

सबसे पहले आईआरसीटीसी एप डाउनलोड करें और लॉग इन करें। इसमें यात्री अपनी सफर की सारी जानकारी जैसे नाम, बर्थ प्रेफरेंस, फूड प्रेफरेंस पहले से सेव कर लें। इससे टिकट बुकिंग के समय आपका समय बचेगा। इसे यात्री अपने साथ यात्रा करने वाले सभी यात्रियों की एक मास्टर लिस्ट बनाएं।

इसमें सभी पैसेंजर्स के नाम, बर्थ प्रेफरेंस और फूड प्रेफरेंस शामिल करें। यात्री यह लिस्ट अपने आईआरसीटीसी अकाउंट के माय प्रोफाइल सेक्शन में तैयार कर सकते है। इसके बाद यात्री पेमेंट के लिए यूपीआई या आईआरसीटीसी ई वॉलेट का इस्तेमाल करें क्योंकि यह इंटरनेट बैंकिंग से ज्यादा तेज है। इससे टिकट बुक करते समय और ज्यादा समय बचेगा।

हरियाणा के रेपिस्ट धनखड़ केस में खुलासा

कोरियन युवतियों को डेट रेप ड्रग देता था; इससे उन्हें रेप का न पता चलता, न कुछ याद रहता

रेवाडी, 10 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी का सीरियल रेपिस्ट बालेश धनखड़ कोरियन युवतियों को रेप ड्रग देता था। यह ऐसा नशा है, जिसके बाद किसी को ये याद नहीं रहता कि उसके साथ क्या हुआ। बालेश युवतियों को डिनर के बहाने वाइन में यह ड्रग मिलाकर देता था।

जिसके बाद उनके साथ रेप करता था। यही वजह रही कि कुछ कोरियन युवतियों का कहना था कि उनके साथ रेप हुआ या नहीं, इसका उन्हें पता नहीं चला। वह पूरी तरह से ब्लैकआउट हो गईं थी। ऑस्ट्रेलिया में बालेश को 40 साल कैद की सजा होने के बाद यह खुलासा हुआ है।

डेट रेप ड्रग का मेडिकल नाम रोहप्नोल है। वैसे तो इसे नींद की गोली के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि इसको लेकर हुए शोध में खुलासा हुआ कि यह दवा 'एंट्रोग्रेड एम्नेसिया' का भी कारण बनती है। इसका मतलब है कि दवा के सेवन के दौरान क्या हुआ, यह याद रखना मुश्किल होता है।

इस दवा के असर से इंसान की याद रखने की क्षमता खत्म हो जाती है। इसी वजह से USA में इसे बैन किया जा चुका है। इसमें न तो स्मेल होती है और न ही टेस्ट। इस वजह से इसको किसी चीज में मिक्स करने के बाद उसका पता नहीं चलता।

यह भी पता चला कि रोहप्नोल के साथ वह युवतियों को स्टिलनॉक्स भी देता था। इसका सामान्य नाम ज़ोलपिडेम भी है। इसके सेवन से चक्कर आने, सिरदर्द और कभी-कभी नींद में गाड़ी चलाने जैसा महसूस होता है। ऐसे में माना जा रहा है कि युवतियां खुद को बीमार समझें और रेप की तरफ ध्यान न जाए, इसलिए बालेश यह दवा भी उन्हें देता था।

सिडनी कोर्ट में एक कोरियन युवती ने कहा- 8 अक्टूबर, 2018 को मैं ऑस्ट्रेलिया पहुंची। एक दिन बाद उसने धनखड़ के जॉब विज्ञापन का जवाब दिया। 3 दिन बाद हिल्टन कैफे में उससे मुलाकात की। शुरुआती बातचीत के बाद धनखड़ ने मुझे डिनर का ऑफर दिया, तो मैने मना कर दिया। अगले दिन फिर हिल्टन कैफे में उससे मिली, जहां धनखड़ ने उसे अनुवाद करने के लिए एक डॉक्यूमेंट दिया। जॉब की उम्मीद में उसने इस बार धनखड़ का डिनर ऑफर स्वीकार कर लिया। इसके बाद वे पास के एक कोरियाई रेस्तरां कोइबिटो में गए। जहां एक या दो बोतल सोजू पी।

युवती ने आगे बताया- धनखड़ ने मुझे रेस्तरां से घर तक लिफ्ट देने की बात कही। मैंने हामी भरी तो उसने कहा कि मुझे अपार्टमेंट से चाबियां लानी होंगी। इस पर वह दोनों उसके अपार्टमेंट में चले गए। जहां धनखड़ ने उसे रेड वाइन ऑफर की। इसके बाद हम दोनों वाइन पीते हुए कोरियाई म्यूजिक-वीडियो देखते रहे। फिर धनखड़ ने उसे साल्सा नृत्य सिखाया। कोरियन युवती ने आगे कहा- इसके बाद मुझे कुछ भी याद नहीं है...डांस ही आखिरी बात है जो मुझे याद है। जब मेरी नींद खुली तो मुझे कुछ ही बातें याद रहीं। इनमें इमारत की कार पार्किंग और घर लौटने की बात है। मगर, यह याद नहीं है कि मैं वहां कैसे पहुंची या अपने कपड़े कैसे पहने।

'मुझे लगा कि कुछ ठीक नहीं है, मैं सामान्य व्यवहार करने की कोशिश कर रही थी क्योंकि मैं और परेशानी में नहीं पड़ना चाहती थी, लेकिन मेरा शरीर नॉर्मल नहीं हो रहा था। सुबह उल्टी हुई और फिर इतनी बीमार हो गई कि मैं हिल भी नहीं पाई। इसके बाद धनखड़ ने सुबह 4 बजे के बाद मुझे मैसेज किया। विश की और कहा कि मुझे उसके ही फ्लैट पर सोना चाहिए था।

धनखड़ के साथ अगले कई दिन तक मैसेज पर बात होती रही। उस समय मुझे लगा कि यह मेरी गलती हो सकती है, शायद मैं नशे में थी या मेरा शरीर शराब के लिए तैयार नहीं था या फिर मुझे उसके अपार्टमेंट में नहीं जाना चाहिए था। जब पुलिस ने बालेश के कंप्यूटर से वीडियो बरामद किए और युवती से संपर्क किया तो उसे अपने साथ हुए रेप का पता चला।

बालेश धनखड़ ने कोरियन युवतियों को फंसाने के लिए एक ही होटल, कैफे और रेस्तरां का इस्तेमाल किया। जब उसने एशिया पार्टनरशिप के नाम से फर्जी कंपनी खोल कोरियन से इंग्लिश ट्रांसलेटर की जॉब निकाली तो सबसे पहले युवतियों को होटल हिल्टन कैफे में बुलाया। यहां पर उनका इंटरव्यू लेने का बहाना बनाया। इसके बाद हर युवती को कोरियन रेस्तरां कोइबिटो में डिनर के लिए ऑफर दिया। जहां उन्हें सोजू, वाइन या कोरियाई पेय मकोली पिलाई गई। इसके बाद कभी ओपेरा हाउस दिखाने तो कभी कार की चाबी लाने के बहाने उन्हें अपने अपार्टमेंट में ले गया। वहां वाइन के बहाने उन्हें ड्रग्स मिक्स कर दे देता था।

लिफ्ट मांग मोबाइल नंबर लेती, फिर मिसकॉल मारती

हर 6 महीने में नया टारगेट; 8 लाख लेते पकड़ी गई

जींद, 10 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में हनी ट्रैप में फंसाने वाली महिला की कहानी सामने आई है। ये 8 लाख रुपए लेते पकड़ी गई थी। महिला पहले भी कई लोगों को फंसाकर पैसे ऐंठ चुकी है। वह लिफ्ट मांगकर या फोन करने के बहाने लोगों को जाल में फंसाती थी। लिफ्ट मिलने पर वह कार में बैठने के बाद व्यक्ति का मोबाइल नंबर ले लेती। इसके बाद उस नंबर पर मिस कॉल मारकर बातचीत शुरू कर देती। हनी ट्रैप में फंसाने के बाद वह समझौते के नाम पर उनसे पैसे मांगना शुरू करती। पैसे मिलने के 6 महीने बाद वह नया शिकार ढूंढने लग जाती। सूत्रों के मुताबिक, अब तक 3 मामले ऐसे आ चुके हैं, जिनमें आरोपी महिला रुपए लेकर समझौता कर शिकायत वापस ले चुकी है।

सदर थाना नरवाना में 8 जनवरी 2025 को उचाना कलां की एक महिला ने हिसार जिले के कापड़ो गांव के एक युवक पर रेप का मामला दर्ज करवाया। वहीं मामले की जांच कर रहे DSP अमित भाटिया को आरोपी युवक की मां ने शिकायत दी कि रेप का आरोप लगाने वाली महिला मामले को रफा-दफा करने के लिए 8 लाख रुपए मांग रही है।

वह पहले ही एक लाख रुपए एडवांस के तौर पर दे चुके हैं। DSP अमित भाटिया ने मामले की जांच CIA इंचार्ज सुखदेव सिंह को सौंपी। ASI रमेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

महिला समेत 2 को रंगे हाथ पकड़ा, 2 फरार

8 मार्च को पुलिस ने नोटों के सीरियल नंबर नोट कर 8 लाख रुपए शिकायतकर्ता को सौंप दिए। आरोपी महिला ने पैसे लेने के लिए उचाना कलां में एक किराना दुकान पर बुलाया। यहां पर पैसे लेते ही CIA टीम ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। महिला के साथ में पकड़ा गया उसका साथी बलिंद्र कहसून गांव का रहने वाला है। इस मामले में महिला के साथी संदीप और जसमेर फिलहाल फरार हैं। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

6 महीने में नया टारगेट ढूंढती थी महिला

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पैसे कमाने के लिए उसने लोगों को हनी ट्रैप में फंसाना शुरू किया। महिला ने पूछताछ में पैसे ऐंठने के 3 केस बताए हैं। इनके अलावा अभी और केस सामने आ सकते हैं। आरोपी महिला हर 6 महीने में अपना लक्ष्य बदलती थी। गिरोह के अन्य सदस्य वीडियो रिकॉर्डिंग कर पीड़ितों पर समझौते का दबाव बनाते थे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 11 मार्च - 2025

टीम इंडिया ने दिल जीता

भारतीय टीम ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने के साथ ही देश दिल भी जीत लिया। उसने फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया। 12 साल बाद भारत फिर से चैंपियंस ट्रॉफी का चैंपियन बना। मैच के बाद जो जादुई पल मैदान में देखने को मिला उससे देश का सीना गर्व से और चौड़ा हो गया। इस तहजीब के आगे तो पूरी दुनिया नतमस्तक हो गई। 40 से कम उम्र में महानता को प्राप्त कर चुके विराट कोहली जब शमी की मां का पैर छूने के लिए झुके तो उन्होंने संस्कार को लेकर तमाम भारतीयों का नेतृत्व किया। उन्होंने दुबई स्टेडियम से अपने चाहने वालों को स्पेशल संदेश भेजा। मोहम्मद शमी इस्लाम से आते हैं। वहां पैर छूकर अभिवादन की परंपरा नहीं है, लेकिन जब विराट कोहली शमी की मां से मिले तो उन्होंने अपने संस्कार दिखाए। विराट कोहली पैर नहीं भी छूते तो कोई सवाल नहीं करता, लेकिन उनका झुकना ही बहुत कुछ कह गया। आखिर बड़ों का सम्मान देने का यही तो संस्कारी तरीका है। हिंदुस्तान का कामयाब हिंदुस्तान बनाने में हर धर्म की बराबर भूमिका है। टीम इंडिया ने जब चैंपियंस ट्रॉफी जीती तो पूरा देश जश्न में डूब गया। टीम इंडिया में विराट कोहली से लेकर कप्तान रोहित शर्मा तक की खुशी देखते ही बन रही थी। सबसे अहम बात जश्न की यह रही कि भले ही धर्म अलग हो, लेकिन सबके दिल में सिर्फ हिंदुस्तान धड़क रहा है। एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सेलिब्रेशन के बाद देखने को मिला। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने रोहित शर्मा को जब ट्रॉफी थमाई तो उसके बाद पूरी टीम स्टेज पर आ गई और प्लेयर्स ने जीत की खुशी में शैम्पेन उड़ाई। जब शैम्पेन उड़ाई जा रही थी तो मोहम्मद शमी उस वक्त वहां से थोड़ा दूर हो गए। रमजान का पाक महीना और इस्लाम धर्म को देखते हुए शमी का तरीका हर किसी के दिल को भा गया। टीम इंडिया के किसी अन्य खिलाड़ी ने भी शमी पर शैम्पेन नहीं उड़ाई। यह शमी और दूसरे धर्म के प्रति सम्मान को दर्शाता है। रमजान में रोजा नहीं रखने पर शमी के खिलाफ आग उगलने वाले कट्टर मौलाना भी इस वीडियो को देखे होंगे। शमी इस्लाम धर्मी हैं। इस्लाम में शराब का सेवन हराम है। साथ ही उसको खरीदना भी गलत माना जाता है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब किसी ऐसी सेलिब्रेशन के बीच इस्लाम को मानने वाला खिलाड़ी शैम्पेन से बचने के लिए साइड हुआ हो। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा को भी ऐसा करते देखा गया है। वहीं फुटबॉल में भी टीम सेलिब्रेशन के दौरान ऐसा कई बार हुआ है। आखिर यही तो खेल भावना भी है।

केजरीवाल का विपश्यना जाना राजनीति से प्रेरित कैसे हो सकता है!

रामस्वरूप रावतसरे

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अक्सर विपश्यना करते हैं। विपश्यना एक तरह का ध्यान है जिसमें व्यक्ति पूरी तरह से एकांत में रहकर आत्मनिरीक्षण करता है। मंगलवार को केजरीवाल ने पंजाब के होशियारपुर में 10 दिन का विपश्यना सत्र शुरू किया। यह कुछ ही हफ्ते पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा से हारने के बाद हुआ है जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अपनी सीट भी हार गए थे। आप नेता ने दिल्ली में नए विधानसभा के पहले सत्र के ठीक एक दिन बाद विपश्यना शुरू की। इस सत्र में आप सरकार के कामकाज पर कई नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट पेश की गईं। इनमें शराब नीति का मामला भी शामिल था जिसमें केजरीवाल जमानत पर हैं। केजरीवाल का पंजाब दौरा ऐसे समय में महत्वपूर्ण हो जाता है जब कांग्रेस दावा कर रही है कि कई आप विधायक दल बदलने को तैयार हैं। कांग्रेस का यह भी कहना है कि केजरीवाल अब पंजाब की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाएंगे। आप ने ऐसी सभी अफवाहों को खारिज कर दिया है जिसमें यह भी शामिल है कि भगवंत मान को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाया जाएगा। पंजाब में अभी आप की सरकार है। केजरीवाल के विपश्यना सेंटर जाने की पहली जानकारी 4 दिसंबर, 2013 में मिली थी। वो दिल्ली विधानसभा चुनाव के कुछ दिन बाद गए थे। तब आम आदमी पार्टी (एएपी) ने पहली बार चुनाव लड़ा था। 8 दिसंबर, 2013 को मतगणना से पहले वो लौट आए। आप ने उस चुनाव में 70 में से 28 विधानसभा सीटें जीतीं और केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने। उन्हें कांग्रेस का समर्थन मिला था जो शीला दीक्षित के नेतृत्व में लगातार तीन कार्यकाल के बाद आठ सीटों पर सिमट गई थी हालांकि, केजरीवाल का पहला कार्यकाल दो महीने से भी कम समय तक चला। कांग्रेस द्वारा समर्थन नहीं देने के कारण भ्रष्टाचार विरोधी जन लोकपाल विधेयक पारित नहीं हो सका। इसके बाद फरवरी 2014 में केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। केजरीवाल का दूसरा विपश्यना सत्र हरियाणा में चला। तब 2014 के लोकसभा चुनाव हुए और नतीजे घोषित होने से कुछ दिन पहले केजरीवाल विपश्यना सेंटर पहुंच गए थे। केजरीवाल ने उस चुनाव में वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। आप ने 432 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन सिर्फ चार सीटें जीत पाई थी। केजरीवाल तीसरी बार अगस्त 2016 में हिमाचल प्रदेश के विपश्यना सेंटर पहुंचे थे। यह 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की जीत के बाद हुआ जिसमें वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने थे। जब वह विपश्यना पर थे, दिल्ली उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि राजधानी ''लेफ्टिनेंट गवर्नर के प्रशासनिक नियंत्रण में एक केंद्र शासित प्रदेश बनी रहेगी'' और इसे राज्य का दर्जा प्राप्त नहीं होगा''। उस समय तक केंद्र के साथ आप सरकार की तनातनी शुरू हो चुकी थी क्योंकि वह राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासन के नियंत्रण को लेकर एलजी कार्यालय के साथ लगातार तकरार में थी। केजरीवाल ने बार-बार केंद्र पर एलजी के माध्यम से दिल्ली के मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। सितंबर 2017 में दिल्ली के बवाना विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत के बाद केजरीवाल महाराष्ट्र में 10 दिन के विपश्यना दौरे पर गए। यह उपचुनाव आप विधायक वेद प्रकाश के इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल होने के कारण हुआ था। सितंबर 2021 में आप के पहले चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में भाग लेने से कुछ महीने पहले केजरीवाल फिर से जयपुर में विपश्यना करने गए। केजरीवाल ने 2022 साल का अंत एक विपश्यना सत्र के साथ किया। केजरीवाल ने विपश्यना केंद्र जाने से पहले एक्स पर पोस्ट किया, ''कई सौ साल पहले भगवान बुद्ध ने यह ज्ञान दिया था। क्या आपने विपश्यना की है? यदि नहीं, तो अवश्य करें। इसके बहुत सारे मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक लाभ हैं।'' लौटने के बाद उन्होंने कहा, ''सात दिनों के विपश्यना ध्यान के बाद मैं आज बाहर आया हूं। ध्यान ने मुझे हमेशा आध्यात्मिक शक्ति और मानसिक शांति दी है।

विदेशों में हिन्दू मंदिरों पर बढ़ रहे हमले

अशोक भाटिया

खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर से हिंदू मंदिर को निशाना बनाया है। अमेरिका के कैलिफोर्निया के नेवार्क में खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर की बाहरी दीवारों पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे हैं साथ ही उन्हें क्षतिग्रस्त भी किया है। ये मंदिर स्वामीनारायण मंदिर है। जिसकी दीवारों पर काले रंग से आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नेवार्क पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई।अमेरिका के हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर मंदिर की कुछ तस्वीरों को शेयर किया गया है। इसके साथ ही फाउंडेशन ने कैप्शन में लिखा कि स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाकर शकी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे हैं, साथ ही उसे क्षतिग्रस्त भी किया है । फाउंडेशन ने इस मामले की जानकारी पुलिस के साथ ही न्याय विभाग के नागरिक अधिकारों को भी दी है। फाउंडेशन का कहना है कि वो चाहती है कि इस घटना की जांच पुलिस इसे हेट क्राइम मानकर करे। वहीं खालिस्तान आतंकवादी भिंडरावाले का जिक्र करते हुए बताया जा रहा है कि उसने हत्या के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया है अब मंदिर को निशाना बनाया जा रहा है ताकि लोगों खौफ पैदा हो सके। फाउंडेशन का कहना है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पुलिस इसे घृणा अपराध मानकर जांच करे।वहीं इस मामले पर सैन फ्रांसिस्को में मौजूद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है। दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने की कड़ी निंदा करते हुए बयान दिया है कि इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब विदेशी सरजमी पर हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो । इससे पहले भी कई इस तरह के मामले सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में भी खालिस्तानियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। इस तरह की घटनाओं पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार ने कई राजनयिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया है। इसी साल अगस्त में खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया शहर में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर के दरवाजे पर खालिस्तानी पोस्टर चिपका दिए थे। ये सारी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाके मेलबर्न में भी इसी साल जनवरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां स्वामीनारायण मंदिर पर भी खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लिखे थे। वहीं एक दूसरे मंदिर इस्कॉन टेम्पल में भी हिंदुस्तान मुर्दाबाद और खालिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे लिखे गए थे। कनाडा स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि मंदिर में तोड़फोड़ से कनाडा में स्थित भारतीय समुदाय की धार्मिक भावना आहत हुई है। अपनी चिंता जाहिर करते हुए अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन से आपराधियों के खिलाफ कड़ी काररवाई करने की मांग की है।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कनाडा सरकार को इस संबंध में संज्ञान लेने और मामले की जांच करने के संबंध में अपनी बात रखी है। भारतीय दूतवास ने घटना की कड़ी निंदा की है और हिन्दू धर्म के लिए पनप रही इस नफरत पर चिंता व्यक्त की है। कनाडा पुलिस ने मामले की सख्ती से जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल कनाडा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। यह पहली बार नहीं है, जब विदेश में किसी हिन्दू मंदिर की दीवारों पर भारत के विरोध में नारे न लिखे गए हो। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में भी ऐसी घटना सामने आई।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के श्री शिव विष्णु मंदिर की दीवारों पर रात के समय तथाकथित खालिस्तान समर्थकों ने नफरत भरे नारे लिखे थे। सुबह जब मंदिर प्रबंधन ने मंदिर में तोड़फोड़ और दीवारों पर नारे देखे तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावास ने संघीय सरकार के सामने इस मुद्दे को उठाया था। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और हिंदू धर्म को मानने वालों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा भड़की वह तो सबने देखी, लेकिन अमेरिका जो खुद को लोकतंत्र की मिसाल बताता है। ऐसे देश में हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की साजिश समझ से बाहर है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमला उस वक्त हो रहा था , जब यूनाइटेड नेशन में दुनियाभर के नेता वहां मौजूद थे । इसके बावजूद सब चुप्पी साधे हुए रहे । गौरतलब है है कि अब तक के जो मामले सुर्ख़ियों में है जब हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ हुई हो । इनमे प्रमुख है 26 सितंबर, 2024 :- का है, जब सैक्रामेंटो अमेरिका में स्वामी नारायण मंदिर। 19 सितंबर, 2024 :- न्यूयॉर्क के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में हमले के बाद अपमानजनक नारे जैसे 'हिन्दुस्तान मुर्दाबाद' तक लिखा गया। 5 जनवरी, 2024 :- कैलिफोर्निया के विजय का शेरावाली मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हमला किया गया। 23 दिसंबर, 2023 :- कैलिफोर्निया के एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला किया। वहां कई गंदे चित्र भी उकेरे गए। यानी मंदिर की पवित्रता को खत्म करने की कोशिश की गई।

20 जनवरी, 2023 :- ब्रेज़ोस वैली में श्री ओंकारनाथ मंदिर में चोरों ने चोरी की और कीमती सामान उड़ा लिया। उन्होंने मंदिर की एक खिड़की, दान पेटी और तिजोरी तक तोड़ दी। चोर सीसीटीवी में कैद हो गए। 2 नवंबर, 2022 :- न्यूजर्सी के श्री उमिया धाम मंदिर में तोड़फोड़ की गई और 'मुक्त फिलिस्तीन' के नारे लिखे गए। 31 जनवरी, 2019 :- केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की, काले रंग का छिड़काव किया, खिड़कियां तोड़ दी, दीवारों पर स्प्रे के जरिए स्लोगन लिखे गए।19 जुलाई, 2015 :- कैरोलिना के विहिप मंदिर पर गोलीबारी की गई। मंदिर पर 4 जुलाई 2015 की दोपहर करीब 1 बजे भी गोलीबारी हुई, जिसमें मंदिर की दीवारों पर 60 से अधिक छेद हो गए। 20 अप्रैल, 2015 :- न्यूयॉर्क के उत्तरी टेक्सास हिंदू मंदिर के प्रतीक चिन्हों को तोड़ दिया गया। लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा हमले की कोशिश पर भारत सरकार ने गंभीर चिंता व्यक्त तो की है पर उसमें मंदिरों का जिक्र नहीं है पर उसमें कहा गया है कि कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतांकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रतिपक्ष में रहकर वोट बैंक के लिए या भारत को कमजोर देखने के लिए उनका समर्थन करते रहे हैं।

अब लेबर पार्टी सत्ता में हैं और वह भारत के साथ अच्छे संबंधों के लिए प्रयासरत है। ऐसी स्थिति में भारत का कड़ा विरोध आवश्यक है। लेकिन भारत में भी पाकिस्तान तथा अन्य देशों के माध्यम से फन्डिंग पा रहे कथित खालिस्तानी आतंकी अथवा नक्सली अब भी कुछ इलाकों में समय समय पर हमले की कोशिश करते हैं। उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के समूह ने इसी सप्ताह खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा पाकिस्तानी आई एस आई के सदस्य लजर मसीह को महाकुंभ में आतंकी वारदात की साजिश के सबूतों के साथ गिरफ्तार किया है।

राजनीति के अपराधीकरण पर कौन लगाए रोक

राधा रमण

वैसे तो देश की राजनीति में 1957 के चुनाव में ही बूथ कैप्चरिंग की पहली वारदात बिहार के मुंगेर जिले (अब बेगुसराय जिला) के मटिहानी विधानसभा चुनाव में हो गई थी। उस समय दबंगों ने जबरदस्ती बूथ पर कब्जा कर अपने पक्ष में लोगों के वोट डलवा लिये थे। हालांकि उस काले अध्याय की चर्चा आजतक होती है। लेकिन बाद के दिनों में बूथ कैप्चरिंग की वारदातें लगातार बढ़ती गईं। राजनीति जिसकी लाठी, उसकी भैंस सरीखी हो गई। राजनीति में अपराधियों के पदार्पण की मूल वजह भी यही है। वरना आजादी के बाद की राजनीति इतनी खराब नहीं थी। सियासत के क्षेत्र में अच्छे लोग सक्रिय थे जो समाज का भला-बुरा सोचते थे। किसान नेता, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह अक्सर कहा करते थे कि बेटी की शादी अगर गलत घर में हो जाए तो परिवार बर्बाद हो जाता है, लेकिन वोट अगर गलत व्यक्ति को मिल जाता है तो समाज खराब हो जाता है।

क्या आज की राजनीति को आप अच्छी और आज के समाज को आप अच्छा समाज कहना चाहेंगे ? पिछले करीब चार दशक से राजनीति के अपराधीकरण को लेकर सभी दलों के नेता हो-हल्ला मचाते रहे हैं। संसद और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में भे यह मसला सिर चढ़कर बोलता रहा है। लेकिन सही बात तो यह है कि नेता खुद भी नहीं चाहते कि राजनीति साफ-सुथरी हो। राजनीति को समाज सेवा का दर्जा दिया गया है लेकिन आजादी के बाद से हमारे समाज सेवकों की सम्पत्ति में अकूत वृद्धि हुई है। अगर, मेरी बात पर भरोसा न हो तो सरकार किसी न्यायिक आयोग से सभी नेताओं की जो किसी सदन के सदस्य रहे हों, उनकी सम्पत्ति की जांच क्यों नहीं करा लेती। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। एक बार विधायक या सांसद क्या बन गए, नेताओं की सम्पत्ति रॉकेट की रफ्तार से बढ़ जाती है। मंत्रियों का तो कहना ही क्या ! हद तो यह कि समाज सेवा के नाम पर उन्हें टैक्स में छूट भी मिलती है। और तो और, सांसद- विधायक जब चाहते हैं अपनी तनख्वाह में मनमानी वृद्धि कर लेते हैं। आज तक इस मामले में किसी सदन में कभी विरोध की बात नहीं देखी-सुनी गई। गजब तो यह कि यदि कोई व्यक्ति लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद् चारों सदनों का सदस्य रहा हो तो किसी सदन की सदस्यता नहीं रहने पर वह चारों सदनों के एक साथ पेंशन का हकदार हो जाता है। जबकि निजी सेक्टर में काम करनेवाले और जीवन खपाने वाले लोग बुढापे में पाई-पाई के मोहताज हो जाते हैं। आज भी लालू प्रसाद और आनन्द मोहन जैसे न जाने कितने लोग सजायाफ्ता होने के बावजूद प्रतिमाह लाखों रूपये पेंशन के ले रहे हैं। मुझे कहने दीजिए कि इस मामले में राजनीतिक दलों में गजब की एकता है – 'हमाम में सभी नंगे हैं' की उक्ति चरितार्थ होती है। हाल ही में सजायाफ्ता सांसदों – विधायकों समेत अन्य नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने संबंधी जनहित याचिका पर केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया हलफनामा गौर करने लायक है। याचिका भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। इसपर सरकार का कहना है कि 'याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह संविधान को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से क़ानून बनाने का आदेश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा संबंधी उच्चतम न्यायालय की शक्तियों से पूरी तरह परे है। इस तरह की योग्यता तय करना केवल संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।'सरकार द्वारा शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। सरकार ने कहा कि यह क़ानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि 'अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता।' जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारिख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 11 के तहत चुनाव आयोग के पास ताकत है कि वह किसी मामले में इस अवधि को कम या पूरी तरह हटा सकता है। धारा 8 कहती है कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे अधिक की सजा होती है तो वह सजा पूरी करने के बाद छह साल तक चुनाव नहीं लड़ सकता है। इसी तरह धारा 9 में प्रावधान है कि भ्रष्टाचार अथवा देश के प्रति अविश्वास के लिए बर्खास्त सरकारी अधिकारी या कर्मचारी को 5 साल तक अयोग्य घोषित किया जाता है। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते में चुनाव आयोग से ऐसे दागी नेताओं की लिस्ट मांगी है जिन पर से आयोग ने चुनाव लड़ने से बैन के पीरियड को कम कर दिया था या हटा दिया था। साथ ही याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय से कहा कि वह चुनाव आयोग से जानकारी मिलने के दो हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। अश्विनी उपाध्याय ने 2016 में ही यह याचिका दाखिल की थी, लेकिन सरकार की हीलाहवाली और टालमटोल रवैये के कारण मामला अभी तक परिणति तक नहीं पहुंच पाया है।सवाल उठता है कि जो सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच के उस फैसले को अध्यादेश के जरिये पलट देने की सामर्थ्य रखती हो जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की सहभागिता को अपरिहार्य माना गया था। उस सरकार को सजायाफ्ता नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध से इतनी दिक्कत क्यों हो रही है ? क्या सरकार ऐसा नहीं चाहती कि राजनीति से अपराधियों का सफाया हो अथवा सरकार में बैठे लोग कहीं अपने भविष्य को लेकर आशंकित तो नहीं हैं। नेताओं को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि देश की जनता यह सब देख रही है। इतिहास गवाह है कि जनता जिस तेजी से किसी को सिर पर बैठाती है जायज वजह मिलने पर उससे दूनी गति से सत्ता से च्युत भी कर देती है। अपना देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र लोकलाज से चलता है न कि हठधर्मिता से।

आखिर कब खत्म होगा किसान आंदोलन !

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। किसानों को चंडीगढ़ जाने से रोकने पर पंजाब के संगठनों में रोष व्याप्त हो गया है। अब तक केंद्र सरकार के खिलाफ ही मोर्चा खोलने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया है। भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के नेता हरिंदर सिंह लाखोवाल ने अब भगवंत मान सरकार के सभी विधायकों के घरों का घेराव करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम 10 मार्च को पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी के विधायकों के घरों का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि आगे के आंदोलन को लेकर भी हम रणनीति बना रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि भगवंत मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वह ठीक नहीं था।लाखोवाल ने कहा कि सरकार से असहमति जताने के लिए AAP के सभी विधायकों के घरों के बाहर धरना दिया जाएगा। ये धरने 10 मार्च को सुबह 10 से दोपहर तक 3 बजे तक दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही एक ऐक्शन प्लान तैयार करेंगे। इसके अलावा 15 मार्च को चंडीगढ़ स्थित सीएम भगवंत मान के घर का भी घेराव किया जाएगा। लाखोवाल ने कहा, 'हम इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे अपने आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए। हम 15 मार्च को सीएम भगवंत मान को चर्चा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे। यदि वह उस दिन उपलब्ध नहीं हैं तो फिर अपनी सुविधा के अनुसार कोई और तारीख बता सकते हैं।' चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन से उपजे हालात पर आम लोग कहते रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण रखने वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की सख्ती के चलते अशांत नजर आता है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत कहा जाता था, अब खुद को प्रमुख हितधारकों-किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि कहां कमी रही कि कृषि क्षेत्र अशांत बना हुआ है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति चंडीगढ़ चलो मार्च के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं।

जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि मुख्यमंत्री मान ने किसानों की बैठक में से नाटकीय ढंग से वॉकआउट करके अपनी हताशा को ही जाहिर किया है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री का कहना है कि पंजाब में किसान संगठनों में आंदोलन करने की होड़ मची है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि पंजाब धरनों का राज्य बनता जा रहा है। उनका कहना है कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार जंग लड़ रही है। सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा के लिये तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों सहित पंद्रह राजस्व अधिकारियों को निलंबित किया है। साथ ही अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन न करने वाले कई अन्य अधिकारियों का तबादला किया गया है। जिसके विरोध में राजस्व अधिकारियों ने तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त की। जिसके प्रत्युत्तर में राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने का विकल्प चुना। जिसके चलते प्रशासनिक काम बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, बुधवार शाम उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार सख्त रवैया अपनाते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई के जरिये अपनी ताकत दिखा सकती है, लेकिन प्रणालीगत भ्रष्टाचार और नौकरशाही की नाराजगी की गहरी गुत्थी अभी भी अनसुलझी है। सवाल उठाया जा रहा है कि सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है? वहीं प्रशासन का तर्क है कि लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन से बड़े निवेशक पंजाब में निवेश करने से कतरा रहे हैं। जिससे राज्य का आर्थिक विकास बाधित हो सकता है।

ये त्योहार संडे को क्यों पड़ते हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक समय की बात है, भारत के एक छोटे से शहर में रामलाल नाम का एक कर्मठ कर्मचारी रहता था। रामलाल सरकारी दफ्तर में काम करता था और उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा सुख त्योहारों पर मिलने वाली छुट्टियाँ थीं। वह पूरे साल इन छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार करता, मानो ये छुट्टियाँ नहीं, बल्कि स्वर्ग से उतरी कोई वरदान हों। एक दिन, जब रामलाल अपने दफ्तर में बैठा चाय की चुस्कियाँ ले रहा था, तभी उसके सहकर्मी श्यामू ने कहा, रामलाल भाई, सुना है इस साल कई त्योहार संडे को पड़ रहे हैं।रामलाल के हाथ से चाय का कप लगभग छूट गया। उसने घबराते हुए पूछा, क्या? कौन-कौन से त्योहार? श्यामू ने मुस्कुराते हुए कहा, गणतंत्र दिवस, गुड़ी पड़वा, राम नवमी... और भी कई हैं। रामलाल का चेहरा ऐसे लटक गया जैसे किसी बच्चे से उसकी पसंदीदा टॉफी छीन ली गई हो। उसने बड़बड़ाते हुए कहा, ये तो सरासर नाइंसाफी है। त्योहारों का काम ही है हमें अतिरिक्त छुट्टी देना, और ये संडे को पड़कर हमारी छुट्टी खा रहे हैं। उस शाम, रामलाल घर पहुंचा और कैलेंडर लेकर बैठ गया। उसने देखा कि वाकई इस साल कई प्रमुख त्योहार संडे को पड़ रहे हैं। उसने सोचा, ये तो वही बात हो गई कि ऊपर से कुर्सी खींच ली जाए। अगले दिन, दफ्तर में रामलाल ने अपने साथियों के साथ इस गंभीर समस्या पर चर्चा की। सबने मिलकर तय किया कि वे बॉस से मिलकर अतिरिक्त छुट्टियों की मांग करेंगे। बॉस, जो खुद भी छुट्टियों के शौकीन थे, ने उनकी बात सुनी और कहा, ₹देखो भाई, त्योहारों की तारीखें तो हम नहीं बदल सकते। लेकिन हम एक प्रस्ताव सरकार को भेज सकते हैं कि जब भी कोई त्योहार संडे को पड़े, तो सोमवार को छुट्टी दी जाए।रामलाल और उसके साथियों की आंखों में उम्मीद की किरण जगी। उन्होंने तुरंत एक पत्र तैयार किया और सरकार को भेज दिया।कुछ हफ्तों बाद, सरकार की ओर से जवाब आया। पत्र में लिखा था, आपका प्रस्ताव प्राप्त हुआ। सरकार ने इस पर गंभीरता से विचार किया और निर्णय लिया है कि भविष्य में कोई भी त्योहार संडे को नहीं पड़ेगा। इसके लिए एक विशेष समिति बनाई जाएगी जो त्योहारों की तारीखें निर्धारित करेगी, ताकि वे हमेशा वीकेंड में ही पड़ें। रामलाल और उसके साथियों ने राहत की सांस ली। उन्हें लगा कि उनकी मेहनत रंग लाई। लेकिन, जैसा कि होता है, सरकार की विशेष समिति ने काम शुरू किया। उन्होंने पंचांग, खगोल विज्ञान, और न जाने किन-किन विद्वानों से परामर्श किया। अंततः उन्होंने निर्णय लिया कि सभी त्योहारों की तारीखें बदल दी जाएं, ताकि वे कभी भी संडे को न पड़ें। परिणामस्वरूप, अगले साल दिवाली बुधवार को, होली गुरुवार को, और ईद शुक्रवार को पड़ने लगी। रामलाल और उसके साथी खुश थे कि अब उन्हें अतिरिक्त छुट्टियाँ मिलेंगी। लेकिन, जैसा कि किस्मत को मंजूर था, सरकार ने एक नया फरमान जारी किया। उन्होंने कहा, चूंकि अब त्योहारों की तारीखें बदल दी गई हैं, इसलिए सरकारी कर्मचारियों को अब केवल उन्हीं त्योहारों पर छुट्टी मिलेगी जो उनके व्यक्तिगत धर्म से संबंधित हैं।

फाल्गुन पूर्णिमा पर पूजा-पाठ के साथ ही बालगोपाल, श्रीनाथ जी के लिए सजाएं हिंडोला

भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ें-सुनें

फाल्गुन पूर्णिमा यानी होलिका दहन गुरुवार,13 मार्च को है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप बोल गोपाल, श्रीनाथ, भगवान विष्णु-महालक्ष्मी का विशेष अभिषेक करना चाहिए। पूर्णिमा पर भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़नी-सुननी चाहिए। फाल्गुन पूर्णिमा की रात होलिका दहन किया जाता है। शिवलिंग का रुद्राभिषेक भी किया जाता है। इस दिन नदी स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व है।

फाल्गुन पूर्णिमा पर हिंडोला दर्शन की परंपरा

शास्त्रों में फाल्गुन पूर्णिमा पर हिंडोला दर्शन का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि जो भक्त इस दिन श्रद्धा से हिंडोला दर्शन करते हैं, उनकी सभी इच्छाएं भगवान पूरी करते हैं।

इस संबंध में शास्त्रों में लिखा है कि-

फाल्गुनस्य तु राकायां मण्डयेद्दोलमण्डपम।
पश्चातसिंहासनं पुष्पैर्नूतनैर्वस्त्रचित्रकैः।।

अर्थ - फाल्गुन पूर्णिमा की रात, सुंदर फूलों से सजे झूले में भगवान को विराजित किया जाता है और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उत्सव मनाया जाता है।

ऐसे बना सकते हैं हिंडोला

एक सुंदर झूला तैयार करें या बाजार से बाल गोपाल या श्रीनाथ जी के लिए झूला खरीदें।

झूले को सुंदर फूलों से सजाएं।

बाल गोपाल के लिए झूले में एक विशेष आसन बनाएं।

भगवान का अभिषेक कराकर उन्हें चमकीले लाल-पीले वस्त्र पहनाएं।

ऊँ कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें और भगवान को पुष्प अर्पित करें।

माखन-मिश्री का भोग तुलसी के पत्तों के साथ लगाएं।

भगवान को झूले में विराजित कर, धूप-दीप जलाकर उनकी आरती करें।

पूजा के अंत में जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें।

फाल्गुन पूर्णिमा पर पितरों के लिए श्राद्ध कर्म

इस दिन पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और धूप-ध्यान करने की परंपरा भी है। माना जाता है कि इस तिथि पर किए गए इन कर्मों से पितर देवता अत्यंत प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पौराणिक कथा है कि नारद जी के कहने पर युधिष्ठिर ने फाल्गुन पूर्णिमा पर कई बंदियों को अभयदान दिया था। बंदियों को मुक्त करने के बाद होलिका दहन का आयोजन किया गया और कंडे जलाकर होली मनाई गई।

होलिका दहन की पवित्र अग्नि में नकारात्मक ऊर्जा का नाश कर, हिंडोला दर्शन से जीवन में आनंद और समृद्धि आती है।

मंत्र और साधना क्यों रखनी चाहिए गुप्त

प्रिय से प्रिय व्यक्ति को भी न बताएं यह भेद

ज्यादातर लोगों को यह पता है कि गुरु मंत्र गुप्त रखना चाहिए, किसी को नहीं बताना चाहिए, परन्तु कोशिश करनी चाहिए कि न केवल गुरु मंत्र बल्कि अपनी दैनिक साधना अथवा कोई भी मंत्र या उपाय दूसरों को बताने से परहेज करना चाहिए। इसका कारण जानकर आप आश्चर्यचकित हो जाएेंगे, कारण यह हैं कि कोई उसे गलत बतायेगा, कोई उसमें अपनी बुद्धि के अनुसार कमियां बतायेगा, कोई संशोधन पेश करेगा और इन सबसे उत्पन्न होने वाली कल्पित बाधाओं तथा दुष्परिणामों का भय दिखाकर आपकी श्रद्धा, आपके विश्वास को हिलाने का प्रयत्न करेगा। इसलिये धर्मशास्त्रों में यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि 'फुरै मन्त्र जो करे दुराऊ'। 'फुरै मन्त्र जो करे दुराऊ' वाली उक्ति के अनुसार मन्त्र तभी तक फलदायक होता है जब तक उसको दूसरों से छिपाया जाए और किसी को न बताया न जाए। ऐसा माना जाता है कि दूसरों को बताने से उसकी शक्ति नष्ट या कम हो जाती है।

मंत्र जप में सावधानियां

जैसा कि बताया गया है कि सबसे प्रथम यह सावधानी रखनी चाहिए कि अपने मन्त्र तथा साधन को हमेशा गुप्त रखें।

मंत्र द्वारा विशेष लाभ के लिए उस मंत्र को याद कर लेना चाहिए यानि कि कण्ठस्थ करना चाहिए। कहीं कागज पर अथवा किताब में लिखे मंत्र को पढ़कर जपने से ज्यादा प्रभावशाली वह मंत्र तब होता है जब वह साधक के कण्ठ में विराजमान हो जाए, इसलिए शीघ्र सफलता और सिद्धि के लिए मन्त्र का जाप कण्ठ से करना चाहिए।

साधना या मंत्र जप ऐसे स्थान में करें, जहां बाहर का व्यक्ति सुनने वाला न हो।

यदि आपने अपने घर में कोई पूजा स्थान बनाया हुआ है तो वहां कीजिये और कर सको तो दरवाजा आदि बन्द करके केवल इतनी ऊँची आवाज में कीजिये कि घर के अन्य लोग ध्वनि तो सुनें परन्तु मन्त्र को सुन समझ न सकें।

मन्त्र साधना करते समय चित में चिन्ता या उद्वेग न हो और हो तो उसे कुछ देर के लिए दूर करने का प्रयत्न करें।

आज भगवान नरसिंह का व्रत इन लोगों को जरूर करना चाहिए

हिंदू धर्म में नरसिंह द्वादशी के व्रत का विशेष महत्व है। भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार को यह व्रत समर्पित है, जिसे होली के तीन दिन पहले रखा जाता है। होली से दो-तीन दिन पहले नरसिंह द्वादशी का व्रत रखना बेहद शुभ फलदायक माना जाता है। यह व्रत उन्हें जरूर करना चाहिए जो अज्ञात भय, घर के क्लेश, शत्रु से पीड़ित हैं। 2025 में नरसिंह द्वादशी कब है और इस दिन व्रत रखने से कैसा फल व्यक्ति को मिलता है?

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि 10 मार्च को सुबह 7 बजकर 47 मिनट पर शुरू हो चुकी है। द्वादशी तिथि का समापन 11 मार्च की शाम को 8 बजकर 16 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि की मान्यता के अनुसार 11 मार्च को नरसिंह द्वादशी का व्रत रखना शुभ माना जाएगा। इस दिन आपको किस विधि से नरसिंह भगवान की पूजा करनी चाहिए, आइए जानते हैं।

नरसिंह द्वादशी धार्मिक महत्व

मान्यता है कि अगर नरसिंह द्वादशी का व्रत रखें तो साधक पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। व्रत करने से व्यक्ति के पाप कटते हैं और भय का नाश होता है। नरसिंह द्वादशी का व्रत रखने से व्यक्ति मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। माना जाता है कि व्रत रखने वाले भक्त की रक्षा स्वयं भगवान नरसिंह करते हैं, वैसे ही जैसे उन्होंने भक्त प्रहलाद की रक्षा की थी। भगवान नरसिंह की पूजा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा फैलती है और शत्रुओं का नाश होता है।

नरसिंह द्वादशी की पूजा विधि

नरसिंह द्वादशी पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें और स्नान कर स्वच्छ पीले वस्त्र धारण कर लें। घर के पूजा स्थल को साफ कर लें और भगवान नरसिंह की प्रतिमा या चित्र को स्थापित कर विधिपूर्वक पूजा शुरू करें। पूजा में भगवान को फूल, फल, मिष्ठान और पंचामृत आदि अर्पित करें। फिर पूर्व या उत्तर दिशा में अपना मुख पूजा करें और भगवान के प्रति पूरी श्रद्धा रखें। इसके बाद विष्णु सहस्त्रनाम, नरसिंह स्तोत्र के साथ ही भगवान विष्णु की आरती कर पूजा को पूरा करें। भगवान को अर्पित किए भोग को परिवार में बांटें।

यूपी के इस मंदिर में माता ने दिखाया ऐसा चमत्कार, हर कोई है हैरान

चोर ने शीतला मंदिर से मूर्ति और आभूषण चोरी किए। माता की चमत्कारी शक्तियों से परेशान होकर चोर पुलिस के पास पहुंचा। मां शीतला के चमत्कार से लोग हैरान, मंदिर पर आस्था बढ़ी।

उत्तर प्रदेश में कई मंदिर हैं और हर मंदिर की एक अलग ही विशेषता है। कोई मंदिर मन्नत पूरी होने तो कोई मंदिर प्रेम प्रतीक होता है, तो कोई मंदिर किसी अलग ही पहचान के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा ही एक मंदिर है उत्तर प्रदेश की पूर्वांचल में मऊ जिले में शीतला माता का मंदिर, जो लोगों की आस्था से जुड़ा है। यह पूर्वांचल का सबसे फेमस मंदिर माना जाता है। जहां हर किसी की मुराद पूरी होती है। शीतला माता का यह मंदिर अपनी चमत्कारी शक्तियों के लिए जाना जाता है। इस मंदिर में कोई कभी अनर्थ कार्य नहीं कर सकता है।

ऐसा ही एक ताजा मामला फिर सामने आया है। जिसमें एक चोर को माता की शक्तियों का आभास हुआ। लगभग तीन दिन पहले एक चोर ने इस मंदिर से मूर्ति और आभूषण चोरी कर लिए। लेकिन माता की चमत्कारी शक्तियों के प्रकोप से परेशान होकर चोर इन चीजों को लेकर खुद ही पुलिस के पास पहुंच गया। माता का ऐसा चमत्कार देख सब लोग हैरान हैं। क्योंकि चोरी करने वाले चोर दीपक राय ने कहा कि हम यह चोरी का सामान लेकर आगे जा ही नहीं पा रहे थे। जब से यह सामान लेकर हम निकले तब से पूरी तरह से परेशान हो गए और आंखों के सामने अंधेरा होने लगा सिर्फ और सिर्फ मां शीतला जी सामने दिखाई देती थी। फिर वह परेशान होकर सभी चोरी किए गए आभूषणों और मूर्तियों को लेकर पुलिस के पास पहुंच गया। इस बात को सुन पुलिस भी हैरान है।

एडिशनल एसपी महेश सिंह अत्री बताते हैं कि मां शीतला की कृपा से चोर खुद पुलिस के गिरफ्त में आ गया। जबकि यह चोर एक नेशनल खिलाड़ी है और वह बतता है कि चोरी तो हमने कर ली, लेकिन सामान लेकर भाग नहीं पाए। क्योंकि माता की शक्तियों के प्रभाव से हम खुद आपके पास चले आए। क्योंकि हमें आगे और कहीं जाने का रास्ता नहीं दिखाई दे रहा था। मां शीतला के इस चमत्कार को देख पूरे लोग हैरान हैं और माता के मंदिर पर आस्था का उमड़ रहा है। लोगों का कहना है कि मां शीतला जी में आज भी इतनी शक्ति है कि उनके दरबार से कोई अनर्थ कार्य करके नहीं जा सकता है। यहां हर किसी की मुराद पूरी होती है।

होली पर साल के पहले चंद्र ग्रहण का साया, राशि अनुसार उपाय करने से दूर होंगे सभी दोष, बढ़ेगी धन-दौलत

फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होलिका दहन का पर्व मनाया जाएगा तो प्रतिपदा तिथि को धुलंडी यानी रंगों वाली होली खेली जाएगी। इस पर्व की भारत समेत पूरी दुनिया में अलग ही रौनक देखने को मिलती है। इस बार होली पर साल का पहला चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है, हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा लेकिन ग्रहण का प्रभाव मेष से मीन तक सभी 12 राशियों पर पड़ेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंद्र ग्रहण के नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए होली के दिन राशि अनुसार उपाय किए जाएं तो पितृ दोष, ग्रह दोष, ग्रहण दोष समेत कई दोष दूर होंगे और जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहेगी। आइए जानते हैं होली पर लग रहे चंद्र ग्रहण के नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए राशि अनुसार कौन से उपाय करें...

मेष और वृश्चिक राशि

मेष और वृश्चिक राशियों के स्वामी मंगल ग्रह हैं इसलिए इन राशि वाले ग्रहण के बाद मसूर दाल, सौंफ, गेंहू, गुड़, माचिस, तांबा आदि चीजों का दान करें। साथ ही भगवान कृष्ण को सबसे पहले रंग लगाएं और देसी घी से बनी मिठाई का भोग भी लगाएं।

वृषभ और तुला राशि

वृषभ और तुला राशि के स्वामी शुक्र ग्रह हैं इसलिए इन राशि वाले चंद्र ग्रहण के बाद सफेद चीजें जैसे – सफेद चंदन, चीनी, दूध, दही, चावल सफेद मिठाई आदि का दान करें। साथ ही सबसे पहले रंग भगवान कृष्ण और राधा रानी को लगाएं और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः' मंत्र का सुबह-शाम जप करें।

मिथुन और कन्या राशि

मिथुन और कन्या राशि के स्वामी ग्रहों के राजकुमार बुध ग्रह हैं इसलिए इन राशियों के जातक ग्रहण के बाद हरे फल, हरा कपड़ा आदि चीजों का दान करें और गाय को हरी घास भी खिलाएं। साथ ही होली के दिन पीले रंग से होली खेलें और भगवान कृष्ण और राधा रानी को केसर का तिलक लगाएं।

कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं और होली पर चंद्रमा पर ही ग्रहण लगने जा रहा है। इसलिए कर्क राशि वाले होली वाले दिन चांदी की कोई चीज जैसे चेन, अंगूठी आदि चीज धारण करें और ग्रहण के बाद दूध, चावल, मोती, चांदी, सफेद वस्त्र, दही आदि चीजों का दान अवश्य करें। साथ ही भगवान कृष्ण को होली वाले दिन माखन का भोग लगाएं।

सिंह राशि

सिंह राशि के स्वामी ग्रहों के राजा सूर्यदेव हैं इसलिए होली पर सिंह राशि वाले चंद्र ग्रहण के बाद अनाज, गुड़, पीतल, केले, दूध, फल, दाल, लाल फूल, लाल कपड़ा आदि चीजों का दान करें। साथ ही लाल रंग से होली खेलें और सबसे पहले लाल रंग राधा रानी और भगवान कृष्ण को लगाएं और उनसे प्रार्थना भी करें।

धनु और मीन राशि

धनु और मीन राशि के स्वामी देवताओं के गुरु बृहस्पति हैं इसलिए इन राशि के जातक चंद्र ग्रहण के बाद पीली वस्तु जैसे पीले फल, केले, हल्दी, पीले वस्त्र आदि चीजों का दान करें। साथ ही गाय की सेवा करें और और पीले रंग से होली खेलें। ध्यान रखें कि सबसे पहले माता-पिता के चरणों पर रंग लगाएं।

मकर और कुंभ राशि

मकर और कुंभ राशि के स्वामी न्याय के देवता शनि देव हैं इसलिए इन राशि वाले चंद्र ग्रहण के बाद काले वस्त्र, लोहे की वस्तुएं, सरसों का तेल और काले चने या उड़द की दाल आदि चीजों का दान करें। साथ ही आप नीले रंग से होली खेलें और पीपल के पेड़ की पूजा भी करें।

भारत की जीत पर अभिनेता ने की केएल राहुल की तारीफ यूजर बोला- 'आपका दामाद सोना है शेट्टी साहब'

बीते रविवार को भारत ने न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इसे लेकर कई सेलेब्स टीम इंडिया को बधाई दे रहे हैं। दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी ने टीम इंडिया को बधाई दी, जिसमें उन्होंने अपने दामाद के एल राहुल के बारे में खास संदेश लिखा है। इस पर नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। आइए जानते हैं कि नेटिंजंस ने क्या कमेंट किए।

के एल राहुल की कमान

नौ मार्च को भारत ने रोहित शर्मा का कप्तानी में आइसीसी चैंपियंस की ट्रॉफी अपने नाम की। इस पर सेलेब्स द्वारा भारतीय टीम को बधाई संदेश भेजने का तांता लग गया। अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने दामाद के एल राहुल की जीत के दैरान की एक तस्वीर लगाई। साथ ही उसके कैप्शन में ट्वीट किया कि भारत की शुभकामनाएं और राहुल की कमान। आपको बताते चलें कि अभिनेता की बेटी आथिया शेट्टी, के एल राहुल की पत्नी हैं। राहुल की सधी हुई पारी ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

आपका दामाद सोना है शेट्टी साहब

एक्स पर इस ट्वीट के बाद नेटिजंस की शानदार प्रतिक्रियाएं आने लगी। एक यूजर ने हंसते हुए लिखा कि ससुर हो तो ऐसा, इतना सपोर्ट तो मेरा बाप भी ना करे। दूसरे यूजर ने लिखा कि आपका दामाद सोना है शेट्टी साहब। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि आपके दामाद ने अच्छा खेला है अन्ना।

सुनील शेट्टी का वर्कफ्रंट

सुनील शेट्टी फिल्म 'हेरा फेरी 3' में काम करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं, यह उनकी आगामी फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। फिल्म के बारे में निर्माता ने इसकी घोषणा अपने जन्मदिन पर का थी।

श्रीदेवी की मॉम फिल्म का सीक्वेल बनाएंगे बोनी कपूर, खुशी निभाएंगी मुख्य भूमिका !

'मिस्टर इंडिया' और 'नो एंट्री' जैसी फिल्मों को बनाने वाले निर्माता बोनी कपूर अब अपनी बेटी खुशी कपूर को लेकर एक फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं। सबसे खास बात ये फिल्म खुशी की मां और एक्ट्रेस श्रीदेवी की अंतिम फिल्म 'मॉम' का सीक्वेल हो सकती है। इस बात की जानकारी खुद बोनी कपूर ने दी।

'नो एंट्री' के बाद खुशी के साथ फिल्म बनाएंगे बोनी

आईफा अवॉर्ड्स के दौरान मीडिया से बात करते हुए अपनी बेटियों खुशी और जान्हवी के लिए प्यार लुटाते हुए बोनी कपूर ने ये साझा किया कि वो अपनी अगली फिल्म में वो बेटी खुशी कपूर को ले सकते हैं। उन्होंने कहा, "मैंने खुशी की 'आर्चीज' से लेकर 'लवयापा' और 'नादानियां' सभी फिल्में देखी हैं। मैं 'नो एंट्री' के बाद खुशी के साथ फिल्म बनाने की योजना बना रहा हूं। यह फिल्म 'मॉम 2' भी हो सकती है। खुशी अपनी मां के नक्शेकदम पर चलने की कोशिश कर रही हैं। उनकी मां फिल्मों की एक टॉप एक्ट्रेस थीं। मुझे उम्मीद है कि जाह्नवी और खुशी भी इसी तरह की सफलता हासिल कर पाएंगी।

'मॉम' के लिए श्रीदेवी को मिला था नेशनल अवॉर्ड

2017 में आई श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' उनकी अंतिम फिल्म थी। इस फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया था और इसके निर्माता बोनी कपूर थे। फिल्म में शानदार अभिनय के लिए श्रीदेवी को मर्णोपरांत बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

जुलाई-अगस्त में आ सकता है नो एंट्री का सीक्वेल

बोनी कपूर इन दिनों 2005 में आई हिट कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' के सीक्वेल का निर्माण कर रहे हैं। इस फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए बोनी ने कहा, "नो एंट्री जुलाई-अगस्त में किसी समय आएगी। इसमें बहुत सी अभिनेत्रियां मुख्य भूमिका में हैं। इसलिए मैं अभी कुछ के बारे में बात नहीं कर सकता। हमने अभी कुछ को तय कर लिया है और कुछ और को तय करना है। तय होने के बाद, औपचारिक घोषणा की जाएगी।

क्या पावर स्टार पवन कल्याण और चिरंजीवी में हो सकती है टक्कर?

पावर स्टार पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। अभिनेता इस फिल्म की जल्द से जल्द शूटिंग खत्म कर रिलीज की योजना बना रहे हैं। क्या 'विश्वंभरा' देगी इसे टक्कर? आइए जानते हैं पूरी खबर।

शूटिंग के लिए तैयार पवन कल्याण

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार पवन कल्याण अपनी आगामी फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' की शूटिंग के लिए तैयार हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के अनुसार ये चर्चा है कि 15 मार्च के बाद अभिनेता फिल्म की बची हुई शूटिंग शुरु कर सकते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि फिल्म निर्माता इसकी शूटिंग जल्दी पूरी करना चाह रहे हैं। साथ ही इसे जल्द रिलीज करने की योजना है।

चिरंजीवी अभिनीत फिल्म 'विश्वंभरा' और पवन कल्याण की फिल्म की तारीखें टकरा सकती हैं। हालांकि, अभी तक इन दोनों फिल्मों के रिलीज की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगर 'हरि हर वीरा मल्लू' फिल्म की तारीख तय होती हैं, तो 'विश्वंभरा' की डेट आगे बढ़ सकती है। लोगों को फिल्म के आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

फिल्म की कहानी और कलाकार

'हरि हर वीरा मल्लू' की कहानी के बात करें तो यह फिल्म साम्राज्यवादियों के खिलाफ आजादी के लिए एक योद्धा के संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, पवन 17वीं शताब्दी की पृष्ठभूमि पर आधारित कहानी के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करेंगे। निधि अग्रवाल जहां पवन के विपरीत अभिनय कर रही हैं, वहीं बॉबी देवोल खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

ज्योतिकृष्ण द्वारा निर्देशित यह फिल्म मेगा सूर्या प्रोडक्शंस के बैनर तले ए. दयाकर राव द्वारा निर्मित और ए. एम. रत्नम द्वारा प्रस्तुत की गई है, लेकिन पहले इस फिल्म को कुछ हद तक कृष जगरलामुडी ने निर्देशित किया था। इस फिल्म के लिए एमएम कीरवानी संगीत दे रहे हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म इस साल 9 मई 2025 को रिलीज हो सकती है। तारीख की अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

भारती सिंह ने कह दिया कुछ ऐसा कि नाराज हो गए अभिषेक कुमार, ले लिया शो छोड़ने का फैसला

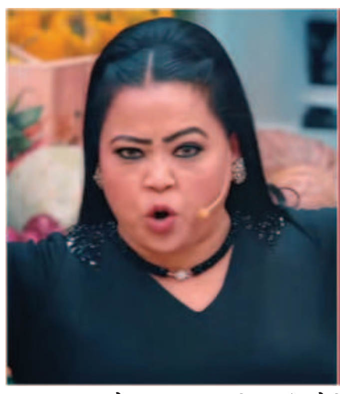

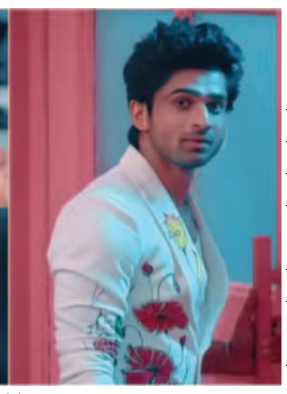

'लाफ्टर शेफ 2' यह कुकिंग एंटरटेनिंग रियिलिटी शो है। कई चर्चित फिल्म सेलिब्रिटी इसका हिस्सा हैं। हाल ही में इसका नया प्रोमो आया है। इसमें भारती सिंह कुछ ऐसा बोलती दिखी हैं कि अभिषेक कुमार अपसेट हो गए। इतना ही नहीं, प्रोमों में देखा जा सकता है कि अभिषेक शो छोड़कर जाते हुए नजर आते हैं। आखिर भारती ने ऐसा क्या कहा? जानिए

भारती ने अभिषेक को दिखाया बाहर का रास्ता

आज सोमवार को कलर्स टीवी के इंस्टाग्राम अकाउंट से 'लाफ्टर शेफ 2' का नया प्रोमो जारी हुआ है। इसमें भारती सिंह एलान करती हैं कि वे सभी जोड़ियों को तोड़ देंगी। इसके बाद सभी टेंशन में आ जाते हैं। अभिषेक कुमार फटाफट से खड़े होते हैं और रुबीना दिलैक के बराबर में जाकर खड़े हो जाते हैं और कहते हैं, 'रुबीना जी के साथ बना दो मेरी जोड़ी'।

कृष्णा अभिषेक बोले- 'बिल्कुल याद नहीं आएगा'

इसके बाद भारती एलान करती हैं कि रुबीना के पार्टनर एल्विश यादव हैं। इसके बाद अभिषेक कुमार काफी निराश नजर आए हैं। अपसेट होकर वे एक्जिट गेट की तरफ बढ़ने लगते हैं। गेट की ओर इशारा करते हुए अभिषेक से भारती कहती हैं, 'वो दरवाजा है बाहर जाने का'। तभी कृष्णा अभिषेक ने कहा 'अभिषेक जा रहा है, बिल्कुल याद नहीं आएगा'। कृष्णा का यह कमेंट अभिषेक को और भी हैरान कर देता है।

कब और कहां देखें शो?

इस प्रोमो के साथ कैप्शन लिखा है, 'जोड़ी स्वैप में जब नहीं मिली अभिषेक को रूबीना, तब हो गया उसका दिल चकनाचूर।'

लाफ्टर शेफ सीजन 2 के एपिसोड हर शनिवार और रविवार रात साढ़े नौ बजे कलर्स टीवी पर प्रसारित होते हैं। फिलहाल इस प्रोमो पर यूजर्स के कमेंट आ रहे हैं। लोग अभिषेक कुमार की तरफदारी कर रहे हैं। एक ने लिखा, 'अभिषेक के साथ रुबीना को रखना चाहिए था'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'अभिषेक किसी बच्चे की तरह रहो रहे हैं। अरे रूबीना के साथ बना देते उसकी जोड़ी'।

एक्टर्स की बढ़ती फीस पर सुभाष घई ने कसा तंज

आज स्टार्स लगभग 70 प्रतिशत घर ले जा रहे हैं

'कर्मा', 'राम लखन', 'खलनायक', 'परदेस' और 'ताल' जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन कर चुके सुभाष घई इस समय सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल, इस समय बॉलीवुड में स्टार्स की फीस और उनकी टीम को मैनेज करने पर आने वाले खर्चे को लेकर एक बहस छिड़ी हुई है, जिस पर अभी तक कई जानी-मानी हस्तियां अपना रिएक्शन दे चुकी हैं और अब सुभाष घई ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की है। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आज निर्माता बनने वाले कई अभिनेताओं को फिल्म निर्माण की कला और बिजनेस दोनों की समझ नहीं है।

सुभाष घई ने जाहिर की नाराजगी

सुभाष घई ने कोमल नहाटा से बात करते हुए कहा, 'जब एक फिल्म जो 100 रुपये की बन सकती है, उसको आप 1000 रुपये में बनाना चाहते हैं, तो याद रखिए कि कई लोग बचे हुए 900 रुपये से पैसा निकालने के लिए उत्सुक होंगे। आज कई विभाग हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना एजेंडा है। हालांकि, एक भी व्यक्ति सहमत बजट के अंदर प्रोजेक्ट को पूरा करने के लक्ष्य के साथ काम नहीं कर रहा है। पहले हमारा विजन छोटी लेकिन अच्छी फिल्में बनाना था।'

इसके आगे उन्होंने कहा कि हमने कभी भी सितारों को फिल्म के बजट के 10-15 प्रतिशत से ज्यादा पैसे नहीं दिए, लेकिन आज स्टार्स लगभग 70 प्रतिशत घर ले जा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह चलन फिल्म निर्माताओं द्वारा नहीं, बल्कि फिल्म निर्माण में शामिल कॉर्पोरेट फर्मों द्वारा शुरू किया गया था। उन्हें ये आंकड़े स्टॉक एक्सचेंज और अपनी बैलेंस शीट में दिखाने होते हैं।

फिर सुभाष घई ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी मुक्ता आर्ट्स शुरू करने के पीछे के उद्देश्य को समझाते हुए कहा, "मैंने अनुशासन लाने के लिए इसे शुरू किया था। हमने 43 फिल्में बनाई और एक भी फिल्म बजट से ज्यादा नहीं चली। हमने उन सभी पर मुनाफा भी कमाया, क्योंकि हमने फाइनेंशियल डिसिप्लिन बनाए रखा। पहले हम फिल्मों को भगवान की तरह मानते थे और हम निर्माता सिर्फ इंसान थे। हम तभी भगवान बनते हैं, जब हमारी फिल्में सफल होती हैं। अब, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई फिल्म सफल होती है या नहीं। यह किसी और की है और स्टूडियो में बैठे लोग बस आपस में पैसे कमा रहे हैं।"

चिरंजीवी ने महिला दिवस पर श्रीलीला को दिया खास तोहफा, अभिनेत्री ने व्यक्त किया आभार

साउथ सिनेमा में मेगास्टार के नाम से मशहूर चिरंजीवी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'विश्वम्भरा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह एक भव्य सामाजिक-फैंटसी ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन मल्लीदी वशिष्ठ कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हाल ही में एक खास पल आया जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन सेट पर अभिनेत्री श्रीलीला के पहुंचने पर उनका खास अंदाज में स्वागत किया गया।

चिरंजीवी ने खास अंदाज में किया श्रीलीला का स्वागत

चिरंजीवी ने श्रीलीला का सेट पर बेहद गर्मजोशी और स्नेह के साथ स्वागत किया। दोनों के बीच थोड़ी देर तक बातचीत हुई। इस मुलाकात को और यादगार बनाते हुए चिरंजीवी ने श्रीलीला को एक खास तोहफा भेंट किया।

अभिनेत्री को दिया उपहार

अभिनेता ने उन्हें एक खूबसूरती से तराशा गया शंख भेट किया, जिस पर देवी दुर्गा की छवि थी। चिरंजीवी के इस प्यार भरे तोहफे ने श्रीलीला का दिल जीत लिया। इस खास पल को श्रीलीला ने एक शानदार सेल्फी के जरिए कैद किया। फोटो में वह मेगास्टार के साथ मुस्कुराती नजर आईं।

श्रीलीला ने व्यक्त किया आभार

श्रीलीला ने बाद में सोशल मीडिया के जरिए चिरंजीवी का आभार जताया। उन्होंने मेगास्टार की मेहमाननवाजी, खास तोहफे और उनकी ओर से आयोजित स्वादिष्ट भोज की जमकर तारीफ की।

इस फिल्म में जल्द दिखेंगी श्रीलीला

वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रीलीला इन दिनों अपनी नई फिल्म 'रॉबिनहुड' की रिलीज की तैयारी में जुटी हैं। इस फिल्म का निर्देशन वेंकी कुदुमुला ने किया है। इसमें अभिनेता नितिन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 28 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। श्रीलीला की यह फिल्म उनके फैंस के बीच काफी चर्चा में है। सभी को उनके नए अवतार को देखने का बेसब्री से इंतजार है।

जाकिर हुसैन की 74वीं जयंती पर भावुक हुए शंकर महादेवन, लिखा दिल छू लेने वाला नोट

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार और गायक शंकर महादेवन ने दिवंगत तबला वादक जाकिर हुसैन को उनकी 74वीं जयंती पर याद करते हुए उनके साथ एक तस्वीर साझा की है। जाकिर हुसैनी की जयंती रविवार 9 मार्च को थी, लेकिन शंकर महादेवन ने सोमवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जाकिर हुसैन के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें अपने मार्गदर्शक, संरक्षक और गुरु के रूप में याद किया है।

आप हमेशा हमारे साथ हैं

इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए शंकर महादेवन ने लिखा, "मेरे सबसे प्यारे गुरु और मार्गदर्शक को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमें हमेशा आशीर्वाद देते रहें। आप हमेशा, हर समय, हर जगह हमारे साथ हैं। संगीत के हर एक सुर में आपको याद करता हूं। लव यू जाकिर भाई।"

73 वर्ष की उम्र में हुआ था निधन

मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन का पिछले वर्ष 15 दिसंबर को 73 वर्ष की उम्र में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में फेफड़ों की बीमारी के कारण निधन हो गया था। उनकी मौत की पुष्टि उनके परिवार की ओर से की गई थी।

छह दशक के करियर में जीते चार ग्रैमी अवॉर्ड

जाकिर हुसैन विश्व के सबसे प्रसिद्ध तबला वादकों में से एक थे। उन्हें कई सम्मानों से भी सम्मानित किया गया। उन्हें 1988 में पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अपने छह दशकों के करियर में चार ग्रैमी पुरस्कार भी जीते। अपना पहला ग्रैमी अवॉर्ड उन्होंने 2009 में जीता था। इसके बाद 2024 के 66वें ग्रैमी अवॉर्ड में उन्होंने 3 अलग-अलग एल्बम के लिए 3 ग्रैमी पुरस्कार जीते थे।

बॉलीवुड के चुनिंदा गायक-संगीतकार हैं शंकर महादेवन

शंकर महादेवन की बात करें तो 'दिल चाहता है' और 'कल हो न हो' जैसी फिल्मों में संगीत देने वाले शंकर महादेवन की गिनती भारत के बड़े संगीतकारों में होती है। शंकर महादेवन संगीतकार के साथ-साथ एक गायक भी हैं और उन्होंने 'मितवा' समेत बॉलीवुड के कई गीत गाए हैं।

लीक से बचने के लिए सतर्क हुए निर्माता, शूटिंग सेट पर तीन परत की सुरक्षा व्यवस्था लागू

एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसएसएमबी 29' इन दिनों सुर्खियों में है, लेकिन इसके सुर्खियों में रहने वाली वजह हैरान करने वाली है। इस फिल्म के सेट से लगातार तस्वीरें और वीडियो लीक हो रहे हैं, जिससे निर्माताओं की चिंता बढ़ गई है। सुपरस्टार महेश बाबू के साथ बन रही इस फिल्म को गोपनीय रखने की हर कोशिश के बावजूद सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़े कई फोटो और वीडियो अब तक सामने आ चुके हैं।

लीक वीडियो ने मचाई हलचल

हाल ही में एक वीडियो लीक हुआ, जिसमें महेश बाबू को एक एक्शन सीन फिल्माते नजर आ रहे थे। इस सीन में उन्हें किसी के द्वारा व्हीलचेयर पर बैठे एक किरदार की ओर धकेला जाता है, जिसके बारे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह पृथ्वीराज सुकुमारन हो सकते हैं। इसके बाद बंदूक की नोक पर उन्हें घुटनों पर बैठने को मजबूर किया जाता है। यह वीडियो किसी कार के अंदर से रिकॉर्ड किया गया लगता है, जिसने फैंस के बीच हलचल मचा दी है।

मेकर्स ने कड़ी की सुरक्षा

फिल्म की शूटिंग इस समय ओडिशा के खूबसूरत इलाकों में चल रही है, जिसमें कोरापुट का तालमाली हिलटॉप भी शामिल है। इन खुली जगहों पर शूटिंग के कारण बाहरी लोगों को रोकना मुश्किल हो रहा है। लीक को रोकने के लिए निर्माताओं ने अब तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने सख्त कदम उठाए हैं ताकि आगे ऐसी घटनाएं न हों। कोरापुट के मनोरम पहाड़ों और जंगलों के बीच चल रही इस शूटिंग को जिला प्रशासन भी पूरा सहयोग दे रहा है। हालांकि, खुले इलाकों में काम करने की वजह से चुनौतियां कम नहीं हैं।

कानूनी कार्रवाई की तैयारी

तस्वीरें और वीडियो लीक के मामले में अभी तक कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन फिल्म के निर्माता लीक को रोकने के लिए कानूनी रास्ता अपनाने पर विचार कर रहे हैं। 'एसएसएमबी 29' एक बड़े बजट वाली फिल्म है, जिसकी लागत करीब 1000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से है। वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ने की चाहत रखने वाली इस फिल्म के लिए गोपनीयता बहुत जरूरी है। लीक से कहानी और किरदारों के खुलासे का खतरा बना हुआ है, जो इसके रोमांच को कम कर सकता है।

दो हिस्सों में रिलीज होगी फिल्म

'एसएसएमबी 29' दो हिस्सों में रिलीज होने वाली है। पहला हिस्सा 2027 में और दूसरा 2029 में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 1800 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक थ्रिलर होगी, जिसमें 'इंडियाना जोन्स' सीरीज जैसी झलक देखने को मिल सकती है। चर्चा है कि महेश बाबू इसमें भगवान हनुमान से प्रेरित किरदार निभाएंगे। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे बड़े सितारे भी नजर आएंगे। इतने बड़े पैमाने पर बन रही इस फिल्म से फैंस को उम्मीदें आसमान छू रही हैं।

अच्छी नींद के लिए मेलाटोनिन क्यों जरूरी?

हेल्दी और स्वस्थ रहने के लिए अच्छी नींद लेना बेहद आवश्यक है, क्योंकि नींद में हमारे शरीर की कोशिकाएं रिपेयर होती हैं, लेकिन आजकल का लाइफस्टाइल और खानपान के चलते नींद भी प्रभावित हो रही है। जिसके चलते कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो रही हैं। अच्छी नींद के लिए मेलाटोनिन हार्मोन बहुत ही जरूरी है। मेलाटोनिन नींद के स्लीप पैटर्न को सही बनाए रखने में मदद करता है।

क्या है मेलाटोनिन हार्मोन?

लाटोनिन एक हार्मोन है, जो हमारे शरीर की नींद और जागने के चक्र को कंट्रोल करता है। इसे स्लीप हार्मोन भी कहा जाता है। यह हार्मोन दिमाग के पीनियल ग्लैंड द्वारा प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है, लेकिन खराब लाइफस्टाइल, स्क्रीन टाइम और स्ट्रेस के कारण इसका उत्पादन कम हो सकता है। शरीर में मेलाटोनिन का सही स्तर बेहतर नींद के लिए आवश्यक है। कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल से सीनियर डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर भावुक मित्तल ने बताया कि मेलाटोनिन और नींद के बीच क्या संबंध होता है। इसके अलावा मेलाटोनिन को कैसे बूस्ट किया जा सकता है।

अच्छी नींद के क्या फायदेमंद?

कामकाज और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के चलते नींद भी प्रभावित होती है। मेलाटोनिन शरीर की बॉडी क्लॉक को कंट्रोल करता है, जिससे रात में अच्छी नींद आती है। जिन लोगों को नींद की समस्या है उनके लिए मेलाटोनिन हार्मोन बहुत ही आवश्यक है।

तनाव को कम करे

मेलाटोनिन को नींद का हार्मोन भी कहा जाता है। यह ब्रेन के पीनियल ग्लैंड में बनता है। मेलाटोनिन एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। यह स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल को कम करके रिलैक्सेशन बढ़ाता है। मेलाटोनिन हार्मोन की कमी से स्ट्रेस भी बढ़ता है।

याददाशत बढ़ाने में मददगार

मेलाटोनिन हार्मोन दिमाग और मेमोरी को तेज करता है। दरअसल, अच्छी नींद दिमागी कार्यक्षमता को सुधारती है और मेलाटोनिन इसमें मदद करता है। यह न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों जैसे अल्जाइमर और पार्किंसंस से बचाने में सहायक है।

2050 तक 2.50 करोड़ लोग हो सकते हैं इस लाइलाज बीमारी का शिकार, इसमें कांपते रहते हैं हाथ-पैर

पिछले एक-दो दशकों में दुनियाभर में कई प्रकार की बीमारियों के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर जैसी बीमारियों की चर्चा तो हम सभी अक्सर करते रहते हैं पर क्या आप पार्किंसंस रोग के बारे में जानते हैं? पिछले 10-15 साल के आंकड़े उठाकर देखें तो पता चलता है कि ये बीमारी वैश्विक स्तर पर बड़ी संख्या में लोगों को अपना शिकार बनाती जा रही है।

तंत्रिका तंत्र में समस्या वाली ये बीमारी आपके क्वालिटी ऑफ लाइफ को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली हो सकती है। पार्किंसंस रोग में शरीर के अंगों विशेषकर हाथ-पैर में कंपन होते रहना बहुत आम है, ये दिक्कत लगातार बनी रहती है जिसके कारण रोजमर्रा के सामान्य काम काज में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है।

हाल ही में वैज्ञानिकों की टीम ने एक अध्ययन में इस रोग के बढ़ते जोखिमों को लेकर सभी लोगों को अलर्ट किया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि जिस गति से ये बीमारी बढ़ती जा रही है, ऐसे में आशंका है कि अगले 25 वर्षों में यानी कि साल 2050 तक दुनियाभर में ढाई करोड़ से अधिक लोग इसकी चपेट में आ सकते हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस रोग के लिए अब भी कोई इलाज उपलब्ध नहीं है।

बढ़ रहे हैं पार्किंसन रोगी

चीन स्थित कैपिटल मेडिकल यूनिवर्सिटी सहित कुछ अन्य शोधकर्ताओं ने हाल ही में चिंता जताई है कि साल 2021 की तुलना में 2050 में पार्किंसन रोगियों की संख्या में 112 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके कारण साल 2050 तक ढाई करोड़ से अधिक लोगों के इस रोग की चपेट में आने का डर है। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती जाती है इस रोग का खतरा भी बढ़ता जाता है।

दक्षिण एशिया में दो दशकों में अनुमानित रोगियों की संख्या 68 लाख हो सकती है। पार्किंसंस रोग भारत में भी बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करती है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में प्रति एक लाख लोगों में इसके 15 से 43 मरीज हो सकते हैं।

किन्हें इसका खतरा अधिक होता है?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि पुरुषों में इस बीमारी का जोखिम महिलाओं की तुलना में अधिक देखा जाता रहा है। पुरुषों और महिलाओं में पार्किंसन अनुपात 2021 में 1.46 था, जो 2050 तक 1.64 हो सकता है। आमतौर पर, यह 50 वर्ष या उससे अधिक उम्र में शुरू होता है। कुछ मामलों में देखा गया है कि पार्किंसंस रोग कम उम्र के वयस्कों में भी हो रहा है, लेकिन ऐसे मामले अब भी दुर्लभ हैं।

इसके अलावा अगर आप ऐसे काम करते हैं जिनमें विषाक्त पदार्थों, कीटनाशकों और रसायनों के लगातार संपर्क में रहना होता है तो इसके कारण भी पार्किंसंस रोग का जोखिम बढ़ सकता है।

इस बीमारी के बारे में जानिए

पार्किंसन बीमारी तंत्रिका तंत्र यानी नर्वस सिस्टम से जुड़ी बीमारी है। यह मस्तिष्क के उस हिस्से को प्रभावित करती है जहां से पूरे शरीर की गतिविधि नियंत्रित होती है। इस वजह से शरीर के अंगों में कंपकंपी और मांसपेशियों में जकड़न और रफ्तार धीमी हो जाती है। इसके साथ ही मरीज को सोचने, संतुलन बनाए रखने यानी चलने, खड़े होने, बात करने और बैठने में भी परेशानी होती है। हाथ व पैर के लगातार हिलते रहने के लिए खाना खाना भी कठिन हो सकता है।

हाथों के कांपते रहना सबसे आम समस्या

पार्किंसंस रोग के लक्षण हर किसी में अलग-अलग हो सकते हैं। शुरुआती लक्षण हल्के हो सकते हैं, और हो सकता है कि आपको उन पर ध्यान भी न जाए।

इसमें कंपन होते रहना बहुत आम है और ये आमतौर पर हाथों या उंगलियों में शुरू होता है। कभी-कभी ये पैर या जबड़े में भी हो सकता है।

अब भी नहीं है इसका कोई इलाज

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पार्किंसंस रोग को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसका कोई विशिष्ट उपचार भी नहीं है। कुछ दवाएं लक्षणों को नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं। कुछ लोगों को सर्जरी करवानी पड़ सकती है।

जीवनशैली में कुछ बदलाव आपके पार्किंसंस रोग के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने और खूब सारे तरल पदार्थ पीने से कब्ज को रोकने में मदद मिल सकती है।

ये गलतियां करते हैं तो आपकी भी किडनी हो सकती है खराब, करें बचाव

किडनी हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। ये रक्त को फिल्टर करके अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने, शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करती है। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के चलते शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग की सेहत पर गंभीर असर होता जा रहा है।

किडनी, हार्ट और लिवर की बीमारियां कुछ दशकों पहले तक उम्र बढ़ने के साथ देखी जाती थीं, हालांकि अब कम उम्र के लोग न सिर्फ इसका शिकार हो रहे हैं, बल्कि इसके कारण मौत के मामले भी बढ़े हैं।

किडनी डैमेज होने को जानलेवा स्थिति के रूप में जाना जाता है। जब किडनी ठीक से काम नहीं कर रही होती है तो शरीर में विषाक्त पदार्थ बढ़ने लग जाते हैं, खून में अशुद्धि बढ़ जाती है और ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो सकता है। अगर किडनी की इस समस्या का समय पर पता न चले या इलाज न हो पाए तो इसके कारण जान भी जा सकती है।

अब सवाल उठता है कि आखिर किडनी डैमेज क्यों होती है और इससे कैसे बचा जा सकता है?

क्रोनिक किडनी डिजीज का बढ़ता खतरा

साल 2022 के आंकड़ों के मुताबिक क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रही है, जो दुनियाभर में 10% से अधिक आबादी को प्रभावित करती है। पिछले दो दशकों में इससे संबंधित मौतों में भी उल्लेखनीय वृद्धि भी हुई है।

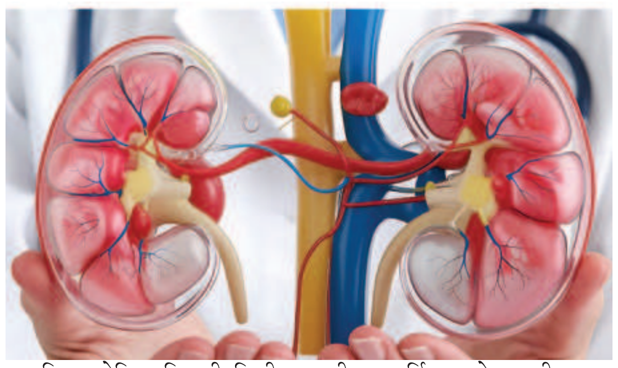

भारतीय आबादी के लिए भी ये समस्या गंभीर रही है। महाराष्ट्र में 2018 से 2023 के बीच किडनी फेलियर से होने वाली मौतें दोगुनी हो गईं, जबकि 2022 और 2023 के बीच मौतों में 40% की वृद्धि देखी गई। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के अलावा कुछ अंतर्निहित बीमारियां भी किडनी को गंभीर रूप से प्रभावित करती जा रही हैं।

ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीजों में खतरा

किडनी डैमेज होने के जोखिमों को बढ़ाने वाली स्थितियों में हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज प्रमुख है।

हाई ब्लड प्रेशर किडनी को रक्त की आपूर्ति करने वाली रक्त वाहिकाओं को संकीर्ण और कमजोर कर देती है। यह किडनी से अपशिष्ट को छानने और तरल पदार्थों को संतुलित रखने में दिक्कत बढ़ा देती है। समय रहते अगर इसपर ध्यान न दिया जाए तो इससे किडनी डैमैज होने का जोखिम बढ़ जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर के अलावा शुगर लेवल बढ़ने से भी किडनी को नुकसान पहुंचता है। हाई शुगर के कारण किडनी में रक्त वाहिकाओं और फिल्टरिंग इकाइयों को क्षति होने लगती है। जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें किडनी डैमेज होने का खतरा भी अधिक होता है।

इन स्थितियों पर भी दें ध्यान

हाई ब्लड प्रेशर और हाई शुगर के अलावा भी कुछ स्थितियां किडनी को गंभीर रोगों का कारण बन सकती हैं।

दर्द निवारक दवाओं और एंटीबायोटिक्स का लम्बे समय तक या अत्यधिक सेवन किडनी को नुकसान पहुंचा सकती है।

किडनी या मूत्र मार्ग में पथरी के कारण भी किडनी में सूजन और संक्रमण का खतरा बढ़ता है।

कुछ अनुवांशिक स्थितियां जैसे पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज, किडनी की संरचना और कार्य को प्रभावित करती है।

किडनी डैमेज से बचाव के उपाय

लाइफस्टाइल और आहार में सुधार के साथ ब्लड प्रेशर और शुगर को कंट्रोल रखकर किडनी को स्वस्थ रखा जा सकता है।

फल, सब्जियां, साबुत अनाज और लो वसा वाले आहार का सेवन करें। नमक और प्रोसेस्ड फूड का सेवन कम करें।

नियमित शारीरिक गतिविधि से वजन, ब्लड प्रेशर और शुगर कंट्रोल रहता है, जिससे किडनी स्वस्थ रहती है।

दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी को विषाक्त पदार्थों को फिल्टर करने में सहायता मिलती है।

दर्द निवारक दवाओं का सेवन डॉक्टर की सलाह अनुसार ही करें और अनावश्यक दवाओं से बचें।

यूटीआई के लक्षण महसूस होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें ताकि संक्रमण किडनी तक न पहुंचे।

पाचन तंत्र कर रहा है परेशान तो डाइट में शामिल कर लें ये सुपरफूड्स

आजकल लोग अपने खानपान का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखते और जो भी जीभ को अच्छा लगता है, उसे खा लेते हैं। बेटाइम और अनहेल्दी खानपान के कारण ही इसके कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर पाचन तंत्र पर इसका बुरा असर पड़ता है और पेट से जुड़ी परेशानियां जैसे अपच, कब्ज, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पाचन तंत्र का मजबूत होना बहुत जरूरी है। ऐसे में कुछ फूड्स का सेवन करना बहुत ही लाभकारी हो सकता है।

केले

केले में पेक्टिन नामक फाइबर होता है, जो कार्बोहाइड्रेट के पचने की गति को नियंत्रित करने में भूमिका निभाता है। केले आंत के लिए भी अच्छे होते हैं। इनमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंत में पाए जाने वाले अच्छे बैक्टीरिया होते हैं और प्रोबायोटिक्स, कार्बोहाइड्रेट होते हैं जो इन अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देते हैं।

ओट्स

ओट्स में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है और कैलोरी कम होती है। यह फास्फोरस, विटामिन ई और जिंक का भी भरपूर स्रोत है। ओट्स पाचन तंत्र के समुचित कामकाज और अपशिष्ट को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

दही

दही चावल पेट की खराबी के लिए सबसे लोकप्रिय घरेलू उपचारों में से एक है। दही प्रोबायोटिक्स का एक समृद्ध स्रोत है जो स्वस्थ आंत बैक्टीरिया के संतुलन को बहाल करने में मदद करता है, जिससे पाचन आसान हो जाता है। दही का सेवन करने से पाचन के साथ-साथ इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।

अदरक

अदरक का इस्तेमाल पेट के कई संक्रमणों जैसे पेट फूलना, मतली और दस्त के इलाज के लिए किया जा सकता है। अदरक पेट से आंतों तक भोजन की गति को भी तेज करने में मदद करता है। यह पाचन तंत्र को शांत करने, सूजन को कम करने और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ावा देने में सहायता करता है।

पुदीना

पाचन के लिए पुदीने का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। पुदीना अपच के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। पुदीने को सलाद और फलों में स्वाद बढ़ाने वाले एजेंट के रूप में लिया जा सकता है।

57% महिलाओं में देखी जाती है ये गंभीर समस्या कहीं आप भी तो नहीं हैं इसका शिकार?

लैंगिक समानता, महिलाओं के अधिकार और महिलाओं के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से ये दिन मनाया जाता है। इन सबके साथ महिलाओं की सेहत पर ध्यान देना भी बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में कई प्रकार की बीमारियों, पोषक तत्वों की कमी और स्वास्थ्य जटिलताओं का जोखिम अधिक होता है।

महिलाएं अपनी दिनचर्या, हार्मोनल बदलाव और शरीर की संरचना के कारण कुछ बीमारियों को लेकर विशेष संवेदनशील होती हैं। लिंग आधारित इन समस्याओं के बारे में जानना और कम उम्र से ही इसको लेकर बचाव के उपाय करते रहना बहुत आवश्यक हो जाता है।

भारत में एनीमिया एक आम समस्या है, खासकर प्रजनन आयु की महिलाओं में। एनीमिया के कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। यही कारण है कि कम उम्र से ही सभी महिलाओं को इसके बारे में जानना और बचाव के लिए उपाय शुरू कर देना जरूरी है।

57% महिलाओं में एनीमिया का खतरा

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 के अनुसार, भारत में 15-49 वर्ष की आयु की 57% महिलाओं में एनीमिया का खतरा रहता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में एनीमिया अधिक आम है। ग्रामीण और अशिक्षित महिलाओं में ये समस्या और अधिक देखी जाती है। मासिक धर्म और गर्भावस्था के दौरान आयरन की कमी, अपर्याप्त पोषण इसका प्रमुख कारण है।

एनीमिया तब होता है जब शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। हीमोग्लोबिन एक प्रोटीन है जो लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है और यह शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है। आयरन की कमी महिलाओं में एनीमिया का सबसे बड़ा कारण है।

गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है एनीमिया

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 की कमी के कारण भी एनीमिया होने का जोखिम काफी बढ़ जाता है।

इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान महिला के शरीर को शिशु के विकास के लिए अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। यदि इस दौरान आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 की पूर्ति न की जाए, तो एनीमिया हो सकता है। एनीमिया की स्थिति प्रजनन क्षमता में कमी, गर्भावस्था में समय से पहले प्रसव, नवजात शिशु का वजन कम होने और मानसिक और शारीरिक विकास में बाधा जैसी दिक्कतें बढ़ा सकती है।

एनीमिया से बचाव के लिए क्या करें?

एनीमिया से बचाव के लिए कम उम्र से ही आहार में सुधार करना जरूरी हो जाता है। इसके लिए संतुलित आहार का सेवन करें। आयरन युक्त चीजें हरी पत्तेदार सब्जियां (पालक, मेथी), चुकंदर, अनार जरूर खाएं।

प्रोटीन युक्त आहार जैसे दालें, सोया, दूध, अंडे का सेवन करें।

फोलिक एसिड और विटामिन बी12 के लिए हरी सब्जियां, दालें, मांस, दूध को आहार में शामिल कर सकती हैं।

विटामिन-सी वाली चीजें जैसे नींबू, संतरा, आंवला को आहार में शामिल करें। विटामिन-सी आयरन के अवशोषण में मदद करता है।

महिलाओं को इन बीमारियों का भी रहता है खतरा

स्तन कैंसर के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। महिलाओं में होने वाला ये सबसे आम कैंसर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 20 लाख महिलाएं स्तन कैंसर का शिकार पाई जा रही हैं। इसके अलावा महिलाओं में आर्थराइटिस की समस्या भी रजोनिवृत्ति के बाद अधिक देखी जाती है। मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने लगता है और इसकी कमी हड्डियों की सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली हो सकती है। महिलाओं को और किन बीमारियों का खतरा होता है जानने के लिए यहां क्लिक करें।

पीठ के दर्द का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मेरा लड़का कॉल सेंटर में कार्य करता है । अक्सर नाइट शिफ्ट में काम करना होता है। पिछले कुछ दिनों से लगता है कि वह चिड़चिड़ा हो गया है, छोटी - छोटी सी बात पर झुंझला उठता है और थका थका सा रहता है। क्या यह नाइट शिफ्ट में काम करने के दुष्प्रभाव तो नहीं? कृपा कर इसके उपाय बताएं !

- श्रीमती जमुना राव, सिकंदराबाद

उत्तर : रात में काम करने वालों के शरीर और मन दोनों पर असर पड़ता है। सामान्यतः दिन काम करने के लिए व रात आराम करने के लिए है । यदि कोई इसके उल्टा करता है, तो वह अपनी जैविक घड़ी (बायोलॉजिकल क्लॉक) को बुरी तरह प्रभावित करता है इसके कारण उसके मन मस्तिष्क की कामकाजी शक्ति घट जाती है।कार्य प्रदर्शन एवं कार्य संपादन शक्ति बिगड़ जाती है। उससे अपने कार्य में गलतियां होने की दर बढ़ जाती है। नींद पूरी नहीं होने के कारण रक्त संचार संस्थान, पेट, आंखें व प्रजनन संबंधी रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। रक्तचाप बढ़ने लगता है। अजीर्ण या अपच धीरे-धीरे इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम में बदल सकता है।

इन सब से बचने के लिए सबसे अच्छा तरीका है - ऐसी नौकरी पकड़े जिसमें दिन में काम करना पड़े और रात में आराम । यदि ऐसा संभव नहीं है तो योग व व्यायाम की शरण में जाना जरूरी है। विश्राम करने की तकनीक आसानी से योग विशेषज्ञ से सीखी जा सकती है। औरा टेंसट्रिम टैबलेट, अश्वगंधादि चूर्ण के साथ दूध से सुबह-शाम लेवे । भोजन के बाद ऊंझा अश्वगंधारिष्ट, ऊंझा द्राक्षासव एवं सारस्वतारिष्ट की 10 - 10 मिलीलीटर दवा को सम भाग पानी में मिलाकर भोजन के बाद पीने से तन और मन की थकान मिटती है और शरीर में ताजगी आती है। ध्यान, प्राणायाम, व विश्राम के लिए शवासन का प्रयोग अच्छे नतीजे देता है। खानपान का भी ध्यान रखना आवश्यक है। मौसमी सब्जियों का एवं फलों का सेवन जरूर करें हमेशा ताजा फल ही का प्रयोग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 47 वर्ष है। पिछले एक महीने से मेरे पैरों एवं हाथों की उंगलियों में दर्द व जलन होने लगी है । आयुर्वेद में इलाज बताएं।

- वेणुगोपाल रेड्डी, खम्मम

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है आपको वातरक्त याने गठिया का प्रकोप हुआ है। इसे ही ₹गाउट₹ नाम से भी जाना जाता है। इसमें हाथ पैर की उंगलियों और संधियों में तीव्र पीड़ा व जलन होती है। इसमें स्पर्श असह्य हो जाता है। शून्यता (नंबनेस) और त्वक वैवर्ण्य भी प्रमुख लक्षणों के रूप में सामने आते हैं। इसकी विशेष जांच के लिए और विभेदक निदान के लिए रक्त में यूरिक एसिड के स्तर की जांच की जाती है। यदि यूरिक अम्ल का स्तर 6 के ऊपर जाता है तो यह रोग निश्चित रूप से वातरक्त ही है। आयुर्वेद में इसका उपचार है । एकौषधि में गुडूची क्वाथ, शुद्ध गुग्गुलु व वासा स्वरस का प्रयोग वांछित फल देता है। मिश्रित प्रयोगों में ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, पुनर्नवादी गुग्गुलु या औरा अमृता गुग्गुलु विशेष रूप से उपयोगी साबित हुए हैं। पीड़ा के स्थान पर पिंड तेल की मालिश बेहतर नतीजे देती है। ऊंझा महारास्नादि क्वाथ को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने जल के साथ मिलाकर, सुबह-शाम भोजन के बाद पीने से आराम मिलता है।

पथ्य में - सभी दालें, प्रोटीन युक्त पदार्थ कम से कम करें। उ ड़ द, कुलथी, गन्ने का रस, द ही आ दि बंद करें। दिन में सोना, धूप का सेवन, अधिक व्यायाम, मैथुन आदि कर्म को त्यागना चाहिए।

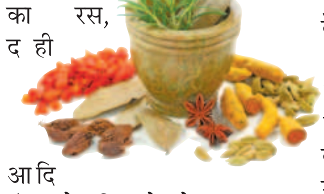

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले 3 महीने से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- राममूर्ति शर्मा, महबूबनगर

उत्तर : पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने - बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांसपेशियां, कंडराओं में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात बढ़ने आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं, यदि उसके नाक आब्जर्वर खराब हो गए हो तब भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुककर कार्य करना, एक हाथ से वजन उठाना, घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमेटाइज ऑयल या ऊंझा महानारायण तेल की मालिश करें । रुमाटाइज टिकिया, महायोगराज गुग्गुलु, ऊंझा वातगजंकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। ऊंझा अश्वगंधारिष्ट व दशमूलारिष्ट 10-10 मिलीलीटर दवा को पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवें।

नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले, वह सदा प्रसन्न चित्त रहें, गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार, कंदमूल (आलू, रतालू, अरबी, मूली, शलजम आदि) का सेवन, रात्रि जागरण ना करें । बासी भोजन व ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती की वजह से बर्बाद हो रहे एलन मस्क, 9 लाख करोड़ का हुआ नुकसान

वॉशिंगटन, 10 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे खास दोस्त और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क इन दिनों अपने दोस्त की वजह से ही परेशान हैं। जहां दुनिया को लग रहा था कि ट्रंप की दोस्ती से मस्क को सिर्फ फायदा ही फायदा होगा, वहीं अब मस्क को इस दोस्ती से लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। चलिए, आपको बताते हैं कि कैसे ट्रंप की दोस्ती ने एलन मस्क को सिर्फ 2 महीने में लगभग 9 लाख करोड़ रुपये की चपत लगा दी।

मस्क से नाराज हैं लोग

डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली है, उन्होंने अपनी टैरिफ धमकियों से पूरी दुनिया को परेशान कर दिया है। खासतौर से यूरोपीय देश, जो कभी अमेरिका के सबसे नजदीक हुआ करते थे, अब उससे दूर हो रहे हैं। ट्रंप की इस टैरिफ नीति से जहां दूसरे देशों के अंदर अमेरिका और ट्रंप के लिए गुस्सा भर रहा है, वहीं ट्रंप के खास दोस्त एलन मस्क के लिए भी नाराजगी दिख रही है। लोग अपनी यह नाराजगी एलन मस्क की कंपनी टेस्ला की कार ना खरीदकर दिखा रहे हैं। इस वजह से मस्क को हर महीने भारी नुकसान हो रहा है।

नहीं बिक रहीं टेस्ला की कारें

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला द्वारा बनाई गई कारों की बिक्री अब तेजी से गिर रही है। खासतौर से यूरोपीय देशों में टेस्ला की बिक्री में भारी गिरावट देखी जा रही है। जर्मनी की बात करें तो यहां 76 फीसदी टेस्ला की बिक्री गिरी है। जबकि, फ्रांस में 45 फीसदी, इटली में 55 फीसदी, नीदरलैंड में 24 फीसदी, स्वीडन में 42 फीसदी और स्पेन में 10 फीसदी टेस्ला की कारों की बिक्री में गिरावट देखी गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया और चीन में भी टेस्ला की कारें नहीं बिक रही हैं। ऑस्ट्रेलिया में जहां, इसमें 66 फीसदी की गिरावट देखी गई, वहीं, चीन में 49 फीसदी की गिरावट देखी गई।

टेस्ला के शेयर भी गिर रहे

इस साल फरवरी तक टेस्ला के शेयर करीब 30 फीसदी तक गिर गए हैं। सिर्फ पिछले एक महीने की बात करें तो टेस्ला के शेयर लगभग 25 फीसदी तक गिर गए। टेस्ला के शेयरों में ये गिरावट गूगल और एनवीडिया से भी बड़ी हैं।

9 लाख करोड़ का नुकसान

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल एलन मस्क की संपत्ति में 103 बिलियन डॉलर, यानी लगभग 9 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। एलन मस्क की मौजूदा नेटवर्थ की बात करें तो ये करीब 330 बिलियन डॉलर है।

सोना गिरकर 86,027 पर आया, चांदी 96,422 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 10 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 32 रुपए गिरकर 86,027 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 86,059 रुपए पर था। 19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 का ऑलटाइम हाई बनाया था। एक किलो चांदी की कीमत आज 302 रुपए कम होकर 96,422 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,724 रुपए प्रति किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,970 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,820 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 80,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 87,820 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,820 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,870 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 87820 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 80500/10 ग्राम।

शुरुआती बढ़त गंवा लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 217 अंक टूटा, निफ्टी 22500 से नीचे

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। ऐसा औद्योगिक और तेल व गैस शेयरों में बिकवाली के कारण हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 217.41 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 74,115.17 अंक पर बंद हुआ। इसके 22 शेयर नुकसान में और आठ लाभ में रहे। इससे पहले यह सूचकांक बढ़त के साथ खुला और दिन के दौरान 74,741.25 के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। हालांकि, पहले सत्र के दौरान हासिल बढ़त बजार ने आखिरी सत्र से पहले गंवा दी। बंद होने से पहले बाजार पर बिकवाली का दबाव दिखा और सूचकांक 310.34 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 74,022.24 के निचले स्तर पर पहुंच गया। सोमवार को एनएसई का निफ्टी 92.20 अंक या 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,460.30 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में इंडसइंड बैंक, जोमैटो, लार्सन एंड टूब्रो, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज पिछड़ गईं। दूसरी ओर, पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, सन फार्मास्यूटिकल्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में लाभ रहा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण बाजार की धारणा प्रभावित हो रही है, अमेरिका में बेरोजगारी दर और टैरिफ में वृद्धि के कारण अनिश्चितता बढ़ रही है, जिससे संकेत मिलता है कि निकट भविष्य में अस्थिरता बनी रहेगी। नायर ने कहा कि घरेलू वृहद आर्थिक हालात निवेशकों को अल्पावधि में सावधानी के साथ नरम पड़े शेयरों में निवेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि, दीर्घकालिक अवधि के लिए बाजार में निवेश अब भी आकर्षक बना हुआ है। सोमवार को एशियाई बाजारों में टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और सियोल में मिलाजुला रुख रहा। मध्य सत्र के सौदों में यूरोपीय बाजारों में गिरावट देखी गई। वहीं, शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट सकारात्मक रुख के साथ हुए थे।इस बीच, एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,035.10 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,320.36 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी खरीदे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.34 प्रतिशत बढ़कर 70.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया।शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स लगातार दो दिनों की बढ़त के साथ 7.51 अंक लुढ़ककर 74,332.58 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई का निफ्टी 7.80 अंक बढ़कर 22,552.50 पर बंद होने में सफल रहा था।

एफएओ की रिपोर्ट: इस साल दुनियाभर में बढ़ेगा गेहूं उत्पादन, भारत की मदद से धान भी तोड़ेगा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में इस साल गेहूं उत्पादन बढ़कर 79.6 करोड़ टन पहुंचने की उम्मीद है, जो 2024 की तुलना में करीब एक फीसदी अधिक होगा। यूरोपीय संघ, विशेष रूप से फ्रांस और जर्मनी में गेहूं की पैदावार में इजाफा हो सकता है, क्योंकि इन क्षेत्रों में बुवाई का रकबा बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पूर्वी यूरोप में सूखे और पश्चिमी यूरोप में भारी बारिश के कारण उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका में भी गेहूं का रकबा बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन सर्दियों में सूखे के कारण पैदावार मामूली घट सकती है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, धान उत्पादन को लेकर भी सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। 2024-25 में वैश्विक धान उत्पादन 54.3 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से भारत में बेहतर फसल और कंबोडिया एवं म्यांमार में अनुकूल मौसम परिस्थितियों के कारण होगी। संगठन ने अपने वैश्विक अनाज उत्पादन पूर्वानुमान को बढ़ाकर 284.2 करोड़ टन कर दिया है, जो 2023 की तुलना में थोड़ा अधिक है। साथ ही, 2024-25 में अनाज की कुल खपत 286.7 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है, जिसमें एक फीसदी की वृद्धि होगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से चावल की बढ़ती मांग के कारण हो सकती है। दूसरी ओर, गेहूं की खपत स्थिर रहने का अनुमान है। हालांकि, खाद्य के रूप में गेहूं के उपयोग में मामूली गिरावट संभव है, लेकिन कारखानों में विशेष रूप से चीन में इसका उपयोग बढ़ सकता है।

वैश्विक अनाज भंडारण में गिरावट की आशंका

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन का अनुमान है कि 2025 में वैश्विक अनाज भंडार 1.9 फीसदी घटकर 86.93 करोड़ टन रह सकता है। हालांकि, रूस और यूक्रेन में भंडारण बढ़ने से इस गिरावट को आंशिक रूप से संतुलित किया जा सकता है। स्टॉक-टू-यूज अनुपात 29.9 फीसदी तक गिरने की आशंका है, लेकिन इसे अब भी संतोषजनक माना जा रहा है। वैश्विक व्यापार में भी कमी आने की आशंका है, क्योंकि

एफएओ ने अपने पूर्वानुमान को घटाकर 48.42 करोड़ टन कर दिया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.6 फीसदी कम है। इसकी वजह निर्यात में होने वाले बदलाव हैं।

क्षेत्रवार मिलीजुली स्थिति

उत्तरी अफ्रीका में कम बारिश से उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जबकि दक्षिणी अफ्रीका में 2024 की गिरावट के बाद बेहतर बारिश से फसल उत्पादन में सुधार की उम्मीद है। पूर्वी एशिया में बेहतर बुवाई और अनुकूल मौसम के चलते गेहूं उत्पादन बढ़ सकता है, लेकिन निकट पूर्व एशिया में कम बारिश के कारण गेहूं की पैदावार पिछले पांच साल के औसत से कम रह सकती है। मध्य अमेरिका व कैरेबिया में शुष्क मौसम के कारण मेक्सिको में अनाज बुवाई घट सकती है। ब्राजील में अच्छी फसल से कुल उत्पादन औसत से ऊपर रहने की संभावना है।

45 देशों में खाद्य संकट

दुनिया में संघर्षों और असुरक्षा के कारण गंभीर खाद्य संकट की स्थिति है। विशेष रूप से गाजा व सूडान में अकाल जैसी स्थिति है। 45 देशों को खाद्य सहायता की जरूरत पड़ सकती है। इनमें अफ्रीका के 33, एशिया के 9, दक्षिण अमेरिका एवं कैरेबिया के दो और यूरोप का एक देश है। संगठन ने चेतावनी दी है कि इन क्षेत्रों में खाद्य असुरक्षा के उच्चतम स्तर (आईपीसी चरण-5) की स्थिति बनी हुई है। इंटीग्रेटेड फेज क्लासिफिकेशन तीव्र खाद्य असुरक्षा का आकलन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त प्रणाली है। यह तीव्र खाद्य असुरक्षा पैमाने का सबसे गंभीर चरण है, जहां प्रतिदिन प्रति 10,000 लोगों में से दो या अधिक व्यक्तियों या चार या उससे अधिक बच्चों की मृत्यु हो सकती है।

अमेरिका, रूस, फ्रांस सब रह गए पीछे

5 साल में रिजर्व बैंक ने जमा कर लिया अकूत सोना, सिर्फ एक देश है आगे

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पिछले कुछ वर्षों से सोना खरीदने में लगा हुआ है। पिछले 5 वर्षों में रिजर्व बैंक ने सोने का अकूत खजाना इकट्ठा कर लिया है। 5 साल में सोना खरीदने में भारत ने अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। इतने समय में सिर्फ चीन ही भारत से ज्यादा सोना खरीद पाया है। बिजनेस स्टैंडर्ड ने यह जानकारी वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के हवाले से दी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक रिजर्व बैंक ने साल 2020 से साल 2024 तक पांच वर्षों में 244 टन सोना खरीदा है। इस दौरान चीन ने 336 टन सोना खरीदा। भारत ने सोना खरीदना अभी भी बंद नहीं किया है। वहीं दूसरी ओर कई देश सोना खरीदने की रफ्तार कम कर चुके हैं।

यहां चीन को भी छोड़ा पीछे

साल 2024 की आखिरी तिमाही में भारत ने सोना खरीदने में चीन को भी पीछे दिया है। भारत ने इस तिमाही में 22.54 टन सोना खरीदा। वहीं चीन ने 15.24 टन सोना खरीदा। सिंगापुर ने अपने सोने के भंडार में 7.65 टन की कमी की। इस तिमाही में सबसे ज्यादा सोना (28.53 टन) पोलैंड ने खरीदा।

सोने में आखिर रुचि क्यों?

सोने को हमेशा से संकट मोचक माना जाता है। दूसरे देशों के साथ कारोबार के लिए अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं काफी देश सोने में भी लेन-देन करते हैं। विदेशी मुद्रा का भंडार कम न रहे, इसलिए भारत समेत ज्यादातर देश सोने का इस्तेमाल करते हैं। जानकारों के सोना खरीदने के कई कारण बताए हैं। इस समय सबसे बड़ा कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियां हैं। इससे ग्लोबल ट्रेड वॉर की आशंका के कारण सोने की मांग बढ़ गई है। आर्थिक और भूराजनीतिक उथल-पुथल के दौरान सोने को एक सेफ इंवेस्टमेंट के रूप में देखा जाता है। रिजर्व बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में रीवैल्यूएशन रिस्क और करेंसी की अस्थिरता को कम करने के लिए भी सोना खरीद रहा है।

फरवरी महीने में शाकाहारी थाली सस्ती हुई

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। फरवरी में घर में बने भोजन की शाकाहारी थाली पिछले साल के इसी महीने की तुलना में एक फीसदी सस्ती हो गई। हालांकि, इस दौरान मांसाहारी थाली की कीमत में लगभग 6 प्रतिशत का इजाफा देखा गया। क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है।

शाकाहारी थाली की कीमतों में नरमी का क्या कारण?

रिपोर्ट के अनुसार शाकाहारी थाली की कीमत में गिरावट मुख्य रूप से टमाटर और एलपीजी की कीमतों में कमी के कारण हुई। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमतों में इजाफे का कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमतों का बढ़ना रहा। क्रिसिल ने अपनी कहा फरवरी में टमाटर की कम कीमतों के बीच शाकाहारी थाली की कीमत में साल-दर-साल गिरावट आई, जबकि ब्रॉयलर की कीमत में वृद्धि जारी रहने के कारण मांसाहारी थाली की कीमत में मामूली वृद्धि हुई। रिपोर्ट में बताया गया है कि फरवरी में टमाटर की कीमतें एक साल पहले के 32 रुपये प्रति किलोग्राम से 28 प्रतिशत घटकर 23 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। यह गिरावट बाजार में टमाटर की आवक में 20 प्रतिशत की वृद्धि के कारण हुई। इसके अलावा, एलपीजी की कीमतों में भी 11

प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे और राहत मिली। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत पिछले साल के 903 रुपये से घटकर 803 रुपये हो गई।हालांकि, शाकाहारी थाली की लागत में कुल गिरावट अन्य प्रमुख सामग्रियों की बढ़ती कीमतों के कारण सीमित रही। पिछले साल के मुकाबले प्याज की कीमतों में 11 फीसदी, आलू की कीमतों में 16 फीसदी और वनस्पति तेल की कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इन मूल्य वृद्धि ने शाकाहारी भोजन की लागत में तेज गिरावट को रोक दिया। दूसरी ओर, ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में सालाना आधार पर 15 फीसदी की बढ़ोतरी के कारण मांसाहारी थाली अधिक महंगी हो गई। मांसाहारी थाली की लागत में ब्रॉयलर का हिस्सा लगभग 50 फीसदी होता है और इसकी कीमत में वृद्धि पिछले साल के कम आधार के कारण हुई थी, जब अधिक आपूर्ति के कारण कीमतें कम हो गई थीं।

बिकने जा रहा है यह सरकारी बैंक, लगने वाली है बोली

केंद्र सरकार और एलआईसी की है भारी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया अब रफ्तार पकड़ रही है। सरकार ने इसके डेटा रूम से जुड़ी सभी समस्याओं को सुलझा लिया है। इससे इस बैंक के प्राइवेटाइजेशन के अगला चरण का रास्ता साफ हो गया है। जांच-परख का काम लगभग पूरा हो चुका है और सरकार को उम्मीद है कि जल्द ही इसके लिए फाइनेंशियल बिड्स आमंत्रित की जाएंगी। बिजनस टुडे टीवी ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है।अधिकारी ने आगे कहा कि कोई बड़ी समस्या नहीं थी, बस संभावित बोलीदाताओं ने डेटा रूम के बारे में कुछ सवाल पूछे थे, जिनका अब समाधान हो गया है। आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया जनवरी 2023 से चल रही है। तब केंद्र सरकार ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया था। सरकार और एलआईसी मिलकर बैंक में अपनी 61% हिस्सेदारी बेचना चाहते हैं। इसमें केंद्र की 30.48% और एलआईसी की 30.24% हिस्सेदारी शामिल है। एयर इंडिया की बिक्री के बाद यह सबसे बड़ा निजीकरण इनिशिएटिव होगा। हालांकि यह साफ नहीं है कि इस बिक्री से सरकार को कितना पैसा मिलेगा। पिछले साल हुए आम चुनावों के बाद सरकार ने विनिवेश के लक्ष्य निर्धारित करना बंद कर दिया है। अब सरकार नॉन-टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वित्त वर्ष 2025 में सरकार को डीआईपीएएम से कुल 68,263 करोड़ रुपये मिल हैं जिसमें विनिवेश से प्राप्त 8,625 करोड़ रुपये शामिल हैं।

एक महीने में 1 लाख रुपए की पेंशन जानें कितना करना होगा निवेश ?

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। रिटायरमेंट के बाद आर्थिक सुरक्षा सबसे अहम होती है और इसके लिए सही निवेश की योजना जरूरी है. अगर आपकी योजना रिटायरमेंट के बाद हर महीने 1 लाख रुपए की पेंशन पाने की है, तो इसके लिए आपको सही स्कीम में निवेश करना होगा. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली और यूनिवर्सल पेंशन स्कीम दो प्रमुख ऑप्शन हैं, जिनके जरिए आप यह टारगेट हासिल कर सकते हैं. आइए जानते हैं कि किस स्कीम में कितना निवेश करना होगा और कौन-सा ऑप्शन बेहतर रहेगा.1 अप्रैल, 2025 से सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को दो पेंशन योजनाओं में से चुनने का ऑप्शन मिलेगा. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस). जनवरी 2004 में शुरू की गई एनपीएस ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की जगह ली और केंद्र सरकार के तहत सभी विभागों को कवर करती है.दूसरी ओर, यूपीएस हाल ही में सरकार द्वारा घोषित एक नई पेंशन योजना है, जो अप्रैल 2025 से लागू होगी.एनपीएस भारत सरकार द्वारा संचालित एक रिटायरमेंट योजना है, जिसमें व्यक्ति को नियमित निवेश करना होता है. इसमें निवेशकों को 60 साल की उम्र के बाद एकमुश्त राशि और पेंशन दोनों मिलती है. इसमें रिटर्न बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है. वहीं, यूपीएस एक प्राइवेट पेंशन स्कीम होती है, जिसमें व्यक्ति अपनी जरूरत के अनुसार इन्वेस्टमेंट प्लान चुन सकता है। इसमें अलग-अलग कंपनियों की योजनाएं होती हैं और निवेश पर मिलने वाला रिटर्न अलग-अलग हो सकता है. यूपीएस के तहत सरकार मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) के योग का 18.5% योगदान देगी, जबकि कर्मचारी का योगदान 10% होगा, जो एनपीएस के समान है.एनपीएस में कोई निश्चित पेंशन गारंटी नहीं है, जबकि यूपीएस औसत मूल वेतन के प्रतिशत के आधार पर पेंशन मिलता है. एनपीएस के तहत, इक्विटी, लोन और अन्य बाजार-लिंक्ड फंडों में निवेश करने का ऑप्शन मिलता है, जबकि यूपीएस मुख्य रूप से सरकारी बांड और सुरक्षित स्कीम में निवेश करता है. यूपीएस में सरकार का योगदान एनपीएस से अधिक है.एनपीएस में निवेश बाजार से जुड़ा होता है, जिससे यह अधिक जोखिमपूर्ण हो जाता है, जबकि यूपीएस कम जोखिम वाली योजना है, क्योंकि इसमें निश्चित पेंशन मिलती है. अब सवाल यह है कि 1 लाख रुपए की मासिक पेंशन पाने के लिए दोनों योजनाओं में कितना निवेश करना होगा? आइए आपको इसे विस्तार से समझाते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 (सूर्योदय - 06-30, सूर्यास्त - 18-21)
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 08-14 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - फाल्गुन शुक्ल , मंगलवार 11 March
नक्षत्र - आश्लेषा 02-15 तक उपरान्त मघा
योग - अतिगण्ड 13-17 तक उप सुकर्मा
करण- बालव 08-14 तक उप कौलव
विशेष:- भौमप्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्धि योग - 06-55 से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	05-03 बजे
चंद्र-	कर्क मे	मीन....	06-42 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष---	08-18 बजे
बुध-	मीन मे	वृष---	10-02 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	12-02 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	14-15 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह---	16-28 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	18-34 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	20-40 बजे
		वृश्चिक..	22-49 बजे
		धनु......	01-03 बजे
		मकर...	03-08 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:55 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:30 - 07:58	अशुभ	काल	18:21 - 19:54	अशुभ
उत्पात	07:58 - 09:27	अशुभ	लाभ	19:54 - 21:25	शुभ
चंचल	09:27 - 10:57	शुभ	उत्पात	21:25 - 22:55	अशुभ
लाभ	10:57 - 12:26	शुभ	शुभ	22:55 - 00:26	शुभ
अमृत	12:26 - 13:56	शुभ	अमृत	00:26 - 01:56	शुभ
काल..	13:56 - 15:25	अशुभ	चंचल	01:56 - 03:27	शुभ
शुभ	15:25 - 16:55	शुभ	रोग	03:27 - 04:57	अशुभ
रोग.	16:55 - 18:21	अशुभ	काल	04:57 - 06:30	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दुष्चक्र में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपनी प्राथमिकताएं तय करे और यदि संभव हो तो एक ब्रेक ले या संक्षिप्त समय अपने लिए निकाले ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज का दिन सट्टा उद्यम के लिए उपयुक्त है पर बिना सोचे समझे कोई निर्णय न ले । अगर आप गणना करके जोखिम लेंगे तो लाभ में रहेंगे परन्तु याद रखे अज्ञानता में लिए गया फैसला नुकसान दिला सकता है इसलिए फिलहाल लाटरी के मकड़जाल में न फसे । बिना सोचे समझे सट्टा खेलना या निवेश करना हानिकारक है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले । आप अपने परिवार या अपनी जीवन संगिनी का मत भी ले सकते है की कौन सा कार्य क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त रहेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे । भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है । आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है। ये समय अधिक जिम्मेदारी लेने व अपने काम में और अधिक रूचि दिखाने का है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे । आप अपनी कार्य क्षमताओं से हर किसी को प्रभावित करेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते है। इन क्षणिक भावनाओं के आधार पर किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखे और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करे अन्यथा आप एक ऐसी नौकरी को त्याग सकते है जिसको आप बेहद प्यार करते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आपको अपने खर्चो का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है , हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो । आपको कुछ अन्य कार्यो के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि आपकी आय बढ़ सके ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है । इस बीच आपको अपनी जीवन शैली को बनाए रखने के क्रम में कुछ खर्चो के साथ संतुलित रहना होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — सौहार्द और सार्वभौमिक जयकार का माहौल आज आपके कार्यस्थल में रहेगा और आप जिस कार्य को करने में आम तौर पर नफरत करते है उसे आप आनंद के साथ करेंगे । आज आप अपने कार्य के लिए नए उत्साह एवं ऊर्जा पाएंगे और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपने सहयोगियों से सक्रिय समर्थन की प्राप्ति होने की भी संभावना प्रबल है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

छत्तीसगढ़ में होगा उद्यमिता आयोग का गठन

युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के द्वार

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में उद्यमिता आयोग का गठन किया जाएगा। इसकी घोषणा सीएम विष्णुदेव साय ने की है। यह आयोग राज्य में उद्यमशीलता की संस्कृति को मजबूत करेगा और रोजगार सृजन की संभावनाओं का अध्ययन करेगा। इसके तहत युवाओं के कौशल विकास और रोजगार प्रशिक्षण के लिए कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण के लिए हमें स्वदेशी को आत्मसात करना होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच हमेशा से आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने की वकालत करता रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत एक विशाल और संपन्न देश है। यहां प्रचुर प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं, और साथ ही हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यह हमें न केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार प्रदान करता है, बल्कि नवाचार और औद्योगिकीकरण के लिए भी

असीम संभावनाएं खोलता है। मुख्यमंत्री साय ने वैश्विक परिदृश्य में आ रहे बदलावों की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में आ रहे परिवर्तनों को देखते हुए स्वदेशी जागरण मंच जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया अभियान ने भारत में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों को संरक्षण और समर्थन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आज भारत लगभग हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन चुका है। हमने अपने उद्योगपतियों को प्रोत्साहित किया, उन्हें आवश्यक सुविधाएं दीं और इसका परिणाम यह हुआ कि हम अब न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी मजबूती से उभर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और विकास के लिए स्वदेशी जागरण मंच की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नई नीतियों और सुरक्षा बलों के प्रभावी प्रयासों के कारण नक्सलवाद अब बहुत सीमित क्षेत्र में सिमट गया है। अब समय आ गया है कि स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से इन क्षेत्रों में उद्योग-धंधे स्थापित किए जाएँ, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले और वे नक्सलवाद की ओर न जाने पाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति को प्रदेश की प्राकृतिक संपदा और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। इस नीति में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है ताकि उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया को तेज और सरल बनाया जा सके।

डीजीपी बोले- 3 अपराधी जेल से चला रहे गैंग

विकास तिवारी, अमन श्रीवास्तव और अमन साव पर कसेगा शिकंजा, 30 अपराधियों पर दर्ज हुई है एफआईआर

रांची, 10 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में बढ़ते अपराध को लेकर सूबे के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने माना है कि जेल में बंद अपराधी जेल से ही अपना गैंग चला रहे हैं। उन्होंने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विकास तिवारी, अमन श्रीवास्तव और अमन साव, ये तीन अपराधी हैं, जो जेल से अपना गैंग चला रहे हैं। ये वर्चुअल नंबर क्रिएट कर काम करते हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने एटीएस एसपी को निर्देश दिया है कि बीएनएस की धारा 111 के तहत काम करें। यह धारा संगठित अपराधियों के खिलाफ पुलिस को काम करने का पावर देती है। उन्होंने कहा कि इस धारा के तहत अमन साव गिरोह के 30 लोगों पर एफआईआर की गई है। जल्द ही सभी की गिरफ्तारी होगी। सभी हो जेल भेजेंगे। उन्होंने इस बात को खुल कर कहा कि झारखंड में जितने क्राइम हो रहे हैं, वो जेल के अंदर से प्लान किए जा रहे हैं। वहीं से कराए भी जा रहे हैं। हम काफी प्रयास कर रहे हैं कि जेल से हो रही इन गतिविधियों को रोकें। जेल से अपराध को अंजाम देने वाले कुछ अपराधियों का जेल ट्रांसफर भी हमने कराया है। हमलोग ओर प्रयास कर रहे हैं। जेल में छापेमारी भी हुई है। रविवार को सिमडेगा जेल में और आज हजारीबाग जेल मे छापेमारी हुई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने यह भरोसा भी दिलाया कि जल्द ही ये सारे काम बंद हो जाएंगे।

शुक्रवार को रांची में कोयला व्यवसायी पर फायरिंग फिर शनिवार को हजारीबाग में एनटीपीसी के अधिकारी की गोली मार कर हत्या मामले को लेकर कहा कि रांची फायरिंग मामले में सभी अपराधियों की पहचान हो चुकी है। हम जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करेंगे।

हजारीबाग की घटना में यह स्पष्ट नहीं है कि एनटीपीसी डीजीएम की हत्या क्यों की गई।

गरियाबंद मुठभेड़ के बाद नक्सलियों में दहशत, 3 का सरेंडर

ऑटोमैटिक हथियार के साथ आत्मसमर्पण, 15 लाख के इनामी, यहीं ढेर हुए थे 3 करोड़ के नक्सली

गरियाबंद, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में 15 लाख रुपए के तीन इनामी नक्सलियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। एसडीके एरिया कमेटी के डिप्टी कमांडर दिलीप उर्फ संतु ने ऑटोमैटिक हथियार के साथ समर्पण किया। उनके साथ दो महिला नक्सली मंजुला उर्फ लखमी और सुनीता उर्फ जूमकी भी थीं। एडीजी विवेकानंद सिन्हा, आईजी अमरेश मिश्रा और सीआरपीएफ के अधिकारियों की मौजूदगी में यह आत्मसमर्पण हुआ। तीनों नक्सलियों पर कुल 15 लाख रुपए का इनाम था। यह घटना 20 जनवरी को हुई भालू डिगी मुठभेड़ के बाद की है। उस मुठभेड़ में सीसी मेंबर चलपती और डिवीजन कमांडर सत्यम गावड़े समेत सवा 3 करोड़ के 16 नक्सली मारे गए थे। नुआपड़ा डिवीजन कमेटी के डिप्टी कमांडर दिलीप ने बताया कि भालू डिगी की घटना के बाद नक्सलियों में दहशत का माहौल है। उन्होंने कहा कि छोटे नक्सली

खासा परेशान हैं। पुलिस की सर्चिंग से दबाव बढ़ा है। बार-बार डेरा बदलना पड़ रहा है और खाने-पीने की भी दिक्कत हो रही है। दिलीप ने बताया कि एक मुठभेड़ में उन्हें गोली लगी थी, जिसका इलाज पुलिस ने कराया। उनके मुताबिक जिले में अभी भी 64 नक्सली सक्रिय हैं।

गरियाबंद पुलिस ने इस मौके पर 'पूना मोददोल' यानी 'नई शुरुआत' अभियान की भी शुरुआत की, जिसकी एडीजी ने सराहना की। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के कुल्हाड़ी घाट पंचायत के भालू डिग्गी टोला के जंगलों में 20 जनवरी को सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया था। ये नक्सली खाने की तलाश में गांव के पास आए थे, तभी फोर्स ने ट्रायंगल एंबुश लगाकर उन्हें घेर लिया था। पहाड़ी पर बसे कुल्हाड़ी घाट के गांव नक्सलियों के सबसे सेफ जोन में शामिल थे।

अब तक इन पहाड़ी रास्तों के जरिए ही नक्सली 3 राज्यों में आना-जाना करते आए हैं।

बागी सभापति को बीजेपी ने किया निष्कासित

कोरबा निगम में नूतन ठाकुर ने बगावत कर चुनाव लड़ा, जीत भी मिली, अब पार्टी ने किया बाहर

कोरबा, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा नगर निगम के नवनिर्वाचित सभापति नूतन सिंह ठाकुर को बीजेपी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। नूतन सिंह ने पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशी हितानंद अग्रवाल के खिलाफ बागी होकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी।

दरअसल, 8 मार्च को हुए निगम सभापति चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी हितानंद अग्रवाल, बागी प्रत्याशी नूतन सिंह ठाकुर और निर्दलीय उम्मीदवार अब्दुल रहमान मैदान में थे। जिसमें नूतन सिंह ठाकुर ने 33 वोट हासिल कर जीत दर्ज की।

इस मामले में हितानंद अग्रवाल ने कहा कि, बीजेपी एक नियम के तहत चलती है। पार्टी संगठन के निर्देश पर ही कार्यकर्ता काम करते हैं। उन्होंने जो फैसला लिया है वो सही है। जिससे कोई इस तरह से बगावत न कर सके।

सभापति नूतन सिंह ठाकुर का कहना है कि, उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैं भाजपा का था, हूं और रहूंगा। निष्कासन आदेश जारी होने के बाद फिर उन्होंने कहा कि, हितानंद अग्रवाल को पार्षदों ने क्यों पसंद नहीं किया। इसकी जानकारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को दूंगा। मैं भाजपा का छोटा कार्यकर्ता हूं और रहूंगा। 33 भाजपा पार्षदों ने सभापति के लिए मुझे जनादेश दिया है। सभापति के रूप में निगम के 67 पार्षदों के हितों की रक्षा करने, कोरबा शहर का चौतरफा विकास करने और नियमों के अनुसार निगम को चलाने का दायित्व पूरी निष्ठा से पूरा करता रहूंगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा ने कहा कि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ नूतन सिंह ठाकुर ने चुनाव लड़ा। इसकी जानकारी प्रदेश नेतृत्व को भेजा गया था। यह अनुशासनहीनता में आता है। इसलिए नूतन को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

चुनाव से पहले बीजेपी ने पार्टी पर्यवेक्षक पुरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में पार्षदों को मनाने का प्रयास किया। बंद कमरे में लंबी बैठकें हुईं। संगठन ने हितानंद अग्रवाल के नाम पर सहमति जताई, लेकिन नूतन सिंह ठाकुर ने बागी तेवर अपनाते हुए चुनाव लड़ा था। जिसमें उन्हें जीत भी मिली।

साइबर ठगी में देवघर देश में तीसरे नंबर पर

देश के 74 जिलों में झारखंड के 5 जिले, रांची में साइबर ठगों के 257 मोबाइल नंबर एक्टिव

रांची, 10 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) ने देशभर के 74 जिलों को साइबर ठगी का हॉटस्पॉट बताया है। यह आंकड़ा एक जनवरी से चार मार्च 2025 तक का है।

इसके मुताबिक देशभर में हो रही ठगी की घटनाओं में अधिकतर फोन कॉल इन्हीं 74 जिलों से लोगों के पास जाते हैं। इन 74 जिलों में झारखंड के 7 जिले हैं। बात पड़ोसी राज्य बिहार की करें तो यहां के 10 जिले लिस्ट में शामिल हैं, जहां साइबर ठगों ने अपना ठिकाना बना रखा है।

सूची में पहले नंबर पर हरियाणा का नूह, दूसरे पर राजस्थान का डीग व अलवर, तीसरे पर झारखंड का देवघर है। चौथे स्थान पर राजस्थान का अलवर व पांचवें पर बिहार का नालंदा है। नूह में 4717, डीग में 3463, देवघर में 2604, अलवर में 2295 और नालंदा में 2087 मोबाइल नंबर एक्टिव हैं। इन नंबरों से ही देशभर के लोगों से ठगी की जा रही है।

जामताड़ा कभी साइबर ठगों के लिए बदनाम था। देशभर में यहां से ठगी होती थी। ठगी के मामले में यह पहले स्थान पर था। ऐसा कोई राज्य नहीं होगा, जहां के लोगों को जामताड़ा के साइबर ठगों ने ठगा नहीं होगा। हालात यह था कि यहां रोज अलग-अलग राज्यों की पुलिस आती थी। लेकिन अब साइबर ठगों का गढ़ नहीं रहा।

पुलिस अधिकारियों और साइबर एक्सपर्ट की मानें तो जामताड़ा में लगातार कार्रवाई के बाद ठगों ने अपना ठिकाना बदल लिया है। 74 जिलों की सूची में जामताड़ा का 14वां नंबर है। वहीं देवघर टॉप पांच जिलों में तीसरे नंबर पर है।

इसके अलावा रांची, दुमका, धनबाद, गिरिडीह और हजारीबाग को भी अब साइबर ठगों ने अपना ठिकाना बना लिया है।

धर्मांतरण के आरोप में रायपुर-बिलासपुर में बवाल

हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और पुलिस के बीच झड़प कहा- विरोध करने पर टीआई ने किया दुर्व्यवहार

बिलासपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर में रविवार को धर्मांतरण के आरोप में जमकर बवाल हुआ है। न्यायधानी के कोनी में हिंदूवादी संगठनों ने धर्मसभा की आड़ में भोले-भाले लोगों से धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया। विरोध करने पहुंचे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। जिसका वीडियो भी सामने आया है।

हिंदूवादी संगठन के नेताओं ने कोनी टीआई पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि, इलाके में पिछले तीन महीने से धर्मांतरण का खेल चल रहा है। जिसका विरोध करने पर टीआई उनका बचाव करने लगे।

वहीं, रायपुर के टाटीबंध में धर्म परिवर्तन के आरोप में बजरंग दल ने जमकर तोड़फोड़ और हंगामा किया। बजरंग दल का आरोप है कि, अनुकम्पा नगर के एक घर में करीब 100 से ज्यादा लोग जमा थे। जिनका धर्मांतरण कराया जा रहा था।

बिलासपुर में एनम चर्च के बैनर तले धर्मसभा का आयोजन

दरअसल, बिलासपुर के रमतला गांव में रविवार को एनम चर्च के बैनर तले धर्मसभा का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को बुलाया गया था। 500 से अधिक लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई थी। इसके लिए टेंट और कुर्सियां लगाई गई थी। इसकी जानकारी मिलते ही हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता गांव पहुंच गए। उन्होंने धर्मांतरण कराने का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल मचाया। उनका आरोप है कि इस कार्यक्रम में स्क्रीन पर वीडियो दिखाकर लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता राम सिंह ने कहा कि, 25 दिसंबर के बाद से धर्मांतरण का खेल चल रहा है। उन्होंने जब कार्यक्रम का विरोध किया, तब टीआई नवीन देवांगन ने धर्म सभा करने वालों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि तुम कौन होते हो धर्मांतरण रोकने वाले। लेकिन, हम विरोध करते हैं और करते रहेंगे। सर्व हिंदू समाज के राम सिंह ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि, धर्मांतरण कराने वालों का कोई चेहरा नहीं होता, ये मिशनरी वाले होते हैं। उन्हें फंडिंग मिलती है। जानकारी मिली कि मंत्रालय में बैठे शिक्षा विभाग का एक शख्स शामिल है। एक सरकारी पद पर बैठा हुआ व्यक्ति धर्मांतरण का खेल कर रहा है। पुलिस पिछले दो तीन महीने से रोज जाती है। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। कोनी थाना प्रभारी नवीन देवांगन ने कहा कि, ग्राम रमतला में एक विशेष समुदाय ने सभा का आयोजन किया था। जिसकी सूचना मिली थी। हिंदूवादी संगठनों के विरोध की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने समुदाय के लोगों से कार्यक्रम की अनुमति के संबंध में दस्तावेज पेश करने कहा। लेकिन, कार्यक्रम की कोई अनुमति नहीं ली गई थी।

कंटेनर-ट्रैक्टर की टक्कर, एक की मौत

हादसे में ट्रैक्टर की ट्रॉली पुल से 30 फीट नीचे गिरी, कंटेनर का अगला हिस्सा हुआ क्षतिग्रस्त

गोड्डा, 10 मार्च (एजेंसियां)। गोड्डा के पथरगामा थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात भीषण सड़क हादसे में कंटेनर के ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा गाड़ीघाट सुंदर नदी पर बने पुल पर हुआ। दुर्घटना कंटेनर और ट्रैक्टर की आमने-सामने की टक्कर से हुई। दोनों गाड़ियों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि ट्रैक्टर की ट्रॉली पुल से करीब 30 फीट नीचे गिर गई। इधर, हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग निकला। मृतक कंटेनर ड्राइवर की पहचान बांका जिले के बौसी थाना क्षेत्र स्थित दुर्गापुर गांव निवासी माहेश्वरी मांझी (56) के रूप में की गई है। पथरगामा थाना प्रभारी मनोहर कुमार के अनुसार, इस घटना में महगामा की तरफ जा रहे कंटेनर और गोड्डा की तरफ से आ रहे ट्रैक्टर की टक्कर हुई।

ऑटो और बाइक की टक्कर, एक की मौत

बाइक पर बिना हेलमेट के सवार थे तीन युवक, ऑटो सवार समेत छह जख्मी

साहिबगंज, 10 मार्च (एजेंसियां)। साहिबगंज में सोमवार को भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि छह लोग जख्मी हो गए। हादसा बोरियो थाना क्षेत्र के बोरियो-बरहेट मुख्य सड़क के तेलो गांव के पास ऑटो और बाइक की टक्कर से हुआ। बाइक सवार तीन युवक बिना हेलमेट पहने ही मेला घूमकर घर आ रहे थे और इसी दौरान यह हादसा हुआ।

मृतक की पहचान फुलभंगा निवासी 26 वर्षीय प्रेमचंद्र मुर्मू के रूप में की गई। हादसे में प्रेमचंद्र के सिर पर गंभीर चोट लगी और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि उसके साथ बाइक पर सवार गंगाराम सोरेन और सिमोन हांसदा गंभीर रूप से घायल हैं।

तीनों मंगरूटीकर से मेला देखकर अपने घर फुलभंगा जा रहे थे। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही ऑटो से बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस घटना में ऑटो सवार टोक बास्को मिर्जाचौकी निवासी संगीता पहाड़िन (14), रूबी पहाड़िन व बोढ़बांध (बरहेट) निवासी 2 वर्षीय बच्ची पार्वती कुमारी और तीनपहाड़ जा रही अरगोड़ी निवासी शिला पहाड़िन (30), शेफाली पहाड़िन घायल हो गई।

सभी घायलों को बोरियो समुदायिक केंद्र पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर विनोद कुमार ने सभी घायलों का इलाज किया। वहीं, गंभीर रूप से घायल सिमोन हांसदा का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज रेफर कर दिया गया। घटना कि सूचना मिलते ही बोरियो पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया।

इस होली रंगों में घुलेंगे हर्बल रंग

झारखंड की महिलाओं का अनोखा कारनामा

रांची, 10 मार्च (एजेंसियां)। रंगों के त्योहार होली को लेकर बाजार सज गए हैं, और पिछले वर्ष की तरह ही झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के अंतर्गत पलाश ब्रांड के तहत सखी मंडल की महिलाओं द्वारा प्राकृतिक उत्पादों से तैयार हर्बल गुलाल बाजार में उपलब्ध है। हर्बल गुलाल के विपणन को बढ़ावा देने और आम जनों में इको-फ्रेंडली होली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्य स्तरीय पलाश हर्बल गुलाल प्रदर्शनी सह बिक्री अभियान की शुरुआत की गई है।

मुख्यमंत्री की ओर से राज्य की ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को बाजार में पहचान दिलाने के उद्देश्य से पलाश ब्रांड शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत राज्यभर के विभिन्न जिलों की हजारों ग्रामीण महिला उद्यमियों द्वारा पलाश हर्बल गुलाल का उत्पादन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत आज रांची, हजारीबाग, पलामू, चतरा, रामगढ़, खूंटी, लोहरदगा जिलों में पलाश हर्बल गुलाल प्रदर्शनी सह बिक्री

स्टाल का परिचालन आरंभ किया गया। जेएसएलपीएस की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी कंचन सिंह के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिलों में 100 से अधिक स्टालों का संचालन दिनांक 9 से 13 मार्च तक किया जाएगा। सखी मंडल की माहिलाएं गुलाल तैयार करने में प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल कर रहीं है, जो त्वचा को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती। इस हर्बल गुलाल में किसी भी प्रकार के रसायन या आर्टिफिशियल सामग्री का उपयोग नहीं किया गया है। इसे बनाने के लिए समूह की दीदियां फूल, फल और पत्तियों का इस्तेमाल कर रही हैं। हरे रंग के लिए पालक, गुलाबी के लिए चुकंदर, पीले और नारंगी रंग के लिए पलाश और हल्दी, जबकि नीले रंग के लिए सिंद्धार समेत अन्य फूलों और पत्तियों के प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही, गुलाल को सुगंधित बनाने के लिए प्राकृतिक एसेंस का भी समावेश किया गया है। पलाश ब्रांड के जरिए जेएसएलपीएस से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं के हाथों से बने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। पलाश हर्बल अबीर का उत्पादन न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि इससे हजारों ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक संबल भी मिल रहा है।

स्टेटस पर लिखा- माई लास्ट डे, फिर लगाई फांसी

देर रात फंदे पर झूला युवक, सुबह तक फोन पर बजता रहा सैड सॉन्ग

सरगुजा, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक युवक ने सुसाइड कर लिया। उसने सोशल मीडिया स्टेट्स पर लिखा कि, माई लास्ट डे। सब कोई पता कर आ जाना। अब तो आ जा यार-सीने से लगा जा यार। फिर फांसी लगा ली। इसे प्रेम-प्रसंग से जोड़कर देखा जा रहा है। मामला दरिमा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सखैली पारा निवासी विद्यासागर विश्वकर्मा (22) रविवार रात 2 बजे खाना खाने के बाद कमरे में सोने चला गया था।

सोमवार की सुबह जब वो नहीं उठा, तो परिजन दरवाजा खटखटाने लगे।

तब भी नहीं उठा, तो दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और वो फांसी के फंदे पर झूलता मिला। मोबाइल पर सुबह तक सैड सॉन्ग भी बज रहा था। इस कारण आशंका है कि, युवक ने प्रेम प्रसंग में फांसी लगाई है।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि, विद्यासागर विश्वकर्मा ने बी.ए. सेकेंड ईयर तक की पढ़ाई की थी। इसके बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी थी।

हालांकि, वो प्राइवेट छात्र के रूप में बीए फाइनल ईयर की परीक्षा की तैयार कर रहा था। घर में वो पिता के खेती के कामों में हेल्प करता था। घटना से परिजन सदमे में हैं।

एडिशनल एसपी अमोलक सिंह ने बताया कि, विद्यासागर विश्वकर्मा ने रात में फेसबुक पर स्टेटस पोस्ट कर घर में फांसी लगाई है।

मामले में मर्ग कायम किया गया है। दरिमा पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया है। फिलहाल, मामले में आगे की जांच की जा रही है।

पटाखा दुकान में आग, 5 लोगों की मौत

मरने वालों में 2 बच्चे भी शामिल, सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे पर दुख जताया

गढ़वा, 10 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा में सोमवार को पटाखा दुकान में भीषण आग लग गई। इसमें दो बच्चों समेत 5 लोगों की झुलसकर मौत हो गई। मृतकों में दुकान मालिक कुश गुप्ता (45), अजीत केशरी (32), सुशीला केरकेट्टा (20), नमन केशरी (9) और भोला केशरी (8) शामिल हैं। आग जिले के रंका थाना स्थित गोदरमाना बाजार में पटाखा दुकान में लगी थी।

गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बताया- राशन दुकान के बाहर दुकानदार पटाखा भी बेच रहा था। 2 बच्चे पटाखे खरीदने के लिए वहां पहुंचे थे।

इसी दौरान पटाखे में आग लग गई और वहां अफरातफरी मच गई। दुकानदार दोनों बच्चे समेत अजित केशरी और सुशीला केरकेट्टा को लेकर दुकान के पास ही एक खाली गोदाम में घुस गया और अंदर से शटर लगा दिया। इसी दौरान आग का धुआं अंदर घुसने लगा। बाहर जब लोगों को पता चला कि दुकानदार कुछ लोगों के साथ अंदर बंद है तो दीवार काटकर उन्हें बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। लोग पांचों को सीमावर्ती राज्य छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज स्थित एक अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टर ने पांचों को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- 'पटाखा दुकान में आग लगते ही अफरातफरी का माहौल बन गया। आसपास के सभी लोग जान चाकर भागने लगे। चारों तरफ बम-पटाखे फटने की आवाज गूंजने लगी। देखते ही देखते आग इतनी भयावह हो गई कि दुकान के पास खड़ी एक बाइक भी उसकी चपेट में आ गई।'

शुरुआत में स्थानीय लोगों ने खुद से आग पर काबू पाने की कोशिश की। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हादसे पर दुख जताते हुए X पर लिखा- 'गढ़वा जिले के रंका प्रखंड में पटाखा दुकान में आग लगने से 5 लोगों की मृत्यु की दुःखद खबर मिली है।

डीएमएफ घोटाला, रानू-सौम्या और सूर्यकांत समेत 5 की पेशी

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछली सरकार में हुए डीएमएफ घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू की रिमांड पर चल रहे 5 आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया गया। जिसमें सौम्या चौरसिया, निलंबित आईएएस रानू साहू और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ,माया वारियर और मनोज द्विवेदी शामिल हैं। ईओडब्ल्यू की ओर से 2 दिन की रिमांड के लिए आवेदन लगाया था, लेकिन एसीबी के जज छुट्टी में थे। इसलिए सभी आरोपियों को ईडी कोर्ट में पेश किया गया। यहां न्यायाधीश ने सभी आरोपियों को एक दिन के लिए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। कल मंगलवार को सभी आरोपियों को फिर से से एसीबी-ईओडब्ल्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा।

3 मार्च सोमवार को कोल घोटाले में रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी समेत 12 लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी।

एनटीपीसी डीजीएम मर्डर केस, हजारीबाग जेल में बंद गैंगस्टर्स-शूटर से पूछताछ

रांची/हजारीबाग, 10 मार्च (एजेंसियां)। एनटीपीसी केरेडारी केडी कोल प्रोजेक्ट के डीजीएम डिस्पैच एंड बिलिंग कुमार गौरव की हत्या की गुत्थी सुलझाने में एसआईटी लगी हुई है। हत्या के दिन से ही टीम प्रदेश के अलग-अलग जगहों पर छापेमारी करने के साथ बिहार और यूपी भी गई। हालांकि उनके हाथ क्या लगा है, यह साफ नहीं हो सका है।

इधर, जांच के क्रम में टीम ने जेपी कारा हजारीबाग में बंद कई गैंगस्टर और शूटरों से पूछताछ की। पुलिस अब तक 11 लोगों को हिरासत में लेकर अलग-अलग जगहों पर पूछताछ कर रही है।

बोकारो जोन के आईजी एस माइकल राज सीधे इस केस पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर मामले का खुलासा करने को लेकर हजारीबाग डीआईजी संजीव कुमार और एसपी अरविंद कुमार सिंह को निर्देश दिए हैं। इसके लिए जांच की गति भी तेज करने को कहा है। हत्या के दिन से लेकर आज तक पुलिस किसी भी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। अब तक कयास के आधार पर ही जांच चल रही है। अब तक की जांच में पुलिस इस बात को समझने की कोशिश कर रही है कि कहीं एनटीपीसी के अन्य कर्मी को कहीं से धमकी मिली हो या विवाद हो, जिसका खामियाजा गौरव को भुगतना पड़ा। अब तक पुलिस जिन 11 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मस्क ने यूक्रेन में इंटरनेट बंद करने की धमकी दी

बोले- सिस्टम बंद किया तो डिफेंस लाइन ढह जाएगी, बाद में कहा- ऐसा कभी नहीं करूंगा

वॉशिंगटन, 10 मार्च (एजेंसियां)। टेस्ला और स्टारलिंक के सीईओ इलॉन मस्क ने यूक्रेन को इंटरनेट बंद करने की धमकी दी है। मस्क ने रविवार को कहा कि अगर उन्होंने यूक्रेन में अपना स्टारलिंक इंटरनेट सिस्टम बंद कर दिया तो यूक्रेन की डिफेंस लाइन ढह जाएगी।

मस्क का स्टारलिंक इंटरनेट सिस्टम, यूक्रेन को मिलिट्री कम्युनिकेशन (सैन्य संचार) बनाए रखने में मददगार रहा है। मस्क ने X पर पोस्ट कर लिखा, स्टारलिंक सिस्टम यूक्रेनी सेना की रीढ़ है। मैं जंग और कत्लेआम से परेशान हूं, जिसमें यूक्रेन आखिरकार हार जाएगा।

स्टारलिंक लो-अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में सैटेलाइट का एक वर्ल्डवाइड नेटवर्क ऑपरेट करता है और कई देशों में अंतरिक्ष आधारित यानी स्पेस बेस्ड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी मुहैया करता है। कंपनी दुनिया भर में किसी भी जगह पर स्मार्टफोन को सीधे सैटेलाइट से इंटरनेट सर्विस दे सकती है।

अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद पर रोक लगा दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इससे एक अरब डॉलर (8.7 हजार करोड़ रुपए) के हथियार और गोला-बारूद संबंधी मदद पर असर पड़ सकता है। इन्हें जल्द ही यूक्रेन को डिलीवर किया जाना था।

ट्रम्प के आदेश के बाद उस मदद को भी रोक दिया गया है जिसका इस्तेमाल यूक्रेन सिर्फ अमेरिकी डिफेंस कंपनियों से सीधे नए सैन्य हार्डवेयर खरीदने के लिए कर सकता है। अमेरिकी सहायता रोके जाने पर राष्ट्रपति जेलेंस्की की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन से कहा कि यह साफ है कि फैसला जेलेंस्की के बुरे बर्ताव की वजह से उठाया गया। उन्होंने कहा कि अगर जेलेंस्की जंग को खत्म करने के लिए बातचीत की कोशिश करते हैं, तब शायद ये रोक हटाई जा सकती है।

अमेरिका ने 5 मार्च से यूक्रेन के साथ सीक्रेट जानकारी शेयर करके पर रोक लगाई। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइक वाल्ट्ज का कहना है कि हमने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करने के मामले में एक कदम पीछे ले लिया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम इस मामले के सभी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं और इसकी समीक्षा कर रहे हैं। वाल्ट्ज ने यूक्रेन के एनएसए से फोन पर बात की। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मार्क कैन्सियन ने कहा कि अमेरिका के मदद रोकने के फैसले से यूक्रेन पर बहुत असर पड़ने वाला है। ट्रम्प के इस फैसले ने एक तरह से यूक्रेन को 'अपंग' कर दिया है।

कैन्सियन ने कहा कि अमेरिकी मदद रुकने का मतलब है कि अब यूक्रेन की ताकत आधी हो गई है। इसका असर दो से चार महीने में दिखने लगेगा। फिलहाल यूरोपीय देशों से मिलने वाली सहायता से यूक्रेन कुछ समय तक लड़ाई में बना रहेगा। अमेरिका यूक्रेन का एक प्रमुख समर्थक रहा है। पिछले 3 साल में अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ संघर्ष में हथियार, गोला-बारूद और वित्तीय सहायता दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मदद के बंद होने से यूक्रेन की रक्षा क्षमता पर असर पड़ेगा।

सीरिया से आई मदद की गुहार

क्या असद समर्थक अलावी लोगों की सहायता करेगी मोदी सरकार

दमिश्क, 10 मार्च (एजेंसियां)। सीरिया में फिर कत्लेआम मचा हुआ है। सरकार समर्थक पूर्व आईएसआईएस के आतंकवादी पूरे देश में असद समर्थकों खासकर अलावी लोगों की हत्याएं कर रहे हैं। लोगों को घरों से निकालकर मारा जा रहा है। खेतों में काम कर रहे किसानों तक को नहीं छोड़ा जा रहा। बस शक के आधार पर किसी को भी सरेआम गोली मारी जा रही है। आतंकवादी बाकायदा वीडियो जारी कर अपनी हैवानियत का सबूत भी पेश कर रहे हैं। अलावी सीरिया में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक हैं। सीरिया में अलावी लोगों की आबादी लगभग 12 प्रतिशत है। ये लोग मुख्य रूप से सीरिया के लताकिया और टार्टस क्षेत्रों में रहते हैं।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सीरिया के अलावी लोगों ने भारत से मदद मांगी है। सीरिया की आबादी में सुन्नी मुसलमानों की संख्या लगभग 70-75 प्रतिशत है। बशर अल-असद खुद अलावी हैं। ऐसे में उनकी सरकार के पतन के बाद अलावी समुदाय का शिकार किया जा रहा है। सीरिया की सत्ता पर काबिज सशस्त्र गुटों ने असद शासन के

अवशेषों को मिटाने के नारे के तहत सामूहिक हत्याएं, घरों पर आक्रमण और जबरन विस्थापन किया है।

रिपोर्ट में दमिश्क से लगभग 330 किलोमीटर दूर सीरिया के लताकिया के 36 वर्षीय अली कोशमर का जिक्र किया गया है। कोशमर ने बताया हथियारबंद लोग गांव में घुसे और हमारे घर पहुंचे और चिल्लाने लगे, 'बाहर आओ, अलावी सूअरों, नुसायरिस'। उन्होंने दरवाजे तोड़ दिए और हथियारों से हमें पीटना शुरू कर दिया, बेतरतीब ढंग से गोलियां चलाईं। वे मेरे भाई को ले गए, और हमें नहीं पता कि उसके साथ क्या हुआ। वे हमें खत्म कर रहे हैं।

इस रिपोर्ट के अनुसार, अलावियों और सुन्नी उग्रवादी गुटों, खास तौर पर वहाबी समर्थित समूहों के बीच तनाव बढ़ गया है, जो पिछले साल असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद इस क्षेत्र में घुस आए हैं। ये समूह न केवल असद के पूर्व वफादारों और पूर्व सैन्य कर्मियों को बल्कि नागरिकों, किसानों और ईसाईयों और शिया मुसलमानों सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी निशाना बना रहे हैं। हमा प्रांत में 86 वर्षीय अलावियों के धार्मिक नेता शेख शाबान मंसूर और उनके बेटे की हत्या के बाद हिंसा में तेजी से वृद्धि हुई।

सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, 6 मार्च से अब तक कम से कम 973 नागरिक मारे गए हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिसे वह जातीय सफाई अभियान के रूप में वर्णित करता है। लताकिया के 31 वर्षीय कंप्यूटर साइंस इंजीनियर इब्राहीम सलामाह ने कहा, जब 2011 में गृह युद्ध छिड़ा था, तो लताकिया और अन्य अलावी-बहुल क्षेत्रों के लोगों ने संप्रदाय की परवाह किए बिना विस्थापित सीरियाई लोगों के लिए अपने घर खोल दिए थे। हमने 2020 और 2022 में भी ऐसा ही किया। सीरियाई लोग भेदभाव नहीं करते - हम सभी सीरियाई हैं। लेकिन नई सरकार इस एकता की रक्षा करने में विफल रही है।

पिछले हफ़्ते, असद के पूर्व सेना जनरल घियाथ डाला और फील्ड कमांडर मुकदाद फातिहा के नेतृत्व में 200 लड़ाकों के एक समूह ने हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता और सीरिया के वास्तविक शासक अबू मोहम्मद अल-जुलानी की सेना पर हमला किया। हमले के परिणामस्वरूप अल-जुलानी की सेना के कई लोग हताहत हुए, जिसके कारण उनकी सरकार को सुदृढ़ीकरण जुटाना पड़ा।

उत्तर कोरिया ने दागी कई बैलिस्टिक मिसाइलें

यूएस-दक्षिण कोरिया के युद्धाभ्यास के खिलाफ उठाया कदम

सियोल, 10 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की सेना ने एक बयान में कहा है कि उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तट से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। दक्षिण कोरिया ने बताया कि ये मिसाइलें सोमवार को दागी गईं, लेकिन इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। गौरतलब है कि यह मिसाइलें ऐसे समय दागी गई हैं, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाओं ने संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया है। उत्तर कोरिया द्वारा लगातार इस तरह के युद्धाभ्यासों पर नाराजगी जताई गई है।

पीएम मोदी का मॉरीशस दौरा

भारतीय उच्चायुक्त का दावा- रुपे, यूपीआई समेत कई अहम समझौते होंगे

पोर्ट लुइस, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत और मॉरीशस के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय सरकारी यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह जानकारी मॉरीशस में भारत के उच्चायुक्त अनुराग श्रीवास्तव ने दी है।

भारतीय उच्चायुक्त ने कहा कि इस यात्रा के दौरान रुपे कार्ड और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) को मॉरीशस में लॉन्च किया जाएगा। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव और बढ़ेगा, खासकर पर्यटन और चिकित्सा यात्राओं में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, रुपे और यूपीआई से भारतीय पर्यटकों को मॉरीशस में और मॉरीशस के नागरिकों को भारत में आसानी से डिजिटल भुगतान करने की सुविधा मिलेगी। यह उन लोगों के लिए भी उपयोगी होगा जो भारत में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जाते हैं"।

भारत और मॉरीशस ने 2021 में व्यापक आर्थिक सहयोग और भागीदारी समझौते (सीईसीपीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जो भारत का अफ्रीका के किसी भी देश के साथ पहला व्यापार समझौता था। प्रधानमंत्री की इस यात्रा के दौरान व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए नए व्यापार समझौतों पर भी चर्चा होगी।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम देश के कुल ऋण को जीडीपी के 83% से घटाकर 60% तक लाने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए वे विकास भागीदारों, वैश्विक संस्थानों और मित्र देशों के साथ सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा, मॉरीशस अपने

अर्थव्यवस्था में विविधता लाने के लिए नए क्षेत्रों जैसे खेल उद्योग में भी निवेश कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर समझौता होने की संभावना है। जिसमें द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए समझौता, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए सहयोग, इसके साथ छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को समर्थन देना और मानव संसाधन और कुशल श्रमिकों के आदान-प्रदान पर चर्चा भी होनी है। प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस में भारतीय सहायता से निर्मित दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। जिसमें पहला सरकारी सेवाओं के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए- सिविल सर्विस कॉलेज प्रोजेक्ट और दूसरा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एरिया हेल्थ सेंटर प्रोजेक्ट शामिल है। पीएम मोदी मॉरीशस में सर शिव सागर गुलाम की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके अलावा, वे गंगा तालाब भी जाएंगे, जो मॉरीशस के हिंदू समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी, जब से नवीन रामगुलाम सरकार ने पिछले नवंबर में कार्यभार संभाला है।

भूकंप के झटकों से हिला अफगानिस्तान

हिंदुकुश क्षेत्र में जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे था केंद्र

काबुल, 10 मार्च (एजेंसियां)। सोमवार को भारत का पड़ोसी देश अफगानिस्तान भूकंप के तेज झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मैग्नीट्यूड रही, लेकिन भूकंप का केंद्र जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे था, जिससे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप का केंद्र हिंदुकुश क्षेत्र था।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि जमीन में गहराई में आने वाले भूकंपों की तुलना में सतह पर ऊपर आने वाले भूकंप ज्यादा खतरनाक होते हैं।

पंजाब के धनी किसान भी भारत छोड़कर जा रहे विदेश

अमेरिका के लिए भारतीयों के इमिग्रेशन पर विशेषज्ञों ने बताई वजह

वॉशिंगटन/चंडीगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत में विशेषज्ञों ने अमेरिका के लिए बढ़ते भारतीयों के इमिग्रेशन, अमेरिका की कड़ी होती नीतियों और इसके भारत पर पड़ने वाले प्रभावों पर विचार-विमर्श किया है। चर्चा का आयोजन हाल ही में चंडीगढ़ के सीयू-आईडीसी परिसर में सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट (सीएएसएसएम) ने किया। विशेषज्ञों ने अमेरिका से निर्वासित किए जा रहे प्रवासियों के मुद्दे पर भी चिंता जताई। इसके अलावा, पंजाब और हरियाणा से होने वाले इमिग्रेशन, इसके कारण और समाधान पर भी बातचीत हुई।

द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीसी चंडीगढ़ के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रमोद कुमार ने कहा, दुख की बात है कि इमिग्रेशन क्यों हो रहा है और मानवाधिकारों के उल्लंघन का जवाब कैसे दिया जाए और तस्करी के शिकार लोगों की सुरक्षा कैसे की जाए, इस मानवीय पहलू पर केवल सरसरी तौर पर ही चर्चा की जाती है। उन्होंने आगे बताया कि इमिग्रेशन के पीछे मुख्य प्रेरक शक्ति, विशेष रूप से अमेरिका और कनाडा में तथाकथित 'विदेशी सपने' में समाहित आकर्षण कारकों और श्रम की कमी को पूरा करने की आवश्यकता के जरिए आकार लेती है। डॉ. शुचि कपूरिया ने निर्वासित लोगों के साथ किए गए अमानवीय व्यवहार जैसे कि उन्हें बेड़ियों से बांधने की निंदा की।

सीरिया में अलवी समुदाय पर हिंसा तेज

असद समर्थकों और नई सरकार के बीच खूनी संघर्ष, सैंकड़ों लोगों की मौत

दमिश्क, 10 मार्च (एजेंसियां)। सीरिया में बशर अल-असद की सत्ता खत्म होने के बाद भी हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। देश में नई इस्लामी सरकार के आने के बाद से अलवी समुदाय के खिलाफ हमले बढ़ गए हैं। ताजा संघर्ष असद समर्थकों और सरकारी बलों के बीच अलवी बहुल इलाकों में हो रहा है, जिसमें अब तक 1,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इनमें से अधिकतर नागरिक बताए जा रहे हैं।

कौन हैं अलवी समुदाय के लोग?

अलवी समुदाय शिया इस्लाम का एक शाखा है, जो सीरिया के तटीय इलाकों, खासकर लटाकिया और टार्टूस में बसा है। यह समुदाय दशकों तक सीरिया की सत्ता में प्रभावी रहा, क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद खुद अलवी थे। असद शासन में इस समुदाय को विशेष लाभ मिलता था, जिससे बहुसंख्यक सुन्नी आबादी में असंतोष था।

सीरिया में अब क्यों भड़की हिंसा?

असद सरकार के पतन के बाद सुन्नी बहुल नई सरकार ने सत्ता संभाली, लेकिन अलवियों के खिलाफ हिंसा जारी रही। कट्टर सुन्नी गुट अलवियों को असद शासन का समर्थक मानकर हमला कर रहे हैं। इस दौरान कई आम नागरिकों को भी निशाना बनाया गया। संघर्ष की शुरुआत तब हुई जब सरकार ने एक वांछित अपराधी को अलवी बहुल गांव से गिरफ्तार किया। इसके बाद असद समर्थक लड़ाकों ने सरकारी सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया और असद के गृहनगर कर्दाहा पर कब्जा कर लिया। हालांकि, सरकारी सेना ने जवाबी कार्रवाई कर इलाके पर दोबारा नियंत्रण कर लिया।

सरकार और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाएं

सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शराअ ने सभी पक्षों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। सरकार ने हिंसा की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति बनाई है, जबकि कई मानवाधिकार संगठनों ने कहा है कि अलवियों के खिलाफ बदले की कार्रवाई की जा रही है। वहीं सीरियाई सेना के प्रवक्ता ने कहा कि सरकार सभी आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

हालांकि, अभी भी कई इलाकों में तनाव बना हुआ है, और हिंसा के जल्द थमने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही।

एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट की धौंस दिखा रहा था अमेरिका

फ्रांस ने राफेल बनाकर सुपरपावर की कर दी अकड़ ढीली, कैसे बना यूरोप का मसीहा?

पेरिस, 10 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'धोखेबाजी' से यूरोप में बेचैनी फैली है। यूरोपीय देश अब अपनी सुरक्षा के लिए बैठकें कर रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस से बचने के लिए यूरोपीय देशों में परमाणु हथियारों की तैनाती के ऑफर दिए हैं। बुधवार को मैक्रों ने कहा है कि वो परमाणु हथियारों को यूरोपीय देशों में ट्रांसफर के लिए तैयार हैं। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी है, कि यूरोप को मान लेना चाहिए कि यूक्रेन-रूस युद्ध में नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रह सकता। इमैनुएल मैक्रों का ऑफर बताता है कि यूरोपीय देश अब अमेरिका पर अपनी सुरक्षा के लिए निर्भर नहीं रह सकते हैं। इसके अलावा अब यूरोपीय देशों ने सैन्य गठबंधन नाटो को लेकर भी असुरक्षा की भावना है। लिहाजा मैंक्रों ने सोशल मीडिया के जरिए अपने परमाणु

बमों को लेकर कहा है कि हमारा परमाणु प्रतिरोध हमारी रक्षा करता है। यह पूर्ण, संप्रभु और पूरी तरह से फ्रांसीसी है। मैक्रों की बात सही है। फ्रांस ने अपनी बदौलत परमाणु हथियारों का निर्माण किया हुआ है, जबकि ब्रिटेन के पास परमाणु हथियार जरूर हैं, लेकिन वो अमेरिका पर निर्भर है। जिससे पता चलता है की आज की तारीख में जब जियो-पॉलिटिकल हालात आपके खिलाफ कभी भी जा सकते हैं, उस वक्त अपनी सुरक्षा के लिए संप्रभु रहना कितना ज्यादा जरूरी है। फ्रांस की विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने की हमेशा से वकालत की गई है। फ्रांस ने किसी दूसरे देश के रक्षा कार्यक्रम पर निर्भर रहने के बजाए स्वदेशी हथियार प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने का काम किया है। और इसका सबसे बड़ा उदाहरण है अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35। फ्रांस ने अमेरिकी एफ-35 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान खरीदने से साफ मना कर दिया था। इसके बजाए फ्रांस ने घरेलू लड़ाकू विमान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। आपको बता दें कि फ्रांस की हथियारों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की मुहिम 1970 के दशक में शुरू हुई थी जब फ्रांसीसी वायु सेना और नौसेना ने अपने मौजूदा विमान बेड़े को बदलने की कोशिश शुरू की थी।

शुरूआती समय में फ्रांस कई यूरोपीय देशों के फाइटर जेट प्रोग्राम का हिस्सा था, जो 1983 में शुरू हुआ था, जिसके तहत यूरोफाइटर टाइफून का निर्माण किया गया।

इस कार्यक्रम में ब्रिटेन, जर्मनी, इटली और स्पेन शामिल थे। लेकिन साल 1985 में डिजाइन और ऑपरेशनल विवाद की वजह से फ्रांस इससे अलग हो गया।

रूसी आर्मी ने गैस पाइपलाइन में 15किमी चलकर हमला किया

मॉस्को, 10 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेनी सेना ने पिछले साल अगस्त में रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला कर लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर लिया था। रूसी सेना तबसे यूक्रेन को यहां से खदेड़ने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। रविवार को रूसी की स्पेशल फोर्स ने कुर्स्क में यूक्रेनी सेना पर हमला करने के लिए करीब 15 किमी एक गैस पाइपलाइन के अंदर पैदल सफर किया। रूस के वॉर ब्लॉगर यूरी पोडोल्याका ने बताया कि रूस की स्पेशल फोर्स ने गैस पाइपलाइन के अंदर लगभग 15 किलोमीटर तक पैदल चलकर कुर्स्क के सुद्झा के पास यूक्रेनी सेना पर टारगेट अटैक किया। वहीं, एक अन्य वॉर ब्लॉगर यूरी कोटेनोक का कहना है कि यूक्रेनी आर्मी सुद्झा के इलाके से अपने मिलिट्री इक्विपमेंट हटाकर बॉर्डर के नजदीक ले जा रही है।

मार्क कार्नी कनाडा के अगले पीएम बनेंगे, 85.9% वोट मिले

ट्रूडो की जगह लेंगे, बोले- कनाडा किसी भी तरह अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेगा

टोरंटो, 10 मार्च (एजेंसियां)। मार्क कार्नी कनाडा के अगले प्रधानमंत्री होंगे। वे जस्टिन ट्रूडो की जगह लेंगे। लिबरल पार्टी ने रविवार देर रात उन्हें अपना नेता चुना। कार्नी को 85.9% वोट मिले।

कार्नी ने पीएम पद की रेस में शामिल पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड, पूर्व सरकारी सदन नेता करीना गोल्ड और पूर्व संसद सदस्य फ्रैंक बेलिस को पछाड़ा। वे बिना किसी विधायी या कैबिनेट अनुभव के पहले कनाडाई प्रधानमंत्री होंगे।

चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के ट्रम्प के बयान पर कहा कि अमेरिका कनाडा नहीं है। कनाडा कभी किसी भी तरीके से अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेगा।

जस्टिन ट्रूडो ने पीएम के तौर पर आखिरी बार पार्टी और अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा- मुझे गलत मत समझिए, पिछले 10 सालों में हमने जो कुछ किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है, लेकिन आज की रात एक पार्टी के रूप में, एक देश के रूप में हमारे भविष्य के बारे में है। ट्रूडो ने समर्थकों से कहा कि सक्रिय बने रहें। आपके देश को आपकी जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है। लिबरल्स इस पल का सामना करेंगे। ये वक्त नेशन डिफाइनिंग मूमेंट है। लोकतंत्र और स्वतंत्रता के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। इसके लिए साहस, बलिदान, उम्मीद और कड़ी मेहनत करनी होती है। ट्रूडो ने कहा- हमें पिछले 10 सालों में हासिल की गई सभी महान चीजों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। इसके बजाय हमें अगले 10 सालों और आने वाले दशकों में और ज्यादा हासिल करने के लिए प्रेरित होना चाहिए।

मार्क कार्नी इकोनॉमिस्ट और पूर्व केंद्रीय बैंकर हैं। कार्नी को 2008 में बैंक ऑफ कनाडा का गवर्नर चुना गया था। कनाडा को मंदी से बाहर निकालने के लिए उन्होंने जो कदम उठाए, उसकी वजह से 2013 में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने उन्हें गवर्नर बनने का प्रस्ताव दिया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के 300 साल के इतिहास में वे पहले ऐसे गैर ब्रिटिश नागरिक थे, जिन्हें यह जिम्मेदारी मिली। वे 2020 तक इससे जुड़े रहे। ब्रेग्जिट के दौरान लिए फैसलों ने उन्हें ब्रिटेन में मशहूर बना दिया।

जर्मनी में कर्मचारी हड़ताल, 13 एयरपोर्ट पर 3400 उड़ानें रद्द

बर्लिन, 10 मार्च (एजेंसियां)। जर्मनी के सभी एयरपोर्ट्स के कर्मचारियों ने एक दिन की हड़ताल बुलाई है। इसकी वजह से सोमवार (भारतीय समयानुसार) को पूरे देश की हवाई यात्रा ठप हो गई है। हड़ताल से पूरे देश में 13 प्रमुख एयरपोर्ट पर 3400 उड़ानें रद्द की गईं , जिनमें फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख जैसे प्रमुख एयरपोर्ट्स भी शामिल हैं। इसके चलते 5 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हुए हैं। देश की 25 लाख सरकारी कर्मचारियों वाली यूनियन ने सैलरी बढ़ाने की मांग लेकर इस हड़ताल का ऐलान किया था। जर्मनी के समय के मुताबिक ये हड़ताल सोमवार से शुरू होनी थी, लेकिन इसे तय समय से एक दिन पहले रविवार को ही शुरू कर दिया गया।

म्यांमार सेना की बमबारी से 200 घर जलकर राख

चीन के आर्थिक गढ़ को बचाने की कोशिश में जुंटा, टेंशन में ड्रैगन

नेपीडा, 10 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार के विद्रोही गुट अराकान आर्मी (एए) और जुंटा शासन के बीच रखाइन राज्य में लड़ाई तेज हो गई है। रखाइन के क्यौकफ्यू टाउनशिप में एए लड़ाकों के जुंटा की सैन्य चौकियों पर हमले के बाद ये संघर्ष हो रहा है।

चीन के इस क्षेत्र में कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। ऐसे में इस लड़ाई ने चीन के निवेश वाले महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। ऐसे में जुंटा सेना की ओर से अराकान आर्मी के गढ़ों पर हमले तेज किए हैं। गुरुवार को जुंटा सेना ने क्यौकफ्यू आर्थिक क्षेत्र के पास बमबारी की है, जिसमें 200 से ज्यादा घर जलकर राख हो गए।

रेडियो फ्री एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एए के लड़ाके रखाइन राज्य में जुंटा के आखिरी गढ़ों पर कब्जा करने के करीब है। ऐसे में जुंटा सेना किसी भी कीमत पर अपनी आखिरी चौकियों को बचाने की कोशिश में है। इसी के तहत जुंटा सेना ने क्यौकफ्यू आर्थिक क्षेत्र के पास के यू गिन गांव में हवाई हमले किए। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि हमले में तकरीबन पूरा गांव जलकर खाक हो गया। हालांकि गांव के लोग हमले से पहले ही अपने घर छोड़कर भाग चुके थे।

क्यौकफ्यूक्षेत्र चीन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यहां चीन की बड़ी ऊर्जा परियोजनाएं हैं और एक गहरे समुद्र का बंदरगाह बनाने की योजना भी है। यह बंदरगाह चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एए का क्यौकफ्यू पर पूरी तरह से कब्जा हो जाता है तो जुंटा के लिए यह बड़ा झटका होगा। चीन को अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए एए के साथ भी बातचीत करनी पड़ सकती है क्योंकि चीन के दक्षिणी युन्नान प्रांत तक तेल और गैस की पाइपलाइनें भी यहीं से जाती हैं। दक्षिण चीन सागर के रास्ते ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी तरह की रुकावट की स्थिति में ये पाइपलाइन चीन के लिए बेहद अहम है। क्यौकफ्यू टाउनशिप में एए ने बीते महीने नौसेना बेस और जुंटा की सैन्य चौकियों पर भीषण हमला किया है।

एए ने दान्यावड्डी नौसेना बेस की रक्षा करने वाली कम से कम तीन चौकियों पर कब्जा किया है। हालांकि जुंटा के सैनिक अभी मुख्यालय के सामने डटे हुए हैं।

कोचिंग योजना के पैसे के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

कांग्रेस ने वॉकआउट किया; विधायक ने टैबलेट को स्टैंड की तरह पकड़ा तो स्पीकर ने फटकारा

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को अनुप्रति कोचिंग योजना का पैसा नहीं मिलने के मुद्दे पर विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस ने हंगामा कर दिया। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया।

विधानसभा में बसपा विधायक जसवंत सिंह गुर्जर को ने टैबलेट को स्टैंड की तरह पकड़ा तो स्पीकर ने टोकते हुए कहा- इस पर दबाव नहीं डाले, कागज हाथ में लेकर पढ़िए। इस पर विधायक ने कहा कि एक ही बात है। स्पीकर ने कहा- एक बात नहीं है। विधायक ने मजाकिया लहजे में कहा क्या-क्या हाथ में लें।

अनुप्रति कोचिंग योजना का पैसा नहीं मिलने के मुद्दे पर हंगामा

कांग्रेस विधायक रफीक खान के सवाल के जवाब में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा- टारगेट के हिसाब से अनुप्रति योजना के तहत कोचिंग इंस्टीट्यूट का चयन किया है। इस योजना का अध्ययन करने के लिए पंजाब सहित कई राज्यों के अफसर आए हैं। हमारी सरकार ने अच्छी तरह योजना को चला रखा है। कांग्रेस सरकार के समय के बकाया का भुगतान भी हमने किया है। हमने इसमें 50 हजार स्टूडेंट्स को फायदा देने का टारगेट रखा है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस विधायक रफीक खान ने मंत्री के जवाब को गलत करार देते हुए कहा- जिन बच्चों को जून-जुलाई में भुगतान हो जाना चाहिए था, उन्हें अब तक भुगतान क्यों नहीं हुआ? इसके लिए कौन जिम्मेदार है, कौन दोषी है। उन पर क्या कार्रवाई करेंगे? मंत्री सीधा जवाब देने की बजाय इधर-उधर घूमा रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष बोले- बच्चों को एक पैसा नहीं दिया

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- मंत्री कह रहे हैं कि दूसरे राज्यों के अफसर अध्ययन करने के लिए आए हैं। आपने अब तक बच्चों को एक पैसा दिया नहीं, अध्ययन किस बात का कर रहे हैं।

रफीक खान ने कहा- मंत्री जवाब देने की जगह लीपापोती कर रहे हैं। मंत्री गहलोत ने कहा कि हमने 2021 से लेकर कांग्रेस सरकार का जो बकाया है, वह भी बच्चों को भुगतान किया है। कांग्रेस सरकार में तो 12000 छात्रों को ही अनुप्रति कोचिंग योजना का लाभ मिलता था। हमने तो 50 हजार टारगेट कर दिया है।

मंत्री बोले- टारगेट के हिसाब से पैसे का आवंटन किया

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा- इतना टारगेट था, उसके हिसाब से पैसे का आवंटन किया गया है।

इसके बाद स्पीकर ने अगला सवाल पुकार लिया। मंत्री पर गलत और अधूरा जवाब देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले सदन में जमकर नोकझोंक हुई।

कांग्रेस विधायक ने फसल खराब के बकाया क्लेम के मुद्दे पर मंत्री को घेरा

किसानों के फसल खराबे पर बकाया फसल बीमा क्लेम के मुद्दे को लेकर कांग्रेस विधायक शिमला बावरी ने मंत्री केके विश्नोई को घेर लिया। विधायक ने मंत्री के जवाब के बीच में टोकते हुए कहा- मैंने जो पूछा था वह तो आपने बताया ही नहीं और पता नहीं क्या ही जवाब दे रहे हैं। किसानों के क्लेम देरी से देने पर बीमा कंपनियों को ब्याज देने का प्रावधान है या नहीं।

मंत्री के के विश्नोई ने कहा- फसल बीमा क्लेम देरी से देने पर ब्याज का प्रावधान नहीं है। विधायक ने कृषि विभाग के नियम और शर्तें पढ़ते हुए कहा- आपके विभाग का जवाब है कि बीमा क्लेम देरी से देने पर किसानों को 12% ब्याज दर से भुगतान करने का नियम है।

कांग्रेस सचिव कृष्णा शर्मा का अलवर दौरा

घरों में रहकर राजनीति करने वालों की होगी छुट्टी

अलवर, 10 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव कृष्णा शर्मा अलवर पहुंचीं, जहां फूल बाग स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के आवास पर पहुंच कर उन्होंने जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में कृष्णा शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से उन्हें निर्देश मिले हैं कि अलवर विधानसभा क्षेत्र के निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना है। वहीं लंबे समय से निष्क्रिय रहे कार्यकर्ताओं की छुट्टी करनी है। कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने के लिए नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। वहीं नए पदों को सृजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिले भर में कई ऐसे सदस्य हैं जो ना तो पार्टी की मीटिंग में पहुंचते हैं और ना ही पार्टी के लिए कार्य कर रहे हैं। इनको पद से हटाने जिम्मेदारी सौंपी गई है और नए सदस्यों को भर्ती करने के निर्देश मिले हैं, जिसको लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उन्हें क्षेत्र में दौरा करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी में ऐसे कितने ही नेता हैं जो पार्टी कार्यक्रमों में भी नहीं आते और घरों से ही नेतागिरी कर रहे है। कृष्णा शर्मा ने कहा अब जबकि कांग्रेस विपक्ष में है इन नेताओं की जिम्मेदारी और ज्यादा हो जाती है कि वे सक्रिय होकर पार्टी के लिए काम करें। जनता की आवाज को प्रमुख नेताओं के सामने रखें, ताकि उनका समधन हो सके या फिर उनके लिए आंदोलन की रूपरेखा बन सके। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ ही नेता हैं, जो सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे नेताओं को पार्टी आगे बढ़ने पर भी विचार करेगी। उन्होंने कहा कि निष्क्रिय नेता केवल बड़े नेताओं को शक्ल दिखाने के लिए ही घरों से बाहर आते हैं।

मुख्य न्यायाधीश बोले-जमानत मिलने पर भी जेल में रहता है गरीब

वह सिक्योरिटी जमा नहीं करा पाता; यह सिस्टम का फेल्योर, आज तक इसका हल नहीं निकला

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने कहा कि गरीब आदमी जमानत मिलने के बाद भी जेल से बाहर नहीं आ पाता है।

पहले तो वह कोर्ट तक नहीं पहुंच पाता है। अगर कोर्ट में पहुंचने पर उसे बेल मिल जाती है तो भी वह गरीबी के चलते जेल से बाहर नहीं आ पाता है।

सीजे ने कहा- गरीबी की वजह से वह बेल बॉन्ड नहीं भर पाता है, सिक्योरिटी जमा नहीं करा पाता है। इसलिए उसके मामले में जितनी सजा होती है, उससे ज्यादा समय तक जेल में रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह सिस्टम का फेल्योर है, जिसे आज तक कोई डिटेक्ट नहीं कर पाया। मुख्य न्यायाधीश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लीगल एड डिफेंस कौंसिल के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

आरोपी को किसी मामले में लीगल एड (विधिक सहायता) मिली। बेल का ऑर्डर हो गया, आपने परिजनों को बेल ऑर्डर दे दिया। वह जेल अथॉरिटी के पास पहुंचे। उसके घरवालों ने कहा- हम बेल बॉन्ड नहीं भर सकते हैं। मामला वहीं ठंडा हो गया।

सीजे ने कहा- ऐसा कैसा सिस्टम था कि पूरा सिस्टम इस चीज को समझ नहीं पाया। जेल वाले भी नहीं समझ पाए, परिवार वाले नहीं समझ पाए। हमारे लीगल एड क्लिनिक भी कुछ नहीं कर पाए और वह व्यक्ति पूरी सजा से ज्यादा समय तक जेल में रहा।

मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने कहा- इसकी कई समस्याएं है। पहला व्यक्ति बाहर नहीं आ पाता है। दूसरा हमारी जेलों में लगातार भीड़ बढ़ रही है। उन्होंने कहा- आप जो लीगल एड डिफेंस कौंसिल है। आपके पास जब कोई केस आता है, तब आप उस पूरे केस में लीगल एड डिफेंस कौंसिल होते हैं, केवल कोर्ट के अंदर नहीं। बल्कि उस पूरे केस में आप उसके घरवालों से कॉन्टैक्ट करते हैं।

मंत्री नहीं बता रहे अपनी संपत्ति: सालभर में पोर्टल पर अपलोड करने का नियम

टॉप अफसरों ने बताया कितने फ्लैट-प्लॉट खरीदे

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार को एक वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन किसी भी मंत्री ने संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश हैं कि हर साल मंत्री अपनी संपत्ति का ब्योरा देंगे। इसके लिए बाकायदा तय फॉर्मेट है। मंत्रियों ने एक साल में अपनी संपत्ति कितनी बढ़ाई-घटाई, क्या खरीदा क्या बेचा इन सबका ब्योरा हर साल में सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की वेबसाइट पर सार्वजनिक करना जरूरी होता है।

भास्कर ने जीएडी की वेबसाइट पर जाकर देखा तो वहां केवल पूर्व मंत्रियों की संपत्ति का हाइपर लिंक दिया हुआ है। वह भी ओपन नहीं हो रहा है। मौजूदा सरकार के एक भी मंत्री की संपत्ति का ब्योरा हाइपर लिंक नहीं है। पिछले 20 साल के शासन को देखें तो महज एक ही मुख्यमंत्री के कार्यकाल में ऐसा हुआ था जब मंत्रियों की संपत्ति वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई थी।

इसके उलट गजेटेड अधिकारियों पर लागू इसी नियम को सख्ती से लागू किया जा रहा है। मुख्य सचिव तक अपनी संपत्ति सार्वजनिक कर चुके हैं। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार एवं उत्तराखंड में सरकार के मंत्री-विधायक अपनी संपत्ति का ब्योरा हर साल सार्वजनिक कर रहे हैं।

राजस्थान सरकार में मौजूदा समय में मुख्यमंत्री सहित कुल 24 मंत्री हैं। सभी ने अपनी संपत्ति, लेनदारी-देनदारी के बारे में आखिरी बार सार्वजनिक जानकारी नवंबर 2023 में विधानसभा चुनाव लड़ने के वक्त दिए गए एफिडेविट में ही बताई थी। मंत्रियों का कहना है कि हम तो विवरण मुख्यमंत्री को दे रहे हैं। अब इसे सार्वजनिक करना है या नहीं यह निर्णय मुख्यमंत्री को करना है। संपत्ति का ब्योरा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दिया जाता है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) रिपोर्ट और राजस्थान इलेक्शन वॉच के मुताबिक, भजनलाल सरकार के सभी मंत्री करोड़पति हैं। इनकी औसत संपत्ति 7.08 करोड़ रुपए है। यह रिपोर्ट सरकार में शपथ ग्रहण करने वाले 25 मंत्रियों की विधानसभा चुनाव 2023 में नामांकन भरने के दौरान दिए गए एफिडेविट के आधार पर तैयार की गई थी। हालांकि बाद में सुरेंद्र पाल सिंह टीटी चुनाव हार गए थे। ऐसे में अभी मौजूदा मंत्री 24 ही हैं।

केंद्र सरकार वर्ष 2010 में संपत्ति सार्वजनिक करने का नियम बना चुकी है। नियमानुसार केंद्र अथवा राज्य के मंत्री प्रतिवर्ष 31 अगस्त तक अपनी चल और अचल संपत्ति की जानकारी केंद्र सरकार के मामले में प्रधानमंत्री को और राज्य सरकार के मामले में संबंधित मुख्यमंत्री को देंगे। बावजूद इसके कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। एकमात्र गहलोत सरकार के कार्यकाल में 2009 से 2013 तक हर साल मंत्रियों की संपत्ति जीएडी की वेबसाइट पर अपलोड की जाती थी।

राजस्थान में पिछली दो सरकारों से एक भी बार ऐसा नहीं हुआ। वर्ष 2013 में राजस्थान में सत्ता परिवर्तन हुआ। बीजेपी की सरकार बनी तो इसने पहले वर्ष से हो संपत्ति सार्वजनिक करना बंद कर दिया। फिर 2018 में जब कांग्रेस की सरकार लौटी। उसने भी बीजेपी को ही फॉलो किया। एक भी मंत्री ने किसी भी वर्ष संपत्ति सार्वजनिक नहीं की।

प्रशासन विभाग के सचिव बोले- नियम है तो चेक करवाएंगे

इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव जोगाराम ने कहा- ऐसा कोई नियम है क्या? पहले भी दिया था क्या संपत्ति का ब्योरा? चेक करवाएंगे। मैंने अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी ली है। नियमों के मुताबिक काम करने के लिए बोला है। बिहार जैसे कुछ राज्यों में संपत्ति का ब्योरा पब्लिक डोमेन में दिया है। ऐसा यहां भी करेंगे। इतना सबकुछ तब है जब सामान्य प्रशासन विभाग ने ही हर साल संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का आदेश जारी किया हुआ है। बावजूद इसके सचिव इस तरह की बात कर रहे हैं।

दिन में मजदूरी, रात को ग्रुप बनाकर करते रेप

आरोपी बोले- कितनी नाबालिग और महिलाओं से रेप किए याद भी नहीं

आरोपी दीपक पुत्र हीरालाल | दीपक पुत्र मोहन लाल | जमनाशंकर मीना | पुष्कर मीना | प्रकाश मीना

प्रतापगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। बिजयनगर में नाबालिग छात्राओं से दुष्कर्म और ब्लैकमेल मामले को लेकर प्रदेश खौफजदा है। तीन साल पहले जनवरी 2022 में धरियावद (प्रतापगढ़) में ऐसी ही रोंगटे खड़ी कर देने वाली वारदात सामने आई थी। इसमें कोर्ट में सुनवाई अंतिम दौर में है।

7 बदमाश पीड़िता को सुनसान इलाके में ले जाते, जहां बारी-बारी से दुष्कर्म करते और वीडियो बनाते। नाबालिग बच्ची वीडियो नहीं बनाने की प्रार्थना करती तो बदमाश मारपीट करते। हर बदमाश दो-दो बार रेप करता। एक हाईवे पर निगरानी करता, एक वीडियो बनाता, तीसरा लड़की को पकड़ता और चौथा दुष्कर्म करता। किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी देते। इसी खौफ के चलते कोई महिला सामने नहीं आई। एसपी की समझाइश पर दो पीड़ितों ने एफआईआर करवाई। जब आरोपियों कहना था कि उनको याद भी नहीं कि कितनी लड़कियों से दुष्कर्म किया। फैसला जल्द आ सकता है। अंतिम दौर की सुनवाई चल रही है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक तरुण दास बैरागी पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने अब तक 145 से ज्यादा दस्तावेज और सबूत अदालत में पेश किए हैं। एक मामले में 24 और दूसरे में 28 गवाह हैं। हाईकोर्ट में आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज की जा चुकी हैं।

बदमाश दिन में कोई सब्जी की रेड़ी लगाता, कोई मजदूरी करता, शाम में जिम जाते। रात में पेट्रोल पंप के पास सुनसान इलाके में शराब पार्टी करते। महिला के साथ बाइक पर गुजरने वाले का पीछा करते। लूट की वारदात करते। महिला को सुनसान इलाके में ले जाकर दुष्कर्म करते और वीडियो बनाते। उसके बाद महिला के गांव से 2-3 किमी पहले बाइक पर छोड़कर आ जाते। 7 आरोपियों में दो सगे भाई हैं। आरोपी पुष्कर और दीपक के छोटी-छोटी बच्चियां भी हैं। अन्य आरोपियों में दीपक कीर, उमेश कीर, इरफान, प्रकाश मीना और जमना शंकर मीना है।

धरियावद पुलिस ने वजपुरा मार्ग पर तीन बदमाशों को लूट की साजिश रचते गिरफ्तार किया। लेकिन इनके मोबाइल से दिल दहला देने वाले वीडियो मिले। जांच तत्कालीन एसपी डॉ. अमृता दुहान पहल पर ही दो महिलाओं ने केस दर्ज कराया। अभियोजक तरुण दास बैरागी ने बताया-यह मामला केस ऑफिसर स्कीम के तहत था। एसपी के निर्देशन में एक पूरी टीम गठित की गई थी। तात्कालिक एसपी अमृता दुहान इस मामले की केस ऑफिसर थीं। पीड़ितों को गांव से लेकर कोर्ट तक पुलिस जीप में सुरक्षित लाया जाता था, ताकि उनके साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी न हो।

बुजुर्गों की पेंशन को लेकर मंत्री अविनाश गहलोत ने विधानसभा में किया बड़ा एलान

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने 91 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थियों के भौतिक सत्यापन की तारीख बढ़ाने का निर्णय लिया है। विधानसभा में विधायक राधेश्याम बैरवा द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र लाभार्थी पेंशन से वंचित न रहे। इसके लिए सत्यापन की अंतिम तिथि 31 मार्च तक बढ़ा दी गई है।

बताते चलें कि सरकार द्वारा चलाई जा रही वृद्धजन पेंशन, एकल नारी पेंशन, विशिष्ट योग्यजन पेंशन, कृषक वृद्धजन पेंशन जैसी योजनाओं के तहत राज्य में कुल 91 लाख लोग पेंशन का लाभ ले रहे हैं। लेकिन हाल ही में सामने आई जानकारी के अनुसार, इनमें से केवल 73 लाख लोगों का ही सत्यापन हुआ है, जबकि लगभग 14 लाख लाभार्थियों का सत्यापन अभी भी बाकी है। पहले यह संख्या 18 लाख बताई जा रही थी, लेकिन सरकार ने इसे सही करते हुए 14 लाख बताया।

नियमों के अनुसार, हर साल नवंबर में सभी लाभार्थियों का भौतिक सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाता है। इस बार सत्यापन प्रक्रिया 31 मार्च तक बढ़ा दी गई है ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी सत्यापन करा सकें और उनकी पेंशन बाधित न हो। मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि हमारी कोशिश है कि 95% से अधिक लाभार्थियों का सत्यापन समय पर पूरा हो जाए, ताकि किसी को पेंशन से वंचित न होना पड़े।

जानकारी के मुताबिक प्रदेश के 13 जिलों में 50,000 से अधिक लाभार्थियों का सत्यापन नहीं हुआ है। इनमें कुछ प्रमुख जिलों में सत्यापन न होने वाले लाभार्थियों की संख्या इस प्रकार है। जयपुर में 6 लाख, जोधपुर में 86,000, जालौर में 61,000, उदयपुर में 70,000 और भीलवाड़ा में 90,000 हैं। इसके अलावा, 90 साल से अधिक उम्र के 3,216 लाभार्थी ऐसे हैं, जिन्हें पेंशन की सबसे ज्यादा जरूरत है, लेकिन सत्यापन न होने से वे भी इस संकट में फंस गए हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि जो लाभार्थी 31 मार्च तक अपना सत्यापन नहीं करवाएंगे, उनकी पेंशन अस्थायी रूप से रोक दी जाएगी। हालांकि, सरकार सत्यापन के लिए अधिक से अधिक मौके देने की कोशिश कर रही है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना से वंचित न रहे। बता दें, सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए लाभार्थियों को अपने आधार कार्ड, पेंशन पासबुक और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ नजदीकी ई-मित्र केंद्र या सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय में जाना होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक की मुलाकात

आबूरोड, 10 मार्च (एजेंसियां)। आबूरोड रेलवे स्टेशन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और कांग्रेस विधायक मोतीराम कोली की मुलाकात हुई। इसी दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि यह बछड़ा तो हमारा ही था, जो खूंटा तोड़कर भाग गया। जिसपर हंसते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाग नहीं गया, दूध पीकर वापस आएगा। जिसके बाद सभी नेता जोर से हंसने लगे। दरअसल भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ अपने सिरोही एक दिवसीय दौरे को पूरा कर दिल्ली जाने के लिए आबूरोड स्टेशन पहुंचे थे। वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ स्टेशन के वेटिंग रूम में भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठे थे। इसी दौरान रेवदर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेसी विधायक मोतीराम कोली भी जयपुर जाने क़े लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद कोली उनसे मिलने वेटिंग रूम में पहुंचे। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोबाइल पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच देखते नजर आए।

शिक्षकों के पदोन्नति का रास्ता साफ

मदन दिलावर ने किया बड़ा एलान

नागौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर नागौर दौरे पर रहे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री दिलावर ने शिक्षकों को लेकर बड़ा एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने पांच साल के कार्यकाल के दौरान शिक्षकों की पदोन्नति नहीं की। वर्तमान सरकार 50 हजार शिक्षकों की पदोन्नति करेगी। इसके साथ ही नई शिक्षक भर्ती की जाएगी।

दिलावर ने कहा कि अब बोर्ड परीक्षाओं में कम नंबर आने पर बच्चों को उत्तर पुस्तिकाओं की री-टोटलिंग के साथ री-चेकिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे बच्चे को किसी प्रकार की शंका नहीं रहेगी। री-चेकिंग की व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गणित विषय करेंगे।

उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रश्न पत्र अब तीन-चार खंडों में विभाजित कर विभिन्न विशेषज्ञों से तैयार कराए जाएंगे। इस नई व्यवस्था से पेपर लीक और नकल माफिया पर प्रभावी अंकुश लगेगा। परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष होगी।

दिलावर ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में आधे से कम नंबर आने पर विद्यार्थी तो पास हो जाएगा, लेकिन शिक्षक फेल हो जाएंगे। और ऐसे शिक्षकों के लिए मेरे पास बहुत अच्छी-अच्छी जगह हैं। गंगानगर में होगा तो बांसवाड़ा लगा देंगे और बांसवाड़ा में होगा तो गंगानगर लगा देंगे। इससे शिक्षक अच्छी पढ़ाई करवाने लग जाएंगे। हालांकि मंत्री ने कहा कि ऐसी नौबत नहीं आएगी। अब शिक्षक पढ़ाई अच्छी करवा रहे हैं।

रणथंभौर नेशनल पार्क में बाघिन टी-125 के शावक की मौत, पिछले 2 साल में 17 बाघों की जान गई

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के रणथंभौर नेशनल पार्क में एक और बाघ की मौत हो गई है। वन विभाग को एक और मृत टाइगर शावक मिल है, जिसे शावक बाघिन टी 125 का बताया जा रहा है। शावक का शव नेशनल पार्क के भदलाव वन क्षेत्र में मिला है। वन विभाग ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है।

भदलाव वन क्षेत्र में दो दिन पूर्व गश्त के दौरान वन विभाग की टीम को बाघिन टी-125 रिद्धि व उसके शावकों को विचरण करते देखा था। शनिवार रात को नर बाघ टी-2311 के कैमरा ट्रेप में फोटो भी प्राप्त हुए। प्रथम दृष्टया शावक को किसी बाघ द्वारा मारा गया है। शावक के शव का पोस्टमार्टम कर विसरा के नमूने लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए लेब भेजा जाएगा। शव का राजबाग नाका पर दाह संस्कार कर दिया गया है। मृत टाइगर शावक की उम्र करीब 8 माह है।

रणथंभौर नेशनल पार्क बाघों की अठखेलियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है लेकिन अब यहां बाघों की संख्या तेजी से कम हो रही है। पार्क में पिछले दो सालों में आज सहित 17 बाघों की मौत हो चुकी है।

जोधपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी

जयपुर जाने वाले यात्री परेशान

जोधपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। फ्लाइट संख्या 6E7406 में आई तकनीकी खराबी, जोधपुर-जयपुर की है फ्लाइट अहमदाबाद से सुबह 8:37 बजे पहुंची थी जोधपुर। सुबह 9:08 बजे जोधपुर से जयपुर के लिए उड़ान भरनी थी। यात्रियों को भी प्लेन में बैठा दिया गया था। तभी फ्लाइट के अंदर तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को वापस उतरने के लिए कहा गया। खराबी के कारण फ्लाइट को रद्द कर दिया गया है।

मोबाइल बैटरी ब्लास्ट से हुआ बड़ा हादसा

14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल, इलाके में दहशत

नागौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले के नावांशहर क्षेत्र के ठीकरिया कला गांव में मोबाइल बैटरी ब्लास्ट होने से 14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस वक्त हुआ जब किशोर ने मोबाइल की बैटरी निकालकर उसे सीधे बिजली के बोर्ड में चार्जिंग के लिए लगा दिया। जैसे ही बैटरी को सॉकेट में जोड़ा गया, अचानक तेज धमाके के साथ उसमें विस्फोट हो गया। ब्लास्ट की आवाज सुनते ही घर के परिजन और आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे, जहां हितेश पुत्र ताराचंद गंभीर हालत में पड़ा हुआ था। विस्फोट के कारण उसके हाथ, पैर, छाती और प्राइवेट पार्ट पर गंभीर चोटें आईं। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि उसके कपड़े भी जगह-जगह से जल गए और चिथड़े हो गए। बैटरी में हुए धमाके के कारण उसमें मौजूद लिथियम के गर्म कणों ने हितेश के शरीर को बुरी तरह झुलसा दिया। हादसे के बाद परिजन तुरंत उसे लेकर राजकीय उपजिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया लेकिन हाथ और प्राइवेट पार्ट में गंभीर चोटें होने के कारण डॉक्टरों ने उसे कुचामन के बड़े अस्पताल में रैफर कर दिया। हितेश की स्थिति नाजुक बनी हुई है और डॉक्टरों की विशेष निगरानी में उसका इलाज जारी है।

खड़ी फसलों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है : उत्तम रेड्डी

> रबी फसल पर जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि खड़ी फसलों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने के लिए घनिष्ठ समन्वय में काम करना चाहिए कि किसानों को जल की कमी या विद्युत आपूर्ति में व्यवधान जैसे बाहरी कारकों के कारण नुकसान न उठाना पड़े।

मंत्री उत्तम ने अधिकारियों को सक्रिय रहने और रबी फसल सीजन के महत्वपूर्ण अंतिम चरण के दौरान किसानों के सामने आने वाली किसी भी चुनौती का समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि सिंचाई जल की उपलब्धता के बारे में गलत सूचना फैलाई जा रही है और अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों का व्यक्तिगत रूप से दौरा करके और जनता को वास्तविक स्थिति बताकर इस तरह के झूठे प्रचार का मुकाबला करने का आह्वान किया। सोमवार शाम को उत्तम कुमार रेड्डी ने कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, मुख्य सचिव शांति कुमारी, कृषि सचिव रघुनंदन राव और टीएसएसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ के साथ मिलकर राज्य भर के जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों (एसपी), कृषि अधिकारियों और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की। बैठक के दौरान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अगले 15 दिनों में रबी की फसल कटाई के लिए तैयार हो जाएगी। उन्होंने जिला अधिकारियों को निकट समन्वय में काम करने, नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करने और किसानों को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। अंतिम चरण में सिंचाई के पानी के महत्व को देखते हुए उन्होंने सिंचाई विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि पानी की आपूर्ति कृषि भूमि के अंतिम संभावित हिस्से तक पहुंचे। बिजली आपूर्ति की स्थिति पर उत्तम कुमार रेड्डी ने आश्वस्त किया कि अभी तक कोई व्यवधान नहीं हुआ है। हालांकि, उन्होंने अधिकारियों से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने का आग्रह किया, खासकर सिंचाई जरूरतों के लिए। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने बड़े पैमाने पर फसल के नुकसान की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि कुछ समूह गलत सूचना फैलाकर स्थिति का राजनीतिक फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोरवेल सूख जाना या मोटर खराब हो जाना जैसी प्राकृतिक घटनाएं सिस्टम की विफलता का संकेत नहीं हैं और इनका गलत अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से सतर्क रहने, प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत हस्तक्षेप करने और किसानों को और अधिक असुविधा से बचाने के लिए आवश्यक उपाय लागू करने का आग्रह किया।

मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि सरकार रबी फसल की स्थिति पर सक्रिय रूप से नजर रख रही है और लगातार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रख रही है। उन्होंने बताया कि नवीनतम उपायों के तहत सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्नपूर्णा सागर से रंगनायक सागर तक 1.5 टीएमसी पानी छोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त, दक्षता बढ़ाने के लिए सिंचाई विभाग के समन्वय से पंप हाउसों की मरम्मत की जा रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने इस महत्वपूर्ण फसल अवधि के दौरान किसानों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और आश्वासन दिया कि निर्बाध सिंचाई और बिजली आपूर्ति सहायता प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कविता ने रेवंत पर राज्य को वित्तीय संकट में डालने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति एमएलसी कलवकुंतला कविता ने आज सीएम रेवंत रेड्डी की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उन्होंने बेतहाशा उधार लेकर और चुनावी वादों को पूरा न करके तेलंगाना को वित्तीय संकट में डाल दिया है। सोमवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए एमएलसी कविता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि महज 15 महीनों में कांग्रेस सरकार ने 1.52 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम कर्ज लिया है, लेकिन अपने चुनाव अभियान के दौरान किए गए वादों में से एक भी प्रमुख कल्याणकारी योजना को लागू करने में विफल रही। उन्होंने मांग की कि सरकार लिए गए सभी ऋणों और उनके उपयोग का ब्यौरा देते हुए एक व्यापक श्वेत पत्र जारी करे। महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया गया था। दुल्हनों को 10 ग्राम सोना देने का वादा किया गया था। युवतियों को इलेक्ट्रिक स्कूटर की उम्मीद थी। किसानों को कर्जमाफी और बोनस देने का वादा किया गया था। एक भी वादा पूरा नहीं किया गया। गरीबों को छोड़ दिया गया है, जबकि बड़े ठेकेदारों को भुगतान निर्बाध जारी है, बीआरएस नेता कविता ने राज्य में वित्तीय संकट के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दावों का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि तेलंगाना प्रति माह 18,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व उत्पन्न करता है, लगभग 6,000 करोड़ रुपये खर्च करता है और एक स्वस्थ अधिशेष बनाए रखता है। दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य पूंजीगत व्यय के लिए 500 करोड़ रुपये वहन नहीं कर सकता। वास्तव में, तेलंगाना बुनियादी ढांचे पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये मासिक खर्च करता है। यह जानबूझकर गलत सूचना राज्य की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचा रही है, उन्होंने कहा और कांग्रेस सरकार पर सामाजिक जागरूकता, दृष्टि और लोगों की सेवा करने के इरादे की कमी का आरोप लगाया।

प्रो. नागालापल्ली नागा राजू ने इफ्लू के कुलपति का पदभार संभाला

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार संभालने पर प्रो.एन. नागा राजू ने कहा, एक मजबूत विश्वविद्यालय बनाने के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और दृष्टिकोणों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विश्वविद्यालय के विजिटर के रूप में राष्ट्रपति ने उन्हें कुलपति नियुक्त किया और इसके परिणामस्वरूप प्रभारी कुलपति प्रो. हरिबंडी लक्ष्मी ने आज उन्हें कार्यभार सौंप दिया। प्रो. नागा राजू अपनी नई भूमिका में बहुत अनुभव लेकर आए हैं। वे चार साल तक ओडिशा के संबलपुर स्थित गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय के कुलपति, गुलबर्गा स्थित कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय और अरुणाचल प्रदेश के राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्रोफेसर रह चुके हैं।

उन्होंने आंध्र प्रदेश के राजमंड्री स्थित आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय में अकादमिक सलाहकार और आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी स्थित श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में भी काम किया है। शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासन में 37 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने भारत में सराहनीय मान्यता प्राप्त की है।

एमआरपीएस ने सीएम से एससी वर्गीकरण होने तक नौकरी की अधिसूचनाएं रोकने की मांग की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीपीएससी आज से तेलंगाना में विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम जारी कर रहा है। आयोग ने ग्रुप-1 परीक्षाओं के लिए अनंतिम अंकों की सूची जारी की है। ग्रुप 2 परीक्षाओं के लिए सामान्य रैंक कार्ड मंगलवार को जारी किए जाएंगे। हालांकि, एमआरपीएस के संस्थापक अध्यक्ष मंदा कृष्ण मदिगा ने मांग की है कि एससी वर्गीकरण होने तक सभी नौकरी परीक्षा परिणाम रोक दिए जाने चाहिए।

एमआरपीएस के तत्वावधान में सोमवार को इंदिरा पार्क में आयोजित रिले भूख हड़ताल में वे मुख्य अतिथि थे। कृष्ण मदिगा ने मांग की कि सीएम रेवंत रेड्डी पिछली नौकरी अधिसूचनाओं पर एससी वर्गीकरण लाभ लागू करने के अपने पहले के वादे को निभाएं। उन्होंने कहा कि एससी वर्गीकरण अधिनियम (2000) तब बनाया गया था जब चंद्रबाबू संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा कि अधिनियम में खंड 4 डाला गया था ताकि वर्गीकरण के सिद्धांत को पहले दी गई हर नौकरी अधिसूचना पर लागू किया जा सके। उन्होंने सुझाव दिया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को अब अधिनियम पर गौर करना चाहिए। उन्होंने कहा, कुछ लोग गलत सूचना फैला रहे हैं कि पहले दिए गए वर्गीकरण के अनुसार नौकरी पाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर रेवंत रेड्डी चंद्रबाबू द्वारा अतीत में दिखाई गई ईमानदारी दिखाते हैं, तो हर नौकरी अधिसूचना वर्गीकरण लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्गीकरण विरोधी फैसले को तेजी से लागू किया गया और सवाल किया कि वर्गीकरण कार्यान्वयन फैसले को लागू करने में बाधाएं क्यों डाली जा रही हैं।

बोतल का ढक्कन निगलने से 9 महीने के बच्चे की मौत

मंचेरियल, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लक्सेटीपेट कस्बे के उटकुर में रविवार देर रात शीतल पेय की बोतल का ढक्कन निगलने से नौ महीने के एक बच्चे की मौत हो गई। सुरेंद्र के छोटे बेटे रुद्र अयान को ढक्कन निगलने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वह ढक्कन निगलने के बाद बेहोश हो गया था, जब उसके माता-पिता कोम्मुगुडेम में उसके दादा-दादी के घर पर एक समारोह में भाग लेने में व्यस्त थे, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया।

कांग्रेस और बीआरएस ने एमएलसी चुनावों में मिलीभगत की : एनवीएसएस प्रभाकर

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा नेता और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों ने हाल ही में तेलंगाना में स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनावों में मिलीभगत की है। सोमवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी तेलंगाना कांग्रेस प्रभारी थीं, तब दोनों पार्टियों के बीच एक तरह की लड़ाई थी। उन्होंने दावा किया, अब वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्य कांग्रेस पार्टी प्रभारी के रूप में आने के बाद, कोई वास्तविक लड़ाई नहीं है।

एक को मौत की सजा, सात को आजीवन कारावास

> सनसनीखेज ऑनर किलिंग मामले में आया फैसला

नलगोंडा, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा विशेष अदालत ने 14 सितंबर, 2018 को पेरुमल्ला प्रणय कुमार के सनसनीखेज ऑनर किलिंग मामले में सोमवार को एक आरोपी को मृत्युदंड और छह अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एक आरोपी मारुति राव की मुकदमे के दौरान आत्महत्या से मौत हो गई थी। शेष सात आरोपियों में से सुभाष शर्मा को मौत की सजा सुनाई गई, जबकि असगर अली, अब्दुल बारी, एमए करीम, श्रवण, शिवा और एमए निजाम सहित बाकी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। प्रणय ने अमृता वर्षिणी से उसके परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी की थी। अमृता वर्षिणी के पिता मारुति राव प्रणय से इसलिए रंजिश रखते थे क्योंकि वह दलित था। उसने प्रणय को खत्म करने की योजना बनाई और 14 सितंबर, 2018 को नलगोंडा में एक अस्पताल के बाहर दो लोगों ने प्रणय की हत्या कर दी।

धमाईगुडा स्थित श्री वैष्णव धाम राम मंदिर में तेलंगाना वैष्णव समाज के सानिध्य में फाल्गुन मास के पावन अवसर पर पुजा-अर्चनाकर फुलों की होली कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष विष्णु रामावत, सम्पत दास, बाबूलाल वैष्णव, संतोष टीलावत, ओमप्रकाश, प्रकाश, सुरेश, लक्ष्मण वैष्णव व समाज बन्धु।

खतरनाक! पबजी खेलते पकड़ा गया कैब ड्राइवर

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस, दिखा आक्रोश

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक कैब ड्राइवर का एक खतरनाक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वह गाड़ी चलाते हुए पबजी खेल रहा है। इससे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। एक रेडिट यूजर ने वीडियो पोस्ट किया है जिसमें ड्राइवर एक हाथ स्टीयरिंग व्हील पर और दूसरा हाथ फोन पकड़े हुए दिख रहा है। रेडिटर्स ने इस विचारहीन आचरण पर हैरानी से प्रतिक्रिया व्यक्त की। एक उपयोगकर्ता ने मज़ाक में कहा कि चिकन डिनर जेल में होगा, जबकि दूसरे ने कहा कि निश्चित रूप से मज़ाक नहीं है, यात्रियों की सुरक्षा जोखिम में है। दूसरों ने यह भी सुझाव दिया कि इस तरह की लापरवाही के खिलाफ़ गंभीर कार्रवाई की जानी चाहिए। एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की कि अगर मैं होता, तो मैं उसे स्पष्ट चेतावनी देता।

भाजपा नेता एवं जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल ने गोशामहल पेट्रोल पंप के पास नई बड़ी सीवरेज लाइन के लिए चल रहे विकास कार्य का निरीक्षण किया। उनके साथ अधिकारीगण हिंदी नगर मानेगर कुल शेखर, मुरली, सुधीर, रामकृष्ण (कटप्पा), प्रवीण, पवन और स्थानीय लोग शामिल हुए।

सार्वजनिक सेवा आवेदनों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों पर प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय करके शीघ्रता से हल करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। सोमवार को जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड ने आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव के साथ जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट के कॉन्फ्रेंस हॉल में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए। रेबेना मंडल के नम्बाला गांव की निवासी मसादी राजेश्वरी ने एक आवेदन प्रस्तुत कर अनुरोध किया कि उनकी पट्टा भूमि की माप की जाए तथा उसकी सीमाएं निर्धारित की जाएं। तिरयानी मंडल के चिंतापल्ली गांव के आदिवासियों ने सागर परियोजना में मछली पालन का अवसर प्रदान करने की मांग को लेकर एक याचिका प्रस्तुत की गई। बेज्जुर मंडल के मुंजमपल्ली गांव के निवासी चापिडी शंकर ने अपनी भूमि का स्वामित्व हटाने की मांग की, क्योंकि यह निषिद्ध सूची में है। कौटाला मंडल केंद्र के दुर्गम शंकर ने सदाराम शिविर में एक आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें विकलांग व्यक्ति के रूप में प्रमाण पत्र जारी करने का अनुरोध किया गया। वानकीडी मंडल के डाबा गांव निवासी मुरली महेंद्र ने विकलांगता पेंशन दिए जाने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान प्राप्त आवेदनों की फील्ड स्तर पर जांच करें तथा निर्धारित समयावधि में उनका निराकरण करने के लिए कदम उठाएं। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं आवेदकों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'विमान निर्माण के ...

नायुडू ने कहा, जब विमान के निर्माण की बात आती है तो हम कह सकते हैं कि भारत अब उस चरण में है जहां हम विमान का निर्माण कर सकते हैं, डिजाइन कर सकते हैं और उनका रखरखाव कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने समग्र दृष्टिकोण अपनाया है और क्षेत्रीय परिवहन विमान निर्माण के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

राज्यों की अहम भूमिका :

उड्डयन मंत्री ने कहा, हमारे पास पांच साल के लिए एक एसपीवी बनाने की योजना है, इसके लिए सरकार सभी हितधारकों को साथ लाने और रोडमैप बना रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार मेक इन इंडिया पहल को आगे बढ़ा रही है और राज्य इसमें प्रमुख खिलाड़ी हैं। नायुडू ने कहा कि इसके लिए कौशल भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि 58 कार्यरत एफटीओ (फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन) हैं और विमान घटकों के निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। स्वदेशी 19-सीटर लाइट ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट सारस एमके2 का विकास का काम जारी है।

चुनाव आयोग की ...

डीएमके सांसद पी विल्सन ने कहा कि राज्यसभा में परिसीमन के मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं मिलने के कारण उनकी पार्टी ने वॉकआउट किया। उन्होंने बताया कि डीएमके नेताओं तिरुची शिवा और उन्होंने राज्यसभा में नियम 267 के तहत नोटिस दिया था। मामले में डीएमके का कहना है कि तमिलनाडु की जनसंख्या वृद्धि दर कम होने के कारण सीटों का उचित पुनर्वितरण होना चाहिए। 2026 में प्रस्तावित परिसीमन में दक्षिणी राज्यों की सीटें घटने की आशंका है, जिससे संसद में उचित प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है।

सरकार ने किया विपक्ष पर पलटवार :

वहीं राज्यसभा में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का उद्देश्य सिर्फ संसद की कार्यवाही को बाधित करना है। उन्होंने विपक्ष केनियम 267 के तहत दिए गए नोटिस को राजनीति से प्रेरित बताया। जेपी नड्डा ने कहा, सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। इस दौरान डीएमके सांसद तिरुची शिवा ने कहा कि परिसीमन को लेकर उनकी चिंता वास्तविक है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किया गया तो कई दक्षिणी राज्यों की सीटें कम हो जाएंगी, जिससे उनके साथ अन्याय होगा।

'महाकुंभ के दौरान ...

बाद में सीपीसीबी ने निगरानी स्थानों की संख्या बढ़ाकर 10 कर दी और जल गुणवत्ता डाटा की उपलब्धता में सुधार के लिए 21 फरवरी से प्रतिदिन दो बार परीक्षण शुरू किया।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ के लिए गंदे पानी के उपचार के लिए 10 एसटीपी स्थापित किए। साथ ही 21 अप्रयुक्त नालों से अपशिष्ट जल के उपचार के लिए अस्थायी समाधान के रूप में सात जियो-ट्यूब स्थापित किए गए। मेला क्षेत्र में 500 किलोलीटर प्रतिदिन (केएलडी) क्षमता वाले तीन पूर्वनिर्मित अस्थायी एसटीपी तथा 200 केएलडी की कुल क्षमता वाले तीन मल-गाद उपचार संयंत्र स्थापित किए गए।

यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश जल निगम ने अपशिष्ट जल के उपचार और अनुपचारित जल को गंगा में जाने से रोकने के लिए उन्नत ऑक्सीकरण तकनीक का उपयोग किया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में शौचालय और मूत्रालय बनाए गए हैं। कूड़े के निपटान के लिए लाइनर बैग के साथ कूड़ेदान भी रखे गए।

तीन फरवरी को सीपीसीबी ने सौंपी थी रिपोर्ट

सीपीसीबी ने महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में गंगा की वास्तविक स्थिति को लेकर तैयार रिपोर्ट की थी। 3 फरवरी को एनजीटी में सौंपी अपनी रिपोर्ट में सीपीसीबी ने कहा था कि महाकुंभ के दौरान संगम का पानी नहाने योग्य नहीं है। टीम ने पाया था कि फेकल कोलीफोर्म 230 एमपीएन/100 मिलीग्राम के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार गैर-अनुपालन मिले।

इसके बाद जब 28 फरवरी को एनजीटी को सौंपी गई नई रिपोर्ट में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कहा था कि सांख्यिकीय विश्लेषण से पता चला है कि महाकुंभ के दौरान पानी की गुणवत्ता स्नान के लिए लायक थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अलग तारीखों पर एक ही जगह और एक दिन में अलग-अलग स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों के आंकड़ों में भिन्नता थी। इनसे नदी के समग्र जल की गुणवत्ता का पता नहीं चलता। एनजीटी ने 23 दिसंबर को निर्देश दिया था कि महाकुंभ के दौरान गंगा और यमुना की जल गुणवत्ता की निगरानी नियमित अंतराल पर की जानी चाहिए।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-आईआईसीटी में 10 मार्च को 'विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई के प्रो. राजीव प्रकाश,विशिष्ट अतिथि आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के प्रोफेसर प्रोफेसर विनोद तिवारी मौजूद थे।

आईआईसीटी के निदेशक डॉ.डी. श्रीनिवास रेड्डी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि विकसित भारत की संकल्पना विज्ञान के बिना संभव नहीं है। विज्ञान न केवल उद्योगों को बढ़ावा देता है बल्कि लोगों के जीवन-स्तर को भी बढ़ाता है। साथ ही तर्कसंगत सोच को बढ़ावा देता है।

संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ.एस.पी. सिंह ने कहा कि हैदराबाद बिरयानी के साथ-साथ विज्ञान और हिंदी के लिए भी देशभर में प्रसिद्ध है। यह संगोष्ठी तीनों का समन्वय है। आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक श्री एम. आनंद कुमार ने कहा कि राजभाषा हिंदी न केवल प्रशासनिक कार्यों में बल्कि हमारा प्रयास है कि यह विज्ञान जैसे अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में माध्यम बने।

मुख्य अतिथि डॉ. राजीव प्रकाश ने विकसित भारत के निर्माण के लिए अपनी भाषा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विकसित भारत के लिए सतत विकास पर जोड़ दिया। डॉ. भारती कुलकर्णी ने विकसित भारत के लिए जच्चा और बच्चा दोनों के स्वास्थ के महत्व को जरूरी माना। उन्होंने कहा कि हमारा संस्थान मौजूदा मोटापा जैसी सार्वजनिक बीमारी को कम करने पर काम कर रहा है। साथ ही बच्चे और जच्चे के पोषण और उसके पदार्थ पर काम कर रहा है।

प्रो. विनोद तिवारी ने कहा कि कई खोज अकस्मात हो जाते हैं परंतु उसके लिए कोशिश करने की आवश्यकता होती है। संगोष्ठी के दूसरे सत्र में सामान्य विज्ञान आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी के सभी विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किया गया। संगोष्ठी में नराकास के सदस्य सचिव श्रीमती अनीता पांडे. सुब्बाराव, डॉ. वी. वेंकटेश्वर राव और डॉ. साकेत सहाय ने भी भाग लिया। संचालन डॉ. सौरभ कुमार, हिंदी अधिकारी एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुवाद आदर्श कुमार द्वारा किया गया।

बायोफैक्टर ने यूओएच के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बायोफैक्टर, एक प्रमुख कृषि जैव प्रौद्योगिकी कंपनी ने टिकाऊ खेती के लिए नैनो प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान विकसित करने के लिए हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यूओएच के रजिस्ट्रार डॉ. देवेश निगम और बायोफैक्टर के सीईओ डॉ. लक्ष्मी नारायण रेड्डी ने यूओएच के कुलपति प्रोफेसर बी जे राव, यूओएच में अनुसंधान एवं विकास निदेशक प्रोफेसर सम्राट सबत और संकाय सदस्यों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य फसल उत्पादकता, सटीक पोषक तत्व वितरण और पर्यावरण के अनुकूल नैनो कीटनाशकों को बढ़ाना है, जिससे बेहतर संसाधन दक्षता और कम रासायनिक निर्भरता सुनिश्चित हो सके। साझेदारी किसानों को लागत प्रभावी, उच्च उपज वाले समाधानों से लाभान्वित करने के लिए बायोफोर्टिफिकेशन और अभिनव नैनो-सक्षम इनपुट पर ध्यान केंद्रित करेगी।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के डॉ. दिबाकर दास ने कहा, यह साझेदारी अत्याधुनिक भौतिक विज्ञान को वास्तविक दुनिया की कृषि आवश्यकताओं से जोड़ती है, जबकि बायोफैक्टर के सीईओ डॉ.एल.एन. रेड्डी ने कहा, नैनो प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, हमारा लक्ष्य किसानों को सशक्त बनाना और वैश्विक खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना है। बायोफैक्टर ने पहले सीआईआरसीओटी मुंबई, एएनजीआरएयू गुंटूर, आईआईएआर बेंगलुरू और आईआईओआर हैदराबाद के साथ सहयोग किया है।

कोच बोले- रोहित 2 साल और खेलेंगे, संन्यास अभी नहीं

वे पूरी तरह फिट, समझ नहीं आता लोग उनके रिटायरमेंट के पीछे क्यों पड़े

दुबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। यह कहना है भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड का। 37 साल के रोहित शर्मा ने भारत को अपनी कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल जिताया। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया। रोहित ने फाइनल मैच में 76 रन की अहम पारी खेली। रोहित ने भी मैच के बाद कहा कि जैसा चल रहा है वैसा चलता रहेगा। मैं अभी संन्यास नहीं ले रहा हूं।

रोहित के संन्यास, उनकी कप्तानी और उनके मोटापे पर उठ रहे बात पर दिनेश लाड ने कहा मुझे लगता है कि रोहित-विराट दोनों में क्रिकेट बचा हुआ है और वे दो साल तक खेल सकते हैं। मुझे एक बात समझ नहीं आ रही है कि लोग रोहित के संन्यास के पीछे क्यों पड़े हैं।

अभी टीम इंडिया के पास रोहित और विराट जैसे सीनियर खिलाड़ियों का विकल्प नहीं है। ऐसा नहीं है कि हमारे पास युवा खिलाड़ी नहीं आ रहे हैं, या उनके पास क्षमता नहीं है। अभी युवा खिलाड़ियों को अनुभव की जरूरत है। मुझे अभी तक उनके जैसी क्लेवरनेस किसी में नहीं दिख रही है।

रोहित के मोटापे पर लाड ने कहा- 'रोहित पूरी तरह से फिट हैं। अगर वे फिट नहीं होते तो स्लिप, कवर और मिडविकेट जैसी पोजीशन पर फील्डिंग नहीं करते। वे शॉर्ट फाइन लेग या थर्ड मैन पर फील्डिंग करते।

किसने कहा कि वह मोटा है। वह पूरी तरह फिट है। जिसको जो बोलना था, उन्होंने बोल लिया। अगर वे फिट नहीं होते तो क्या सिलेक्टर्स उन्हें टीम में चुन लेते। इंडिया रोहित के घर की टीम नहीं है। वे इंडिया के लिए खेल रहे हैं। वे अगर फिट नहीं होते तो धोनी के बाद सफल कप्तान नहीं होते।

रोहित बेस्ट कप्तान, प्लेयर्स पर भरोसा करते हैं

कोच ने कहा- 'रोहित अपने प्लेयर्स पर भरोसा करते हैं, जब आप अपने प्लेयर्स को कॉन्फिडेंस देते हैं तो खिलाड़ी बेहतर करता है। वे अपने गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सही तरीके से हैंडल कर पाया। अगर वे बेस्ट कप्तान नहीं होते तो ऐसा नहीं कर पाते।

उसकी कप्तानी में टीम इंडिया का 93% आईसीसी टूर्नामेंट के मैच जीतने का आंकड़ा नहीं होता। ऐसा रोहित ने अकेले नहीं किया, बल्कि टीम का साथ मिला, तभी यह संभव हो पाया। उसने सभी को अच्छे से हैंडल किया है, इसलिए बेहतर कर पाया।'

चैंपियंस ट्रॉफी- अवॉर्ड प्रेजेंटशन सेरेमनी को लेकर शोएब अख्तर नाराज

कहा- अधिकारी दुबई में थे, लेकिन बुलाया नहीं; आईसीसी, बीसीसीआई, न्यूजीलैंड के ऑफिशियल्स शामिल थे

दुबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के अवॉर्ड सेरेमनी में पाकिस्तान के एक भी प्रतिनिधि नहीं होने पर पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि पीसीबी की ओर से मंच पर एक भी प्रतिनिधि न भेजना उनकी समझ से परे है।

टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा कर खिताब अपने नाम किया।

अवॉर्ड सेरेमनी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह,भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसचीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव देवजीत सैकिया और न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनॉजेडसी) के निदेशक रोजर टूसे मंच पर मौजूद थे। पाकिस्तान का कोई भी अधिकारी मंच पर नहीं था। जबकि पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ऑफिशियल मेजबान था। पीसीबी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुमैर अहमद जो चैंपियंस ट्रॉफी के टूर्नामेंट निदेशक भी हैं, वह दुबई में मौजूद थे, लेकिन उन्हें मंच पर नहीं बुलाया गया।

पीसीबी अध्यक्ष ने आने में असमर्थता जताई थी

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तानी सरकार में मंत्री भी हैं, उन्हें आईसीसी की ओर से अवॉर्ड सेरेमनी में बुलाया गया था। हालांकि, उन्होंने आईसीसी को बताया था कि पाकिस्तानी संसद में राष्ट्रपति आसिफ जरदारी राष्ट्र को संबोधित करेंगे, ऐसे में वह आने में असमर्थ हैं।

पाकिस्तान 29 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा था

पाकिस्तान 29 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा था। पाकिस्तान टीम इंडिया के साथ न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के ग्रुप में था। पाकिस्तान को भारत और न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा। जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मैच बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया था।

टीम इंडिया के साथ ही पॉल रीफेल अंपायर ने भी जीता दिल

दुबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ एक और शख्स की तारीफ हो रही है। उनका नाम है पॉल रीफेल। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने फाइनल के लिए जिन दो फील्ड अंपायरों का नाम घोषित किया था, उसमें पॉल रीफेल भी शामिल थे। पॉल ने पूरे मैच में कमाल के फैसले दिए। उनके करीब 3-4 फैसलों पर रिव्यू लिए गए, लेकिन कोई भी फैसला गलत साबित नहीं हुआ।

एलीट पैनल में हैं शामिल

न्यूजीलैंड और टीम इंडिया ने पॉल रीफेल के कुछ फैसलों के खिलाफ रिव्यू लिया, मगर उनका कोई भी फैसला गलत साबित नहीं हुआ। थर्ड अंपायर ने पॉल के डिसिजन को सही करार दिया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पॉल रीफेल को ICC ने अपने अंपायर्स के एलीट पैनल में क्यों शामिल किया है। ICC के इस पैनल में कुल 11 अंपायर हैं, जिनमें नितिन मेनन के रूप में एक भारतीय नाम भी शामिल है।

विश्व विजेता टीम का हिस्सा

पॉल रीफेल पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बॉलर हैं। वह 1999 में क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 35 टेस्ट और 92 वन डे इंटरनेशनल (ODI) खेले हैं। 2002 में मेलबर्न ग्रेड क्रिकेट में पहली बार अंपायरिंग करने के बाद उन्होंने 2004/2005 सीजन में फर्स्ट क्लास अंपायरिंग की दुनिया में कदम रखा। 2005/2006 सीजन में पॉल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय अंपायर पैनल में शामिल हुए और फरवरी 2009 में एकदिवसीय मैच में अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग की शुरुआत की।

इतनी मिलती है फीस

अंपायर के तौर पर पॉल रीफेल मोटी कमाई करते हैं। ICC मैचों के अलावा, वह इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का भी हिस्सा रहे हैं और वहां हर मैच के लिए उन्हें अच्छी - खासी फीस मिलती है। क्रिकआई की रिपोर्ट के अनुसार, 50 ओवर के एक वन डे मैच के लिए एलीट पैनल में शामिल अंपायर को करीब 3 हजार डॉलर (लगभग 2.61 लाख रुपये) मिलते हैं। टेस्ट मैच के लिए 5 हजार डॉलर (4.36 लाख रुपये) और T-20 के लिए 1.30 लाख रुपये मिलते हैं। इसके साथ ही अंपायरों को रिटेनर फीस भी मिलती है और वह स्पांसरशिप से भी अच्छी खासी कमाई करते हैं।

कितनी है नेटवर्थ?

आईपीएल की बात करें, तो मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यहां अंपायर की सैलरी को 2 कैटेगरी में बांटा गया है। पहली श्रेणी में ICC के एलीट पैनल में शामिल अंपायर आते हैं। इन अंपायर को हर IPL मैच के लिए 1.98 लाख रुपये दिए जाते हैं।

दूसरी श्रेणी में डेवलपमेंट अंपायर हैं, जिन्हें हर मैच के लिए 59 हजार रुपये फीस मिलती है। इसके अलावा वह स्पांसरशिप से भी मोटी कमाई करते हैं। पॉल रीफेल भी आईपीएल का हिस्सा रहे हैं। उनकी नेटवर्थ कितनी है, इसके बारे में कोई सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है। हालांकि, चूंकि वह ICC के एलीट पैनल का हिस्सा हैं, हर साल एक अच्छी-खासी रकम जरूर घर लेकर जाते हैं।

रचिन रविंद्र ने केन विलियमसन का रिकॉर्ड तोड़ा

ये कारनामा करने वाले पहले कीवी खिलाड़ी बने

दुबई,, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में टीम न्यूजीलैंड के युवा बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने 29 गेंदों में 37 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वो चैंपियंस ट्रॉफी के एक संस्करण में 250 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

विलियमसन को छोड़ा पीछे

फाइनल शुरू होने से पहले रचिन के नाम तीन मैचों में 226 रन बनाए थे। रचिन से पहले चैंपियंस ट्रॉफी के एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पूर्व कप्तान केन विलियमसन के नाम था। चैंपियंस ट्रॉफी के 2017 संस्करण के दौरान विलियमसन ने ब्लैक कैप्स के लिए तीन मैच खेले और एक शतक और दो अर्द्धशतक की मदद से 244 रन बनाए।

चैंपियंस ट्रॉफी के एक संस्करण में न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक रन

रचिन रवींद्र – 263 2025 में
केन विलियमसन – 2017 में 244
रोजर ट्वोज़ – 2000 में 201
टॉम लैथम – 2025 में 191*
मार्टिन गुप्टिल – 2009 में 191
केन विलियमसन – 2025 में 190*
स्टीफन फ्लेमिंग – 2006 में 184

गेल ने बनाए हैं चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन

चैंपियंस ट्रॉफी के एक संस्करण में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज़ के पूर्व सलामी बल्लेबाज़ और कप्तान क्रिस गेल के नाम है। गेल ने चैंपियंस ट्रॉफी के 2006 संस्करण में आठ मैच खेले और तीन शतकों की मदद से 474 रन बनाए।

वनडे फॉर्मेट से रोहित शर्मा संन्यास नहीं लेंगे

रोहित ने कप्तानी पारी खेलकर टीम को दिलाई जीत

खेल डेस्क, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से मात दी। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने तीसरी बार इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच खत्म होने के बाद रोहित ने अपने फैंस को बड़ी राहत दी है, जहां उन्होंने साफ कर दिया है कि वो फिलहाल वनडे क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं।

यह भारत का रिकॉर्ड तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी टाइटल है, जो किसी भी टीम द्वारा जीते गए सबसे ज्यादा खिताब हैं। रोहित एंड कंपनी ने पिछले साल बारबाडोस में 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत को लगातार दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट भी जिताया है।

अप्रैल में 38 साल के होने जा रहे रोहित ने मैच के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'एक और बात, मैं वनडे फॉर्मेट से संन्यास नहीं लेने जा रहा हूं। मैं सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहता हूं, ताकि आगे चलकर कोई अफवाह न फैले। मेरा फिलहाल कोई फ्यूचर प्लान नहीं है। जैसा चल रहा है, वैसा चलेगा।'

ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ा

भारत अब दो बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ते हुए तीन बार चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई। इसके अलावा रोहित एमएस धोनी के बाद कई ICC मेंस व्हाइट-बॉल चैंपियनशिप जीतने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बन गए हैं।

रोहित ने कप्तानी पारी खेलकर टीम को दिलाई जीत

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 83 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और सात चौके शामिल थे। काइल जैमीसन के खिलाफ अपने सिग्नेचर पुल शॉट के साथ उन्होंने अपनी दूसरी गेंद पर एक लंबा छक्का जड़ा। उन्होंने 41 गेंदों पर फिफ्टी जड़कर आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में अपना पहला फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया।

कप्तान रोहित ने रचा इतिहास

इससे पहले रोहित पहले ऐसे इंटरनेशनल कप्तान बने थे, जिन्होंने अपनी टीम को सभी चार प्रमुख ICC टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाया। इसमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अलावा, टी-20 वर्ल्ड कप 2024, वनडे वर्ल्ड कप 2023 और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 शामिल है। बतौर कप्तान रोहित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ WTC फाइनल और वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में करारी हार का सामना करना पड़ा था।

श्रीलंकाई क्रिकेट हुआ शर्मसार, पुलिस ने स्टार खिलाड़ी को किया गिरफ्तार

कोलंबो, 10 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंकाई क्रिकेटर एशेन बंडारा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने पार्किंग से जुड़े विवाद में अपने पड़ोसी पर हमला कर दिया गया है। हालांकि उन्हें जमानत मिल गई है। उम्मीद की जा रही है कि उन्हें 12 मार्च को कोर्ट में पेश किया जा सकता है।

श्रीलंका पुलिस ने दी जानकारी

श्रीलंका पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार शाम को पिलियांदला के कोलामुन्ना में हुई, जहां बंडारा रहते हैं। सड़क पर खड़ी गाड़ी को लेकर हुए विवाद के बाद बंडारा पर आरोप है कि उन्होंने अपने पड़ोसी के घर में घुसकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया।

श्रीलंका पुलिस ने कहा, "शनिवार शाम को एक पड़ोसी ने शिकायत की थी कि एशेन बंडारा परेशानी पैदा कर रहे हैं और उन्होंने किसी के घर में जबरन घुसने की कोशिश की है। इसके बाद मौखिक झड़प ने फिर मारपीट का रूप ले लिया। शनिवार रात को उसे हमले के संदेह में उन्हें गिरफ्तार किया गया और उसी दिन जमानत पर रिहा कर दिया गया।"

श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ एशले डी सिल्वा ने जारी किया बयान

श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ एशले डी सिल्वा ने कहा कि उन्हें कार्रवाई करने से पहले घटना के बारे में और जानकारी की आवश्यकता होगी। डी सिल्वा ने यह भी कहा कि हालांकि बंडारा वर्तमान में केंद्रीय अनुबंध में नहीं है, लेकिन वह श्रीलंका की नेशनल सुपर लीग में पुलिस एससी के साथ अनुबंध में है, ऐसे में वो एसएलसी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए उत्तरदायी हो सकते हैं।

डी सिल्वा ने कहा, "हमें सबसे पहले अनुबंध को देखना होगा और घटना को भी देखना होगा। अगर ऐसा लगता है कि उसने एसएलसी को बदनाम किया है, तो हम आगे की कार्रवाई कर सकते हैं इसलिए हम इस मामले पर आंतरिक रूप से चर्चा करेंगे और अगर इसकी जांच की जरूरत पड़ी तो हम जांच करेंगे।"

हॉकी इंडिया ने वार्षिक पुरस्कारों के लिए रिकॉर्ड इनामी राशि की घोषणा की, 32 खिलाड़ी नामित

खेल डेस्क, 10 मार्च (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने अपने सातवें वार्षिक पुरस्कारों के लिए 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की जिसके लिए आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को नामित किया गया है। वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम शनिवार को यहां आयोजित किया जाएगा जिसमें 2024 सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार समारोह के प्रमुख आकर्षणों में से एक प्रतिष्ठित बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार है जो वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए दिया जाएगा। यह सर्वश्रेष्ठ पुरुष और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा। युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। जुगराज सिंह पुरस्कार वर्ष के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी जबकि असुंता लाकड़ा पुरस्कार वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा।

इसके अलावा विभिन्न भूमिकाओं में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए भी पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए बलजीत सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड के लिए धनराज पिल्ले पुरस्कार शामिल हैं।

इस वर्ष के पुरस्कार उसी दिन दिए जाएंगे जिस दिन 50 साल पहले 1975 में भारतीय पुरुष टीम ने विश्व कप जीता था जो देश का अब तक का पहला और एकमात्र विश्व खिताब है। इसके साथ ही 2025 में भारतीय हॉकी के 100 वर्ष भी पूरे हो जाएंगे क्योंकि देश को सात नवंबर 1925 को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से मान्यता मिली थी।

इस दौरान भारत की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा पिछले साल एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी जीतने वाली पुरुष और महिला टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। जूनियर एशिया कप जीतने वाली पुरुष और महिला टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक बयान में कहा, 'हॉकी इंडिया का सातवां वार्षिक पुरस्कार 2024 भारतीय हॉकी में मौजूद असाधारण प्रतिभा का उत्सव है। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों को पहचानने के बारे में नहीं है बल्कि 2024 में चमकने वाली भारतीय हॉकी की सामूहिक भावना का सम्मान करना है।'

हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार 2024 के लिए नामांकन इस प्रकार हैं

वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए हॉकी इंडिया बलजीत सिंह पुरस्कारः बिचू देवी खारीबाम, कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सविता।

वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए हॉकी इंडिया परगट सिंह पुरस्कारः संजय, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, उदिता।

वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह पुरस्कारः जरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, नीलाकांता शर्मा, सुमित।

वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड के लिए हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै पुरस्कारः लालरेम्सियामी, अभिषेक, सुखजीत सिंह, नवनीत कौर।

वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार (21 वर्ष से कम): ब्यूटी डुंगडुंग, दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो।

वर्ष के उभरते हुए पुरुष खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया जुगराज सिंह पुरस्कार (21 वर्ष से कम) : अर्शदीप सिंह, आमिर अली, शारदानंद तिवारी, अराइजीत सिंह हुंदल।

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कारः सविता पुनिया, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी, नवनीत कौर।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कारः अभिषेक, हार्दिक सिंह, हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह।

मुख्यमंत्री रेवंत ने किशन रेड्डी को केंद्रीय निधि पर खुली बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा तेलंगाना को आवंटित निधि के बारे में बहस करने की चुनौती दी है। मुख्यमंत्री ने किशन रेड्डी को बहस के लिए एक तारीख तय करने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें कहा गया कि वह और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क दोनों इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

सोमवार को विधानसभा में पत्रकारों के साथ बातचीत में रेवंत रेड्डी ने उल्लेख किया कि केंद्रीय बजट में तेलंगाना परियोजनाओं के लिए सीमित आवंटन शामिल हैं, यही वजह है कि वह केंद्र से उनकी वैध मांगों को पूरा करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले दिनों तेलंगाना के लोगों से की गई प्रतिबद्धताओं की याद दिला रहा हूं। अगर हमें जरूरत पड़ी तो हम सिर्फ 39 बार नहीं, बल्कि 99 बार नई दिल्ली जाएंगे। अब मैं मुद्दों की याद दिला रहा हूं। हम सभी को केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी की जिम्मेदारी की याद दिलाना चाहते हैं, जो खुद दावा करते हैं कि उन्होंने मेट्रो लाने में भूमिका निभाई है। इस बीच, भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं।

जब भाजपा नेता कहते हैं कि भूमि अधिग्रहण की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है, तो क्या उन्हें हमारे साथ चर्चा नहीं करनी चाहिए? समीक्षा के लिए हैदराबाद में केंद्रीय मंत्रियों के दौरे के दौरान, किशन रेड्डी अनुपस्थित क्यों थे? क्या वह केसीआर को नाराज करने के डर से अनुपस्थित थे? यदि शहरी विकास मंत्री ने समीक्षा में भाग लिया, तो किशन रेड्डी क्यों नहीं आए? किशन रेड्डी को राज्य के विकास और केंद्रीय निधियों के आवंटन पर चर्चा करने के लिए तैयार होना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क और मैं दोनों ऐसी चर्चाओं में भाग लेने के लिए तैयार हैं। अगर यह साबित हो जाए कि अतिरिक्त धनराशि आवंटित की गई है, तो हम किशन रेड्डी का सम्मान करेंगे। क्या मुख्यमंत्री का पद भारतीय राष्ट्र पार्टी (बीआरएस) के नेता, अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना करने के लिए पर्याप्त नहीं है? मैंने केसीआर को टीपीसीसी अध्यक्ष पद से हटाकर सत्ता हासिल की है। अगर बीआरएस शासन के दशक के दौरान परियोजनाएं लागू की गई होतीं, तो हमें अब इतने मुद्दों का सामना नहीं करना पड़ता।

एमआरपीएस के अध्यक्ष मंदा कृष्ण मदिगा का बहुत सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आरक्षण नीतियों से संबंधित नहीं हैं। मंदा कृष्ण भाजपा नेता के समान विचार कैसे व्यक्त कर सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट का वर्गीकरण मामला पहले जारी अधिसूचनाओं से संबंधित नहीं है।

कार्रवाई करने का कोई भी प्रयास कानूनी परिणाम दे सकता है। मुझे नहीं पता कि पार्टी बदलने वाले विधायक क्या दावा कर रहे हैं। मैं केवल यह देख रहा हूं कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और किशन रेड्डी एक साथ समय बिता रहे हैं।

व्यापारी के घर से सोने, हीरे के आभूषण चोरी

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चोरों ने रविवार को जुबली हिल्स के रोड नंबर 22 स्थित एक व्यवसायी के घर पर धावा बोला और कथित तौर पर 75 लाख रुपये मूल्य के हीरे और सोने के आभूषण और कुछ विदेशी मुद्रा चुरा ली। यह घटना उस समय घटी जब मकान मालिक जी.वी. शेखर रेड्डी, जो एक रियल एस्टेट व्यवसायी हैं, घर को बंद करके एक शादी में शामिल होने गए थे।

पुलिस ने बताया कि चोरों ने अलमारी खोली और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना का पता तब चला जब परिवार घर लौटा। जुबली हिल्स पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिवार को घर में काम करने वाली तीन महिला नौकरानियों पर शक है, जो घटना की सूचना मिलने के बाद से ही लापता हैं। उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाना चाहिए : जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने अधिकारियों को प्रजावाणी में प्राप्त शिकायतों का शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया है। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में आयुक्त ने जनता से शिकायतें प्राप्त कीं और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को उचित सुझाव दिए।

इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने कहा कि जन शिकायतों के समाधान में देरी नहीं होनी चाहिए तथा समय पर समाधान पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। आयुक्त ने अधिकारियों को जनता से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान कुल 79 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 49 नगर नियोजन विभाग से संबंधित, 12 कर अनुभाग से, तीन-तीन इंजीनियरिंग और प्रशासन विभाग से, दो-दो नगर निगम, स्वास्थ्य और वित्त विभाग से, एक-एक जोनल कार्यालय (कुकटपल्ली), स्वच्छता, विद्युत और झील विभाग से संबंधित तथा दो शिकायतें फोन के माध्यम से प्राप्त हुईं। जीएचएमसी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत छह जोनों में कुल 108 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कुकटपल्ली जोन में 56, सिकंदराबाद जोन में 13, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 18, चारमीनार और एलबी नगर जोन में 10-10 तथा खैरताबाद जोन में एक शिकायत प्राप्त हुई। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त वेणुगोपाल, गीता राधिका, पंकजा, वेणुगोपाल रेड्डी, चंद्रकांत रेड्डी, सीपी पी श्रीनिवास, सीएम एंड एचओ डॉ. पद्मजा, यूबीडी निदेशक वेंकटेश्वर राव, पशु चिकित्सा प्रमुख अब्दुल वकील, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, जोनल सीपी, संपदा अधिकारी उमा प्रकाश, डिप्टी सीई पनासा रेड्डी, आवास ईई पीवी रमना, राजेश्वर राव और अन्य ने भाग लिया।

सीपी ने पुलिसकर्मियों के उत्कृष्ट कार्य के लिए सराहना की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डीजी, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सिटी सी.वी. आनंद ने फिल्म नगर पुलिस स्टेशन के एक एसआई श्रीकांत रेड्डी और पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन की एक महिला कांस्टेबल नेनावथ लावण्या को चार बांग्लादेशी मानव तस्करी पीड़ितों के बचाव और सुरक्षित प्रत्यावर्तन में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सराहना की। पीड़ितों को फिल्म नगर और पंजागुट्टा पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में बचाया गया था। पीड़ितों को पुनर्वास के लिए प्रज्वला आश्रय गृह में रखा गया था। एफआरआरओ हैदराबाद ने आवश्यक निकास परमिट जारी किए।

सड़क हादसे में 10 घायल 30 को मामूली चोटें

जोगुलम्बा गदवाल, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह यहां जम्मीचेडू में बोलेरो वैन के एक ट्रैक्टर से टकरा जाने से 10 लोग घायल हो गए तथा 30 अन्य को मामूली चोटें आईं। यह हादसा उस समय हुआ जब बोलेरो वैन धर्मावरम की ओर जा रही थी। घायलों को इलाज के लिए गदवाल क्षेत्र के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, उनकी पहचान धारूर मंडल के अंतर्गत पटापालेम और जामपल्ली गांवों के निवासियों के रूप में की गई है।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में पीसीटी और मैड्रिड सिस्टम पर रोविंग सेमिनार आयोजित

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) के कार्यालय और विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) ने संयुक्त रूप से डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में भारतीय फार्मास्युटिकल निर्यात संवर्धन परिषद के सहयोग से पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) और मैड्रिड सिस्टम, 2025 पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले उद्योग के नेताओं, स्टार्ट-अप, इनोवेटर्स, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं ने पेटेंट और अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा संरक्षण के निरंतर विकसित होते परिदृश्य पर चर्चा की।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के ई.ओ. विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि बौद्धिक संपदा ज्ञान-संचालित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और यह मंच इनोवेटर्स, स्टार्ट-अप्स और व्यवसायों को पीसीटी रूट के तहत पेटेंट दाखिल करने के रणनीतिक लाभों को समझने में मदद करेगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत स्टार्ट-अप इंडिया पहल, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया कार्यक्रम आदि द्वारा संचालित एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने पेटेंट दाखिल करने में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है, जो अनुसंधान, विकास और तकनीकी प्रगति पर बढ़ते जोर को दर्शाता है। सीजीपीडीटीएम के तहत बौद्धिक संपदा कार्यालय (आईपीओ) भारत में बौद्धिक संपदा ढांचे को बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उन्होंने बताया, पेटेंट फाइलिंग के डिजिटलीकरण, स्टार्ट-अप के लिए त्वरित जांच और एमएसएमई के लिए कम फाइलिंग शुल्क जैसी पहलों के माध्यम से, आईपीओ पेटेंट प्रक्रिया को अधिक सुलभ और कुशल बना रहा है। इन सुधारों ने पेटेंट फाइलिंग में भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डेविड मुल्स, वरिष्ठ निदेशक, मैड्रिड रजिस्ट्री, डब्ल्यूआईपीओ, जिनेवा ने इस बात पर जोर दिया कि भारत उभरते नवाचार परिदृश्य के केंद्र में है, जो 2024 के वैश्विक नवाचार सूचकांक में 39वें स्थान पर है और मध्य/दक्षिणी एशिया में अग्रणी है। उन्होंने कहा, भारत में बौद्धिक संपदा फाइलिंग में उछाल आया है- एक दशक में पेटेंट आवेदन दोगुने से अधिक हो गए, ट्रेडमार्क 2.5 गुना बढ़ गए और डिजाइन फाइलिंग में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई, जो नवाचारों के लिए देश की बढ़ती प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

इस अवसर पर सीजीपीडीटीएम, टीएम के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार पांडे, जीआई, सीजीपीडीटीएम कार्यालय, और फार्मेक्सिल की उप निदेशक डॉ. (सुश्री) गायत्री ने बात की।

महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने ट्रेनों के सुचारू संचालन और यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए जोन में चलाए जा रहे सुरक्षा अभियानों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा अभियान के दौरान अधिकारियों, पर्यवेक्षकों के साथ-साथ निर्माण कर्मचारियों को सुरक्षा के सभी पहलुओं पर जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने फील्ड अधिकारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा आवश्यकताओं को बिना किसी समझौते के सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैक रखरखाव पर अचानक जांच करने और कर्मचारियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं के बारे में परामर्श देने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने जोन भर में निर्माण स्थलों पर उचित प्रकाश व्यवस्था, साइन बोर्ड आदि जैसे सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने रनिंग स्टाफ को अनिवार्य विश्राम घंटों के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की भी सलाह दी। जैन ने जोन भर में सभी क्रॉसिंग और ट्रैक पर पॉइंट पर अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों पर चर्चा की और अधिकारियों को सभी सुरक्षा से संबंधित कर्मचारियों को शामिल करके सुरक्षा अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने यार्ड में छोटी-मोटी घटनाओं से बचने के लिए शंटिंग करते समय सावधानी बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों को एसी कोचों में स्मोक डिटेक्टर, अग्निशामक यंत्र और ट्रैक मेंटेनरों को ट्रेन एप्रोच वार्निंग उपकरण और एसएंडटी उपकरण आदि जैसी सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी।

अतिरिक्त डीजीपी (कार्मिक) डॉ. अनिल कुमार ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने आज डीजीपी कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक) के रूप में कार्यभार संभाला। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ. अनिल कुमार इससे पहले राज्य भर में विभिन्न प्रमुख पदों पर कार्य कर चुके हैं।

भेड़ियों के बच्चों के स्वागत के लिए तैयार चिड़ियाघर

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू प्राणी उद्यान चिड़ियाघर परिवार में नए सदस्यों, भेड़िये के बच्चों का स्वागत करने के लिए तैयार हो रहा है। पहली बार चिड़ियाघर में एक भेड़िया गर्भधारण करने जा रहा है तथा अधिकारियों को अगले एक या दो सप्ताह में तीन से चार बच्चों के जन्म की उम्मीद है। चिड़ियाघर में तीन भूरे भेड़िये हैं- दो नर और एक मादा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम भेड़िये के बच्चों का स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। चिड़ियाघर की देखरेख में ऐसा पहली बार होगा।

पिल्लों के जन्म के बाद उन्हें क्वारंटीन में रखा जाएगा और एक साल की अवधि के बाद उन्हें सार्वजनिक रूप से देखने के लिए छोड़ दिया जाएगा। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि भेड़ियों का गर्भकाल 60-75 दिनों का होता है। हम अगले 10-15 दिनों में भेड़ियों के पिल्लों के जन्म की उम्मीद कर रहे हैं। हम जानवर की पर्याप्त चिकित्सा देखभाल कर रहे हैं। बहादुरपुरा में 380 एकड़ भूमि पर फैले इस चिड़ियाघर में 194 विभिन्न प्रजातियां हैं, जिनमें 49 स्तनधारी, 106 पक्षी, 37 सरीसृप और दो उभयचर शामिल हैं। वर्तमान में, चिड़ियाघर में 519 स्तनधारी, 1,372 पक्षी, 330 सरीसृप और आठ उभयचर सहित 2,229 विभिन्न जानवरों का संग्रह है।

आईपीएस परितोष ने संभाला कार्यभार

संगारेड्डी, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी परितोष पंकज ने सोमवार को संगारेड्डी के पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान एसपी चेन्नुरी रूपेश ने उनका स्वागत किया, जिन्हें तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो का प्रमुख नियुक्त किया गया है। राज्य में आईपीएस अधिकारियों के हालिया फेरबदल के दौरान कोत्तागुडेम के ओएसडी के रूप में कार्यरत परितोष पंकज को एसपी संगारेड्डी के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया है। आईपीएस अधिकारी के रूप में अपने युवा करियर में किसी जिले के एसपी के रूप में यह उनकी पहली पोस्टिंग थी। नए एसपी ने कहा कि वह जिले में शांति बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in
विदेशी मुद्रा विभाग
6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक के लाइसेंस को रद्द किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदान किए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस को क्रमश: मौजूदा FEMA प्रावधानों और उसके तहत जारी निर्देशों का उल्लंघन एवं लाइसेंस के स्वैच्छिक समर्पण के कारण निरस्त कर दिया है।

क्र. सं.	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्तीकरण की तारीख
1	वीबीजे फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नंबर 110, फर्स्ट फ्लोर, नवकेतन कॉम्प्लेक्स, सरोजीनी देवी रोड, सिकंदराबाद - 530 003	FE.HY.FFMC/ 175/2020-2021	10.03.2022	30.01.2025
2	वज्रा फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड डो.सं.06-001/1, पी नं. 6 और 18, मारुती कॉम्प्लेक्स, वेंकटेश्वरा कॉलोनी, सुचित्रा एक्स रोड्स, जीडीमेट्ला, रंगारेड्डी-500 055	FE.HY.FFMC/ 148/ 2017-2018	08.12.2021	18.02.2025

निरस्ती के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनियां मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियाँ या लेनदेन का कार्य नहीं करेंगी।

हस्ता/-
(प्रियांक बहुगुणा)
उप महाप्रबंधक

स्थान: हैदराबाद
दिनांक: 11 मार्च 2025

अखिल ने आदिलाबाद एसपी के रूप में ग्रहण किया पदभार

आदिलाबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने कहा कि वह पुलिस को नए-नए तरीकों से जनता के करीब लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने सोमवार को एसपी गौश आलम से पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए अखिल ने कहा कि वे जिले की सीमाओं पर असामाजिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देंगे, साथ ही अपराधों पर नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित गांजे की तस्करी को खत्म करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। गैंगस्टरों और उपद्रवियों के खिलाफ राउडीशीटर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी ने आगे कहा कि जिला केंद्र में ट्रैफिक जाम को दूर करने और असामाजिक तत्वों द्वारा उत्पन्न समस्याओं को रोकने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने उच्च पद पर पहुंचने और तेलंगाना में शांतिपूर्ण क्षेत्र बनाने में जनता से सहयोग मांगा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र राव, डीएसपी पोथाराम श्रीनिवास, एल जीवन रेड्डी, सीएच नागेन्द्र, हसीबुल्लाह, निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों ने अखिल का भव्य स्वागत किया। विभिन्न रैंकों के पुलिस अधिकारियों ने गौश आलम को विदाई दी, जिनका रविवार को तबादला कर दिया गया था और उनकी जगह अखिल को नियुक्त किया गया था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.